आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

सुविचार

यदि आप हिम्मत का पहला कदम आगे बढ़ायेंगे तो परमात्मा की सम्पूर्ण मदद मिल जायेगी।

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — काम हुआ नहीं और लाखों का भुगतान...
4 अभिव्यक्ति — दुनिया की सर्वाधिक लोकप्रिय मछलियों...
9 मनोरंजन/खेल — बॉलिवुड पर भारी पड़ने जा रहा यह साल...
11 व्यापार — कोरोना को रोकने के लिए डिजिटल...

www.navpradesh.com बिलासपुर, शनिवार 02 मई 2020, वैशाख शुक्ल पक्ष-नवमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-22 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना काल में जमाखोरी और मुनाफाखोरी करने वाले भले ही लाखों की अवैध कमाई कर लें लेकिन जरूरतमंदों की बद्दुआ से वे नहीं बच पाएंगे। आटा, चांवल, दाल, तेल आदि आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं। लॉकडाउन के चलते शराब, सिगरेट, गुटखा और तम्बाखु जैसी नशीली चीजों की बिक्री पर रोक है लेकिन ये सभी चीजें कई गुना अधिक दामों पर धड़ल्ले से बेची जा रही हैं। कोरोना नाम की लूट है लूट सके तो लूट की तर्ज पर लूटेरों को खुली छूट मिल गई है। संकट काल का नाजायज फायदा उठाने वाले इन मुनाफाखारों के खिलाफ कार्यवाही न होना हैरत की बात है।

सीएम भूपेश खामोश, मंत्री सिंहदेव सेंट्रल ग्रेडिंग से खफा

नवप्रदेश संवादाता

कोरोना संक्रमण को लेकर छत्तीसगढ़ के जिलों की ग्रेडिंग पर उठा सवाल
बोले-खतरा टला नहीं, मेरे हिसाब से हर जिला येलो जोन माना जाए

पिछले दिनों हमारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जोन की ग्रेडिग व जिलों को ग्रेड लिस्ट में बांटने को लेकर चर्चा हो चुकी है। ग्रेडिग व रंगों में जिलों या प्रभावित इलाकों को बांटने को लेकर ना सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि पश्चिम बंगाल, उत्तर-प्रदेश और बिहार समेत अन्य राज्यों ने भी गंभीर आपत्ति दर्ज करवाई है। ग्रेडिग राज्यों के मुताबिक नहीं बल्कि केंद्र स्वयं अपनी गाइडलाइन के हिसाब से तय कर रहा है। ग्रेडिग की वजह से ही असमंजस की स्थिति निर्मित होती है।

निहारिका बारिक, स्वास्थ्य सचिव छग.शासन

रायपुर। कोरोना संक्रमण से हालाकि छत्तीसगढ़ बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं है। अब तक कोरोना पॉजिटिव मरीजों व संदिग्धों की जांच रिपोर्ट के बाद संतोषप्रद स्थिति है। फिर भी प्रकरण संख्या और ठीक होने वाले आंकड़ों के मुताबिक जो रिपोर्ट सेंट्रल को जा रही है। उसके मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जारी राज्यों के जिलों को ग्रीन, रेड और ऑरेंज जोन में रखे जाने का दायरा कौन तय कर रहा है यह बहस का मुद्दा बनता जा रहा है। राज्यों से भेजी जा रही कोविड-19 इफेक्ट की रिपोर्ट के मुताबिक जिलों के ग्रेड रेटिंग में नया विवाद खड़ा हो गया है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सेंट्रल हेल्थ मिनिस्ट्री ने जारी की ग्रेडिंग

देशभर में 130 लाल, 284 नारंगी और 319 हरे जोन में बांट दिया है. इसमें छत्तीसगढ़ का एक जिला लाल, एक नारंगी और शेष 26 जिले हरे जोन में शामिल हैं। छत्तीसगढ़ का लाल जोन में केवल एक जिला वह भी राजधानी रायपुर शामिल है। वहीं कोरबा जिले को नारंगी जोन में शामिल किया गया है। शेष सभी जिले हरे जोन में शामिल हैं। इसके पहले कोरबा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रसंगवश

कोरोना लॉकडाउन : यही अवसर था, है, और रहेगा

यशवंत धोटे

आज से 30 साल पहले ग्रामीण रोजगार गारन्टी में काम करने वाले अफसरों के साथ हम बातचीत करते थे तो उनकी समस्या बड़ी अजीबोगरीब हुआ करती थी। फंड इतना अधिक था कि काम क्या कराए यही समझ नहीं आता था। एक ही तालाब को कागजों में दो-तीन बार गहरा कर दिया जाता था । इसीलिए तो पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहा करते थे कि हम दिल्ली से एक रुपया भेजते हैं तो आम आदमी तक 15 पैसे ही पंहुचते थे। क्योंकि उस समय काम के बदले अनाज से लेकर ऐसी कई योजनाएं हुआ करती थीं जो ग्रामीण हाथों को काम देती थीं और गांवों में पैसे का फ्लो बना रहता था। इसी का परिष्कृत रूप मनरेगा है। लेकिन वैश्विक महामारी के बाद उत्पन्न होने वाले संकट के मद्देनजर मनरेगा को और अधिक परिष्कृत रूप देने की जरूरत हैं। इसे हमे अवसर के रूप में लेना होगा। वैसे तो कोविड 19 पूरी दुनिया की दिशा और दशा बदलने जा रहा हैं। यह मानवीय त्रासदी कई विधाओं में अवसर देकर जाने वाली हैं बस जरूरत है उसे लपकने की। इस कोरोना वायरस के चलते पिछले तीन महीनों से दुनिया भर में चल रहा मौतों का सिलसिला अपने चरम पर हैं और भारत अभी सामुदायिक संक्रमण के मुहाने पर खड़ा हैं। मेनस्ट्रीम मीडिया खासकर हिन्दी न्यूज चैनलों ने सामाजिक संक्रमंण फैलाने की कोशिश की है इसका भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ते दिख रहा हैं। देश में निकट भविष्य में आने वाली आर्थिक मन्दी को लेकर पूरा विश्व चिन्तित है। लेकिन भारत के लिए यह अवसर है कि कम से कम नुकसान के साथ हम कितनी जल्दी हमारी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाते हैं । 2008 में जब पूरा विश्व आर्थिक मन्दी का रोना रो रहा था तब हमें पता नहीं चला कि मन्दी है, लेकिन उस मन्दी में और आने वाली मन्दी में जमीन आसमान का अन्तर है। आने वाली मन्दी भूख, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ के साथ अधोसंरचना की चुनौतियां और कोरोना का संक्रमण भी लेकर आ रही हैं। दुनिया भर के अर्थशास्त्री और विषय विशेषज्ञ अपने अनुभवों के आधार पर इससे निपटने की रायशुमारी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अच्छी खबर

गैर सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर 162 रू. सस्ती

नई दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण देशभर में जारी पूर्णबंदी के बीच खाना पकाने की गैस (एलपीजी) का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक राहत भरी खबर है और शुक्रवार से गैर सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर 162 रुपये की बड़ी कमी की गई है। देश की अग्रणी तेल विपणन कंपनी के अनुसार नयी दरें आज से प्रभावी हो गए हैं। दिल्ली में गैर सब्सिडी वाला सिलेंडर 162.50 रुपये कम होकर पहले के 744 रुपये से मई माह के लिए 581.50 रुपये प्रति सिलेंडर पर मिलेगा। सरकार रसोई गैस उपभोक्ता को एक वित्त वर्ष में 12 सिलेंडर सब्सिडी दर पर देती है और इससे अधिक की मांग पर बाजार कीमत देनी पडती है। मुंबई में नई दर 579 रुपये प्रति सिलेंडर होगी। कोलकाता में यह 584.50 रुपये और चेन्नई में 569.50 रुपये प्रति सिलेंडर पर मिलेगा।

17 मई तक बढ़ा लॉकडाउन

ग्रीन और ऑरेंज जोन में कुछ ढील

नई दिल्ली (वार्ता)। लॉकडाउन की अवधि फिर से दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी गई है। देशभर को रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोनों में बांटा जा रहा है। ग्रीन जोन में सभी बड़ी आर्थिक गतिविधियों की छूट दे दी गई है। ताजा आदेश के मुताबिक, ग्रीन जोनों में बसें चल सकेंगी, लेकिन बसों की क्षमता 50त्न से ज्यादा नहीं होगी। यानी, अगर किसी बस में 50 सीटें हैं तो उसमें 25 से ज्यादा यात्री नहीं चढ़ेंगे। इसी तरह, डीपो में भी 50% से ज्यादा कर्मचारी काम नहीं करेंगे।

देश में कौन से जोन, कितने

ध्यान रहे कि पूरे देश को 733 जोनों में बांटा गया है। इनमें 130 रेड जोन, 284 ऑरेंज जोन जबकि 319 ग्रीन जोन घोषित किए गए हैं। ग्रीन जोन के जिलों में नाई की दुकानें, सैलून समेत अन्य जरूरी सेवाओं और वस्तुएं मुहैया कराने वाले संस्थान भी 4 मई से खुल जाएंगे। सिनेमा हॉल, मॉल, जिम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स आदि बंद रहेंगे।

ऑरेंज जोन में कैब की अनुमति

वहीं, ऑरेंज जोन में बसों के परिचालन की छूट नहीं होगी, लेकिन कैब की अनुमति होगी। कैब में ड्राइवर के साथ एक ही पैसेंजर हो सकता है। ऑरेंज जोन में इंडस्ट्रियल ऐक्टिविटीज शुरू होगी और कॉम्प्लेक्स भी खुलेंगे। रेड जोन में नई की दुकानें, सैलून आदि बंद रहेंगे। विस्तृत जानकारी गृह मंत्रालय की तरफ से दी जाएगी।

रेल मंत्रालय ने अपने सभी जोन्स के लिए निर्देश जारी किए हैं। उनसे कहा गया है कि वे राज्यों से उनकी डिमांड का पता करें। अगर सबकुछ ठीक रहता है तो आज-कल में कई और स्पेशल ट्रेनें शुरू की जा सकती हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र से अपने वर्कर्स को लाने के लिए क्लियरेंस दे दिया है। हालांकि बिहार ने अभी तक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

129 जिले रेड जोन में, पूरी दिल्ली भी

देश में 129 जिले रेड जोन्स में हैं यानी वहां कोरोना वायरस के हॉटस्पॉट्स हैं। पूरी दिल्ली रेड जोन में है। मुंबई, अहमदाबाद, सूरत जैसे बड़े औद्योगिक केंद्र भी रेड जोन्स में हैं, जहां रियायतों की गुंजाइश न के बराबर है।

307 जिले ग्रीन जोन में शर्तों के साथ खुलेंगी सेवाएं

देश में कुल 739 जिले हैं, जिनमें से 307 अब भी कोरोना से अछूते हैं यानी 40 प्रतिशत से भी ज्यादा। ये 307 जिले ग्रीन जोन्स हैं। 3 मई के बाद इन जिलों में फैक्ट्रियों, दुकानों, छोटे-मोटे उद्योगों समेत ट्रांसपोर्ट और अन्य सेवाओं को भी शर्तों के साथ पूरी तरह खोलने की अनुमति दे दी गई है। गौरतलब है कि जिन जिलों में पिछले 21 दिनों से कोरोना वायरस के संक्रमण का एक भी मामला नहीं आता है, उन्हें ग्रीन जोन घोषित कर दिया जाता है। पहले यह मियाद 28 दिनों की थी जिसे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने घटाकर 21 दिन कर दी।

सूरजपुर में और तीन कोरोना पॉजिटिव, छग में कुल संख्या 7 हुई

रायपुर (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ में और तीन कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं। ये तीनों सूरजपुर से ही हैं। इस तरह अब छत्तीसगढ़ में कुल एक्टिव कोरोना पॉजिटिव की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। शुक्रवार को पॉजिटिव पाए गए तीन मरीजों में सभी कर्मचारी है। ये जजवाल राहत शिविर में पॉजिटिव मरीज के संपर्क में थे। इनमें एक पंचायत सचिव, एक छात्रावास का रसोइया व एक पुलिसकर्मी शामिल हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक तीनों को शनिवार को एम्स में भर्ती कर दिया जाएगा। सूरजपुर के सीएमएचओ ने इसकी पुष्टि की है। इन तीन केस के साथ ही सूरजपुर से एक्टिव कोरोना पॉजिटिव केस 6 हो गए हैं। जबकि सूरजपुर से ही आए सात लोगों को रायपुर में ही क्वारंटाइन में रखा गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में अब तक कोरोना के 43 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 36 डिस्चार्ज कर दिए गए हैं।

कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में कल फ्लाई पास्ट करेगी सेना : रावत

नई दिल्ली (वार्ता)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने कहा कोरोना योद्धाओं के सम्मान में वायुसेना एक फ्लाई पास्ट श्रीनगर से त्रिवेंद्रम और दूसरा डिब्रूगढ़ से कच्छ के बीच करेगी, जिसमें ट्रांसपोर्ट और फाइटर एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। शसस्त्र बल 3 मई को पुलिस मेमोरियल पर फूल चढ़ाएंगे। आर्मी लगभग हर जिले में कोविड अस्पतालों के पास माउंटेन बैंड परफॉर्मेंस देगी। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों की ओर से हम सभी कोविड-19 वॉरियर्स को धन्यवाद देना चाहते हैं। डॉक्टरों, नर्सों, स्वच्छता कर्मचारियों, पुलिस, होमगार्ड, डिलीवरी बॉय और मीडिया जो मुश्किल समय में आगे बढ़ने के लिए सरकार के संदेश के साथ लोगों तक पहुंच रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले हफ्ते भारत के शीर्ष सैन्य कमांडरों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि देश विरोधी को तकातों को कोविड - 19 की स्थिति का फायदा उठाने नहीं दिया जाए।

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	35043	1154
अमेरिका	1097080	63913
इटली	205463	27967
ब्रिटेन	171253	26771
स्पेन	239639	24543
फ्रांस	167178	24376
बेल्जियम	49032	7703
जर्मनी	163162	6632
ईरान	95646	6091
ब्राजील	87187	6006
नीदरलैंड	39791	4893
टर्की	120204	3174
कनाडा	53236	3184
स्वीडन	21520	2653
स्वीट्जरलैंड	29785	1737
मैक्सिको	19224	1859

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 33717.62
निफ्टी- 9859.90
गोल्ड- 45090 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 41240 (1 कि ग्रा.)

महाराष्ट्र में इस माह होंगे विधान परिषद चुनाव

मुंबई/(वार्ता)। कोरोना काल में भी महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव होने जा रहे हैं। चुनाव की तारीखों का ऐलान भी हो चुका है। इससे महाराष्ट्र की राजनीति फिर से पेच फंस गया है। दरअसल मभी महाराष्ट्र विधानमंडल के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होने के बावजूद उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद पर बने हैं। नियमानुसार मुख्यमंत्री को शपथ ग्रहण बाद छह माह के भीतर विधानमंडल के दोनों सदनों- विधानसभा या विधान परिषद की सदस्यता लेना अनिवार्य है। 28 मई को उद्धव ठाकरे को शपथ लिए छह माह का समय पूरा होने जा रहा है।

हम कोरोना नियंत्रण में नंबर वन, अब रोजगार देने का लक्ष्य

नवप्रदेश संवादाता

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दिए कलेक्टरों को दिए निर्देश

रायपुर। मुख्य सचिव आरपी मण्डल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सभी निर्माण एजेंसियों को पुल-पुलियों, सड़क आदि के निर्माण तेजी से कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि मनरेगा में जल संग्रहण संरचनाओं और गरवा योजना के अंतर्गत गौठानों में चारागाह बाड़ी विकास के कार्य प्राथमिकता से लिए जाएं। श्री मण्डल शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वनमण्डलाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, आयुक्त नगर निगम तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्य सचिव आरपी मण्डल ने कहा कि भारत वर्ष में कोरोना के 3 गुना केश हो गए है, जबकि छत्तीसगढ़ में केवल 33 से 40 हुआ। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

लॉकडाउन में फंसे लोगों के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें, सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली ए.। लॉकडाउन की वजह से अलग-अलग राज्यों में फंसे लोगों के लिए बेहद अच्छी खबर है। केंद्र सरकार ने उनके लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने की परमिशन दे दी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवास पर हुई एक अहम बैठक में इस बारे में फैसला हुआ। इस मीटिंग में पीएम नरेंद्र मोदी के अलावा, गृह मंत्री अमित शाह, रेल मंत्री पीयूष गोयल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, कैबिनेट सचिव राजीव गौबा और पीएम के प्रधान सचिव पीके मिश्रा शामिल रहे। रेल मंत्रालय ने अपने सभी जोन्स के लिए निर्देश जारी किए हैं। उनसे कहा गया है कि वे राज्यों से उनकी डिमांड का पता करें। अगर सबकुछ ठीक रहता है तो आज-कल में कई और स्पेशल ट्रेनें शुरू की जा सकती हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र से अपने वर्कर्स को लाने के लिए क्लियरेंस दे दिया है। हालांकि बिहार ने अभी तक रजामंदी नहीं दी है।

रेलवे को है इस बात की चिंता

रेलवे के लिए परेशानी का सबब ये है कि ट्रेनें चलाने के ऐलान के बाद कहीं स्टेशंस पर भारी भीड़ ना जुट जाए। मुंबई में ऐसी ही अफवाह पर हजारों प्रवासी मजदूर घर जाने के लिए बान्द्रा स्टेशन पर जमा हो गए थे। रेलवे को टेंशन है कि अगर दोबारा ऐसा हुआ तो हालात बेकाबू हो जाएंगे। इतनी भीड़ में सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ जाएंगी और कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। रेल मंत्रालय ने कहा कि केवल उन्हीं यात्रियों को भेजा जाएगा जिनमें खांसी, सर्दी या बुखार जैसे लक्षण नहीं होंगे। भेजने वाले राज्य सरकार को सोशल डिस्टेंसिंग मानदंडो और अन्य सावधानियों के साथ सेनिटाइज बसों में निर्धारित रेलवे स्टेशन पर बैच में लाना होगा।

गरमा-गरम

चिंता — लॉकडाउन 2 : वित्तीय कठिनाइयों को लेकर सीएम भूपेश का पीएम को पत्र

ऋण की सीमा और वित्तीय घाटा पर मांगी राहत

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 22 मार्च से लागू तालाबंदी के कारण राज्य के सामने आ रही वित्तीय कठिनाईयों की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है। श्री बघेल ने प्रदेश में जरूरतमंद लोगों को राहत देने सहित राज्य के कामकाज के संचालन और विकास की गतिविधियों के लिए अधिक आर्थिक संसाधन जुटाने के उद्देश्य से राज्य को इस वर्ष उधार की सीमा जीएसडीपी के 6 प्रतिशत तक शिथिल करने और राज्य का वित्तीय घाटा भी इस वर्ष अपवाद के रूप में जीएसडीपी का 5 प्रतिशत के बराबर रखने की सहमति प्रदान करने का अनुरोध किया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राजस्व में हुई हानि

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र में लिखा है कि कोरोना वायरस रोग 19 महामारी के प्रसार को रोकने के प्रभावी कदम के रूप में 22 मार्च 2020 से छत्तीसगढ़ सहित देश में की गई सम्पूर्ण तालाबंदी के कारण सभी आर्थिक गतिविधियां बंद है, जिससे राज्य के राजस्व में हानि हुई है। संपूर्ण तालाबंदी ने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित किया है, जिनमें विशेषकर दैनिक आय अर्जित करने वाले, श्रमिक, छोटे दुकानदार एवं अधिकांश ग्रामीण परिवार शामिल है।

जीएसडीपी में 6 प्रतिशत तक शिथिल करने की दे सहमति

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखा है कि आपदा के समय असाधारण उपायों की आवश्यकता होती है, अतः राज्य को इस वर्ष उधार की सीमा जीएसडीपी के 6 प्रतिशत तक शिथिल करते हुए सहमति दी जाए। साथ ही राज्य का वित्तीय घाटा भी इस वर्ष अपवाद के रूप में जीएसडीपी का 5 प्रतिशत के बराबर रखे जाने की भी सहमति प्रदान की जाए। वित्तीय आपदा की इस घड़ी में राज्य द्वारा यथासंभव मितव्ययता के लिए उठाए जा रहे अन्य कदमों के साथ-साथ इन शिथिलताओं से कुछ राहत मिलेगी।

अन्नदाताओं की समस्या

यह फसलों की कटाई का भी समय है, जिनमें किसानों को फसल काटने तथा उसे बेचकर जीवन यापन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ में समाज के इन वर्गों की जनसंख्या अधिक है, अतः उन्हें केन्द्र सरकार द्वारा राहत प्रदान करने के लिए की गई पहल के अलावा राज्य द्वारा कई प्रकार के सामाजिक एवं आर्थिक उपायों के माध्यम से उचित राहत प्रदान करना एक कठिन कार्य है।

चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाने की तैयारी में अमेरिका

कोरोना से हुए नुकसान के बदले चीन पर ज्यादा टैरिफलगाएगा अमेरिका, ट्रंप ने दिए संकेत

नई दिल्ली ए.। अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देश कोरोना वायरस के लिए चीन को जिम्मेदार मानते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने तो साफ-साफकहा कि चीन ने इस वायरस को पैदा किया है। ऐसे में हर कोई चीन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। ट्रंप ने गुरुवार को इशारा किया कि आने वाले दिनों में अमेरिका एकबार फिर से चीन पर ज्यादा टैरिफलगाएगा। हालांकि उन्होंने कर्ज के दायित्वों को भी पूरा करना का भरोसा दिया।

ट्रंप ने कहा कि कर्ज के दायित्वों से पीछे हटना गलत होगा और इससे डॉलर का महत्व भी कम होगा। दरअसल एक रिपोर्टर ने ट्रंप से पूछा कि ऐसा हो सकता है कि अमेरिका ने चीन को कर्ज देने का जो वादा किया है, वह वादा नहीं निभाए, जिसका उन्होंने यह जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि हम इस काम को दूसरे रास्तों से कर सकते हैं। टैरिफ इसका एक जरिया हो सकता है।

डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है

ट्रंप ने कहा कि डॉलर अभी काफी मजबूत है और इसकी महत्ता लगातार बढ़ती जा रही है। डॉलर की मजबूती

ऐतिहासिक स्तर पर है, इसलिए हम जीरो इंट्रेस्ट रेट पर कर्ज बांट रहे हैं। हमें डॉलर की मजबूती और महत्ता को बचाकर रखना है। चीन को कर्ज देने का जो वादा है उसकी भरपाई मैं ज्यादा टैरिफलगाकर करूंगा।

अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित

कोरोना के कारण अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। वहां अब तक करीब 64 हजार लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 11 लाख लोग संक्रमित हैं। कई शहरों में लॉकडाउन जारी है जिसके कारण अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंच रहा है। अमेरिका कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

चीन से मुआवजे की मांग

बता दें कि कई यूरोपीय देश तो कोरोना के कारण हुए नुकसान के लिए चीन से मुआवजे तक की मांग कर चुके हैं। अमेरिका से पहले जर्मनी ने भी नुकसान की भरपाई के लिए चीन को एक लंबा चौड़ा बिल भेजा है। चीन पर जानकारी छिपाने का आरोप लग रहा है जिसके कारण वहां से विदेशी निवेशक निकलने की तैयारी कर रहे हैं।

चीन की प्रयोगशाला से उत्पन्न हुआ है कोरोना: ट्रंप

__वाशिंगटन (वार्ता)।__ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्हें भरोसा है कि कोरोना वायरस चीन की प्रयोगशाला से उत्पन्न हुआ है और वह चीन के खिलाफइस महामारी के अपर्याप्त प्रबंधन मामले में दंड के तौर पर आयात शुल्क बढ़ा सकते हैं। श्री ट्रंप ने गुरूवार को पत्रकारों से कहा कि उन्होंने सभी सबूतों की जांच कर ली है और उन्हें पूरा भरोसा है कि कोरोना वायरस वुहान इंस्टीट्यूट ऑफवायरोलॉजी से उत्पन्न हुआ है। हालांकि उन्होंने साक्ष्यों से संबंधित जानकारी साझा करने से इंकार किया है। नेशनल इंटेलिजेंस के निदेशक के कार्यालय ने गुरूवार को घोषणा की कि यह वायरस मानव निर्मित नहीं है लेकिन यह निर्धारित करने के लिए और जांच की आवश्यकता है कि क्या संक्रमण जानवरों के संपर्क से शुरू हुआ या वुहान प्रयोगशाला में एक दुर्घटना का परिणाम था। क्योडो न्यूज़ ने श्री ट्रम्प के हवाले से कह 'इस वायरस को चीन से बाहर जाने की अनुमति कभी नहीं दी जानी चाहिए थी और इसके स्रोत पर ही इसे काबू कर लिया जाना चाहिए था।अमेरिका ने हाल के दिनों में कोरोना वायरस से निपटने के लिए चीन से सवाल किये है और बुधवार को अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने भी इस बात पर खेद व्यक्त किया था कि वायरस की उत्पति के अध्ययन के लिये अंतरराष्ट्रीय समुदाय को वुहान इंस्टीट्यूट ऑफवायरोलॉजी तक नहीं जाने दिया गया है।

पालघर लिंचिंग केस सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

पालघर घटना की सीआईडी जांच पर फिलहाल रोक लगाने से इन्कार, राज्य को नोटिस

नयी दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के पालघर में दो साधुओं की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर की गयी हत्या की अपराध जांच विभाग (सीआईडी) से करायी जा रही जांच पर फिलहाल रोक लगाने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया तथा राज्य सरकार से स्थिति रिपोर्ट तलब की। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने याचिकाकर्ता वकील शशांक शेखर झा की दलीलें सुनने के बाद उन्हें याचिका की एक प्रति महाराष्ट्र सरकार को सौंपने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने, हालांकि इस मामले में राज्य सरकार द्वारा कराई जा रही सीआईडी जांच पर फिलहाल रोक से इन्कार कर दिया।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि यह कानून-व्यवस्था की बदतर स्थिति का प्रमाण है, क्योंकि पुलिस प्रशासन ने इस भयावह घटना को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। याचिकाकर्ता ने यह भी सवाल उठाया कि पुलिस ने जगह पर भीड़ को इकट्ठा करने की अनुमति कैसे दी, क्योंकि यह लॉकडाउन के नियमों का पूर्ण उल्लंघन है।

याचिकाकर्ता ने मामले की जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में आयोग गठित करने अथवा इस अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराये जाने अथवा मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को हस्तांतरित करने का अनुरोध है।

याचिकाकर्ता ने मामले को महाराष्ट्र के पालघर से दिल्ली के साकेत या किसी अन्य फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने के निर्देश देने की भी मांग की है। याचिकाकर्ता ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का महाराष्ट्र सरकार को निर्देश देने का भी अनुरोध किया।

गौरतलब है कि 16 अप्रैल को, मुंबई से सूरत जाने वाले दो साधुओं की कार को 200 से अधिक लोगों की भीड़ द्वारा रोका गया था। इस भीड़ ने कार पर हमला कर दिया और पत्थर एवं डंडों से हमला किया जिसके परिणामस्वरूप दोनों संतों की मृत्यु हो गई।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली हिंसा में पहला आरोप पत्र दाखिल

नयी दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा के मामले पहला आरोप पत्र शुक्रवार को दाखिल कर दिया। पुलिस ने हिंसा के दौरान हेड कांस्टेबल दीपक दहिया पर गोली चलाने वाले शाहरुख पठान के खिलाफ कड़कड़डूमा कोर्ट में 350 पृष्ठों से अधिक का आरोप पत्र दाखिल किया। शाहरुख को तीन मार्च को गिरफ्तार किया गया था जो अब जेल में है। इस हिंसा में पहली गिरफ्तारी शाहरुख की ही हुई थी। आरोप पत्र में कहा गया है कि जांच के दौरान उत्तर प्रदेश के कैराना के कलीम अहमद ने शाहरुख को शरण दी थी इसलिए उसे भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान आईपीसी की 147/148/149/216 धारायें भी जोड़ी गई। इससे पहले 186/353/307 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि इस हिंसा में शाहरुख, कलीम और एक अन्य यहां के घोंडा निवासी इश्तियाक मलिक के खिलाफभी आरोप पत्र दायर किया गया है। इश्तियाक की लोकेशन भी घटनास्थल पर पाई गयी थी। इस मामले में शाहरूख के पास से 7.65 की एक पिस्तौल तथा दो कारतूस जब्त किये गये थे। गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शनकरियों के इस कानून जे समर्थकों के साथ झड़प हिंसा में तब्दील हो गई और तीन दिनों तक उत्तर-पूर्वी जिले के कई इलाकों में हिंसा होती रही जिसमें 50 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

शरजील इमाम की याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब तलब

नयी दिल्ली, (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने भड़काऊ भाषण मामले में राजद्रोह और अन्य गंभीर आरोपों का सामना कर रहे शरजील इमाम की याचिका पर दिल्ली पुलिस से शुक्रवार को जवाब तलब किया। शरजील ने देश के विभिन्न हिस्सों में एक ही तरह की पांच प्राथमिकियां दर्ज किये जाने के खिलाफ और सभी मामलों की जांच एक ही एजेंसी से कराये जाने का न्यायालय से अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की खंडपीठ ने शरजील की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें सुनने के बाद दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और मामले की सुनवाई 10 दिन बाद करने का निर्णय लिया।

सुनवाई के दौरान श्री दवे ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के खिलाफविभिन्न राज्यों में दर्ज सभी पांच प्राथमिकियां उनके एक ही भाषण पर आधारित हैं। श्री दवे ने ऐसे ही एक ही तरह के कई मामले

दर्ज किये जाने के खिलाफ रिपब्लिक टीवी के एडिटर इन चीफ अर्नब गोस्वामी को शीर्ष अदालत से मिली राहत का उल्लेख भी किया, लेकिन न्यायमूर्ति भूषण ने कहा कि अगर पुलिस को कुछ संज्ञेय अपराध के बारे में पता चलता है तो प्राथमिकी दर्ज करने में कोई बुराई नहीं है। गौरतलब है कि दिल्ली के शाहीन बाग में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी प्रदर्शन के आयोजकों में से एक शरजील पर राजद्रोह के आरोप लगे हैं, जिनमें भारतीय दंड संहिता की धारा 124 एवं 153ए के अलावा गैरकानूनी गतिविधियां निरोधक अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 भी जोड़ी गई है।

शरजील फिलहाल जेल में बंद है। गत वर्ष 13 दिसंबर और 15 दिसंबर को जामिया हिंसा में शामिल होने के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र शरजील इमाम के खिलाफविभिन्न राज्यों में पांच प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन पर दिसंबर में भड़काऊ भाषण के कारण, जामिया दंगों को भड़काने और 15 जनवरी को सीएए के खिलाफ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में भाषण देने के आरोप लगाए गए।

वरिष्ठ साहित्यकार श्याम विमल नहीं रहे

नयी दिल्ली (वार्ता)। हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार श्याम विमल का शुक्रवार को नोएडा में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी, दो पुत्री और एक पुत्र है। पाकिस्तान में मुल्तान जिले के सुजाबाद में तीन मार्च 1931 को जन्मे श्याम विमल पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और वह हृदय रोग तथा उक्त रक्तचाप से पीड़ित थे। उन्हें नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया था। उनके बड़े पुत्र विवेक शील ने बताया कि उनकी अंत्येष्टि नोएडा की ही शमशान भूमि में की गई। श्री विमल ने मृत्योपरांत देह दान की बात लिखी हुई थी लेकिन कोरोना के प्रकोप के चलते वह संभव नहीं हो सका। श्री विमल हिन्दी के साथ संस्कृत और मराठी के भी जानकार थे और अनुवाद के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला था। उनकी संस्मरणात्मक कृति प्रतिस्मरण और उपन्यास 'अनुस्मृति ' की काफी चर्चा रही है।

वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना से पांच और राज्य जुड़े

नयी दिल्ली (वार्ता)। वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना से पांच और राज्य जुड़ गये हैं। खाद्य आपूर्ति एवम् उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने आज ट्वीट कर बताया कि बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और दमन-दीव को भी वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना से जोड़ दिया गया है। इससे पहले आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना और त्रिपुरा इस योजना से जुड़े हुए थे। इसके साथ ही राशन कार्ड के पोर्टेबिलिटी की सुविधा अब 17 राज्यों में हो गई है।

प्रशांत भूषण की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नयी दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने जाने माने वकील प्रशांत भूषण के खिलाफ गुजरात में दर्ज प्राथमिकी के मद्देनजर पुलिस कार्रवाई पर शुक्रवार को रोक लगा दी और राज्य पुलिस से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की खंडपीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये की गयी सुनवाई के दौरान श्री भूषण की दलीलें सुनने के बाद गुजरात पुलिस को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया। न्यायालय ने राज्य पुलिस को दो सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया। इस बीच खंडपीठ ने श्री भूषण के ख़िलाफ़ किसी प्रकार की पुलिस कार्रवाई और उनकी गिरफ़्तारी पर रोक लगा दी।

इमरान खुद तो फेल, पर भारत को दे रहे नसीहत

नई दिल्ली ए.। पूरा पाकिस्तान कोरोना वायरस से जूझ रहा है। वहां रोज मामले बढ़ रहे हैं मगर प्रधानमंत्री इमरान खान के पास भारत को कोसने से फुर्सत नहीं है। अपने मुल्क की दिक्कतें उनसे दूर नहीं होतीं पर भारत के मामलों में टांग जरूर अड़ाते हैं। भारत कोई प्रतिक्रिया दे या ना दे, इमरान का 'इंडिया-इंडिया' चलता रहता है। पहले तो बड़ा कहते फिरे कि लॉकडाउन नहीं करेंगे, पाकिस्तान को कुछ नहीं होगा। फिर जब कोरोना के मामले बढ़ने लगे तो इमरान ने लॉकडाउन कर दिया। वहां 9 मई तक लॉकडाउन है मगर बहुत सी चीजों में छूट दी गई है इसलिए मामले बढ़ रहे हैं। खुद अपना देश इमरान से संभलता नहीं, अब वह भारत में लॉकडाउन पर ज्ञान देते फिर रहे हैं।

इस्लामाबाद के एक कार्यक्रम में बोलते-बोलते इमरान डिप्लोमेसी की मर्यादाएं भूल गए। किसी दूसरे देश के प्रमुख की खातिर उन्होंने ऐसे शब्द इस्तेमाल किए जो हेड ऑफद स्टेट को शोभा नहीं देते। भारत के बारे में इमरान ने कहा, ÷वो जो उनका स्ट्रॉन्गमैन नरेंद्र मोदी है, कहते हैं उसका 50 इंच का चेस्ट है। वो इतना डरपोक निकला, एकदम उसने सारा बंद कर दिया। सोचा ही नहीं कि आम आदमी की जिंदगी क्या होगी। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस के जाल में फंस गई है। वहां गरीबी रोज बढ़ती जा रही है। पहले से ही घाटे में चल रहा पाकिस्तान और घाटे में चला गया। ग्रोथ रेट तेजी से गिर रहा है, लोगों की नौकरियां जा रही हैं। मगर इमरान कोरोना वायरस को बड़ा खतरा नहीं मानते।

प्रवासी मजदूरों से मजाक कर रही है सरकार

सरकार को मालूम ही नहीं है कि कितने मजदूर कहां फंसे हैं : कांग्रेस

नयी दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ने प्रवासी मजदूरों के घर वापसी के लिए जो फरमान जारी किया है वह अंधेरे में तीर चलाने जैसा है जिसमें सरकार को पता ही नहीं है कि कितने लोग अपने घरों को लौटना चाहते हैं और उनकी वापसी के लिए कितने वाहनों की जरूरत पड़ेगी। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लॉक डाउन के करीब 40 दिन बाद सरकार ने प्रवासी मजदूरों को घर लाने का एक फैसला लिया लेकिन वह भी आधा अधूरा है और इसमें मजदूरों की घर वापसी के पुख्ता इंतजाम नहीं है। सरकार को मालूम ही नहीं है कि कितने मजदूर कहां फंसे हैं और कितने घर वापसी के इच्छुक हैं, उनके लिए कोई व्यवस्था रणनीतिक ढंग से नहीं बनायी गयी है।

उन्होंने कहा कि अकेले बिहार और उत्तर प्रदेश से ही 40 से 45 लाख प्रवासी मजदूर तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र आदि राज्यों में हैं। राजस्थान कहता है कि उसके ढाई लाख प्रवासी हैं। इसी तरह से पंजाब में चार लाख, ओडिशा में सात लाख असम के डेढ़ लाख प्रवासी श्रमिक जगह जगह फंसे हैं। पूरी स्थिति को देखकर लगता है कि सरकार के पास प्रवासी मजदूरों को लेकर कोई योजना ही नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्यों को बसें भेजकर अपने श्रमिक लाने को कहा है। उन्होंने केंद्र सरकार के 29 अप्रैल को इस संबंध में जारी आदेश को 'तुगलकी फरमान' बताया और कहा कि इसमें कहीं नहीं कहा गया है कि इस पूरी प्रक्रिया में केंद्र सरकार की किस तरह की भूमिका होगी। उन्होंने इसे जिम्मेदारी से भागने का प्रयास बताया और कहा कि केंद्र के इस आदेश के जरिए प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों में भेजने में किसी तरह की गड़बड़ी होने का ठीकरा राज्यों के सिर फोड़ने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि यह आदेश केंद्र सरकार के कुप्रबंधन और अदूरदर्शिता का परिणाम है। यदि उसमें प्रवासी श्रमिकों के प्रति कोई लगावा होता तो दो चरणों के लॉकडाउन के दौरान उनकी व्यवस्थित घर वापसी का इंतजाम कर लिया होता।

तांडव | अमेरिका में कोरोना वायरस से दुनिया में सर्वाधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा यहां सबसे अधिक मौतें भी

कोरोना से विश्व में 32.37 लाख संक्रमित, 2.31 लाख की मौत

बीजिंग/जिनेवा/नयी दिल्ली, (वार्ता)। दुनियाभर में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप लगातार बढ़ता ही जा रहा है और इससे विश्वभर में अब तक 231989 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 3237364 लोग संक्रमित हुए हैं।भारत में भी कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक देश के 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस संक्रमण से अब तक 35043 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 1147 लोगों की मौत हुई है। देश में अब तक 889 लोग इसके संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गये आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना वायरस से दुनिया में सर्वाधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा यहां सबसे अधिक मौतें भी हुई हैं। विश्व की महाशक्ति माने-जाने वाले अमेरिका में इस जानलेवा विषाणु से अब तक 10.69 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 62996 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोप में सबसे गंभीर रूप से प्रभावित देश इटली में इस

महामारी के कारण अब तक 27967 लोगों की मौत हुई है और अब तक 205463 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। स्पेन कोविड-19 के संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले देशों की सूची में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। यहां अब तक 213435 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और 24543 लोगों की इसके कारण मृत्यु हो चुकी है। इस वैश्विक महामारी के केंद्र चीन में अब तक 82874 लोग संक्रमित हुए हैं और 4633 लोगों की मृत्यु हुई है। इस वायरस को लेकर तैयार की गयी एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन में हुई मौत के 80 प्रतिशत मामले 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के थे।

इस बीच, कोरोना वायरस से संक्रमण और मौत के मामले में यूरोपीय देश फ्रांस और जर्मनी में भी हालात काफी खराब हैं। फ्रांस में अब तक 167299 लोग संक्रमित हुए हैं और 24376 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में कोरोना वायरस से 159119 लोग संक्रमित हुए हैं और 6228 लोगों की मौत हुई है।

इसके अलावा ब्रिटेन में भी हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। यहां अब तक इस महामारी से 171253 लोग प्रभावित हुए हैं और अब तक 26771 लोगों की इसके कारण मौत हो चुकी है। तुर्की में कोरोना संक्रमितों की संख्या 120204 हो गयी है तथा इससे अब तक 3174 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना वायरस से गंभीर रूप से प्रभावित खाड़ी देश ईरान में 94640 लोग इससे संक्रमित हुए हैं जबकि 6028 लोगों की इसके कारण मौत हुई है। अन्य देशों की भांति रूस में भी कोविड-19 का प्रकोप लगातार तेजी से बढ़ रहा है।

रूस में कोरोना संक्रमण के मामले एक लाख के पार पहुंच गये हैं। वहां अब तक 106498 मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि 1073 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हुई है। कोरोना से बेल्जियम में 7594, ब्राजील में 5466, नीदरलैंड में 4795, कनाडा में 3082, स्वीडन में 2586, स्विट्जरलैंड में 1737, मैक्सिको में 1859, आयरलैंड में 1190 और पुर्तगाल में 989 लोगों की मौत हो गयी है।

इसके अलावा पड़ोसी देश पाकिस्तान में कोरोना वायरस के अब तक 16817 मामलों की पुष्टि हो चुकी है और इसके कारण 385 लोगों की मौत हुई है।

2 बीवियों के चक्कर में तीसरी बार आइसोलेट

मलप्पुरम ए.। सख्त हिदायत, कानून और कोरोना का खतरा। ये तीनों चीजें केरल के मलप्पुरम के निवासी एक शख्स के लिए बिलकुल मायने नहीं रखतीं। तबलीगी जमात के कार्यक्रम से लौटे इस शख्स को 14 दिन के लिए क्वारंटीन किया गया था। समय पूरा होते ही यह शख्स अपनी पत्नी के घर पहुंच गया। कुछ दिन बार यह शख्स लॉकडाउन का उल्लंघन करके दूसरी पत्नी के घर पहुंच गया। इस शख्स को अब तीसरी बार क्वारंटीन किया गया है। पिछले एक महीने में यह शख्स दो बार 14 दिन के क्वारंटीन में रह चुका है। लॉकडाउन के बावजूद यह शख्स कायकुलम से नीलांबुर और फिर नीलांबुर से कायकुलम का चक्कर लगा रहा है। दरअसल, इसकी दो पत्नियां हैं, जो दो अलग-अलग जगहों पर रहती हैं। क्वारंटीन और लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने के कारण कायाकुलम की पुलिस ने शख्स के खिलाफकेस दर्ज किया है। नीलांबुर के पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह शख्स तबलीगी जमात के कार्यक्रम में दिल्ली गया था। वहां से लौटने के बाद इसे 14 दिन के होम क्वारंटीन में रहने को कहा गया। समय पूरा होते यह शख्स 20 अप्रैल को अपनी दूसरी बीवी के पास नीलांबुर पहुंच गया। वहां के स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी तो उसे फिर से 14 दिन के क्वारंटीन में रख दिया गया। इसके बावजूद यह शख्स नहीं माना। 14 दिन का समय दोबारा पूरा करने के बाद यह शख्स सोमवार को फिर कायाकुलम पहुंच गया। सूत्रों के मुताबिक, यह शख्स सामान ढोने वाली गाड़ियों में बैठकर कायाकुलम पहुंचा। कायाकुलम पहुंचने के बाद शख्स की पहली पत्नी से उसकी बहस हुई।

■ न्यूज गैलरी

सड़क हादसे में घायल बाइक सवार को पीसीसी चीफ मरकाम ने अस्पताल पहुंचवाया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम कोंडागांव से रायपुर वापस लौट रहे थे इसी दौरान उन्होंने देखा कि सड़क हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। वहीं दूसरे की मृत्यु हो गई है। उन्होंने मानवता दिखाते हुए गाड़ी रोककर घायल व्यक्ति को सुरक्षाकर्मियों की मदद से प्राथमिक उपचार केंद्र भिजवाया। ?इसके बाद वे डॉक्टरों से घायल व्यक्ति का ठीक से इलाज करने के निर्देश देकर रायपुर के लिए रवाना हुए। बता दे कि केशकाल घाटी के नीचे सड़क हादसे में ग्राम हरवेल निवासी एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई । वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। कोंडागाव से रायपुर आ रहे पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम ने घायल व्यक्ति को देखकर तत्काल अपनी गाड़ी से उतरकर सुरक्षाकर्मियों की सहायता से घायल को प्राथमिक चिकित्सा के लिए केशकाल स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। इतना ही नहीं उन्होंने फोन पर चिकित्सकों से बात कर घायल व्यक्ति के उपचार के लिए निर्देश दिए है।

हेमचंद यादव विवि ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिया एक लाख

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण से प्रभावितों की मदद के लिए हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में एक लाख रूपए की सहयोग राशि प्रदान की गई है। वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण से सुरक्षा के लिए जारी लॉकडाउन के दौरान शासन के द्वारा दिए गए निर्देशों और फिजिकल डिस्टेंसिंग का सही तरीके से पालन करते हुए राज्य के सभी लोगों द्वारा निरंतर सहयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस सहयोग के लिए विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार को धन्यवाद दिया है।

फुटबालर एवं क्रिकेटर चुन्नी गोस्वामी के निधन पर सीएम ने शोक जताया

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देश के प्रसिद्ध फुटबॉलर व क्रिकेटर चुन्नी गोस्वामी के निधन पर गहरा शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि गोस्वामी के निधन से भारतीय खेल जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने श्री गोस्वामी के शोक-संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। 82 वर्षीय श्री गोस्वामी का निधन आज गुरूवार शाम को कोलकोता में दिल का दौरा पड़ने की वजह से हो गया।

मनरेगा में मनमानी की एक बानगी का हुआ खुलासा

काम हुआ नहीं और लाखों का भुगतान कर दिया!

बिना काम के पेमेंट देने के मामले में अधिकारी सस्पेंड, एसडीओपी और आईपीएस से विवाद के बाद कार्रवाई

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मनरेगा घोटाले के एक पुराने मामले में राज्य सरकार ने सख्ती दिखाते हुए एसीडीएम व एक जनपद सीईओ को सस्पेंड कर दिया है। संभागायुक्त ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ एक माह के भीतर विभागीय जांच प्रतिवेदन मांगा हैं आखिर घोटाले के मामले को दबा कर क्यों रखा गया था? वहीं एक अन्य अधिकारी के खिलाफ भी एफआईआर कराने का आदेश दिया गया है। दरअसल मामला काफी दिन से उजागर हो गया था लेकिन लंबित था। उक्त एसडीएम का एसडीओपी के साथ विवाद होने के बाद मामला नए सिरे से उठा और कार्रवाई तक जा पहुंचा। दरअसल बलरामपुर रामानुजगंज ज़िले के वाड्रफनगर इलाक़े में कागज़ों पर मनरेगा का काम चला और 38 लाख से अधिक का भुगतान हो गया। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में काम का न होने और भुगतान होना पाये जाने पर एसडीएम ज्योति बबली बैरागी और सीईओ एस के मरकाम को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं मनरेगा के कार्यक्रम अधिकारी अश्वनी तिवारी के विरुद्ध एफआईआर कराने कहा गया है।

मामले के संदर्भ में बताया गया है कि वर्ष 2014-15 और 2015-16 में मनरेगा के तहत ग्राम पंचायत गुडरु के चपोता में मिट्टी मुरुम सड़क सह पुलिया निर्माण, ग्राम पंचायत तुगंवा में नदी किनारे तटबंध निर्माण,ग्राम पंचायत जमई में डब्लूबीएम और ग्राम पंचायत पेंडारी में मिट्टी मुरुम सडक सह पुलिया निर्माण किया जाना था।लेकिन जांच रिपोर्ट में यह पाया गया कि कोई काम हुआ ही नहीं और 38,58,518 रुपए का फर्ज़ी भुगतान कर दिया गया। इस मामले को लेकर संभागायुक्त ईमिल लकड़ा ने ज़िला पंचायत बलरामपुर से की गई कार्रवाई की जानकारी माँगी थी।

संभागायुक्त मरकाम ने जारी किया निलंबन आदेश

संभागायुक्त ने एसके मरकाम और ज्योति बबली बैरागी को सस्पेंड करने के आदेश दिए वहीं एक अधिकारी अश्वनी तिवारी के विरुद्ध एफआईआर कराने के साथ माह भर के भीतर इस घोटाले को दबाये जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए विभागीय जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने भी कहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य में प्रवेश के पूर्व एन्ट्री पाइंट पर देनी होगी प्रवास की जानकारी

■ जिला स्तर पर कंट्रोल रूम के माध्यम से होगी निगरानी

छत्तीसगढ़ में अन्य राज्यों से बिना सूचना के प्रवेश करने तथा क्वारेंटीन का उल्लंघन करने वालों पर होगी दण्डात्मक कार्रवाई

सीएस मण्डल ने कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों, जिला पंचायत के सीईओ और नगरीय निकायों के अधिकारियों को दिए निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में अन्य राज्यों से प्रवेश करने वाले व्यक्तियों-श्रमिकों को प्रदेश के सीमावर्ती जिलों के एन्ट्री पाइंट में पहुंचने पर उनके द्वारा प्रवास की जानकारी और स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही आने की अनुमति देने के निर्देश दिए गए हैं। आगामी दिनों में छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में व्यक्तियों के आगमन की संभावना को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में अन्य राज्यों से बिना सूचना के प्रवेश करने वाले व्यक्तियों तथा क्वारेंटीन का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी दण्डात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव आर.पी. मण्डल ने इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगर निगम आयुक्तों तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किया गया है। उन्होंने कहा है कि कोरोना संक्रमण एक वैश्विक स्तर की चुनौती है, जिस पर नियंत्रण के लिए कड़ी निगरानी एवं प्रभावी प्रशासनिक कार्यवाही करनी होगी। शासन के निर्देशों एवं आदेशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों पर जिला प्रशासन द्वारा यथास्थिति धारा 188 भारतीय दंड संहिता 1860 तथा धारा 51 से 60 आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों अनुसार कड़ी कार्यवाही की जाए।

मुख्य सचिव ने कहा है कि भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा 29 अप्रैल को जारी पत्र में लॉकडाउन के कारण गृह राज्य से भिन्न राज्यों-स्थानों में फंसे हुए श्रमिकों एवं अन्य व्यक्तियों को अपने गृह राज्य में जाने की अनुमति देने संबंधी निर्देश दिए गए हैं। इसके अनुपालन में राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अन्य राज्यों से आने वाले व्यक्तियों को अनुमति देने एवं क्वारेंटीन करने के बारे मे दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा है कि अन्य राज्यों से वापस आने वाले व्यक्तियों-श्रमिकों के प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में एन्ट्री पाइंट पर पहुंचने के साथ उनके द्वारा प्रवास की जानकारी देने के बाद ही आगे जाने की अनुमति प्रदान की जाए। बिना जानकारी दिए तथा बिना स्वास्थ्य परीक्षण के निवास स्थान जाने वाले ऐसे व्यक्तियों को चिंहित कर उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। एन्ट्री पाइंट पर जानकारी एकत्रित करने के लिए प्रारूप भी उपलब्ध कराया गया है।

मुख्य सचिव ने कहा है कि अन्य राज्यों से आने वाले व्यक्ति कोरोना संक्रमित हो सकते हैं, जिनमें स्थानीय समुदाय में कोरोना वायरस का संक्रमण निश्चित रूप से फैल सकता है। क्वारेंटीन का पालन न करने से फैले संक्रमण पर काबू पाना अत्यंत कठिन होगा। इसलिए सभी ग्राम पंचायतों-नगरीय निकायों में अन्य राज्यों से आने वाले व्यक्तियों की जानकारी देने के लिए आए हुए व्यक्तियों, उनके परिजनों एवं जन साधारण को प्रोत्साहित किया जाए। इसमें स्थानीय निकायों का सहयोग लिया जाए। इसकी मॉनिटरिंग जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के माध्यम से की जाए। कंट्रोल रूम नंबर की जानकारी तत्काल सार्वजनिक रूप से प्रसारित की जाए।

लॉकडाउन-2 खत्म होने के 48 घंटे पहले छत्तीसगढ़ शासन ने दी छूट

अब 15 मई तक जमा कर सकते है संपत्ति कर

■ संपत्ति कर और विवरणी जमा करने की तिथि बढ़ाई

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण संपत्ति कर भुगतान एवं विवरणी जमा करने के लिए 15 मई 2020 तक विशेष छुट प्रदान की गई है। इस आशय का आदेश मंत्रालय महानदी भवन स्थित नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टरों, नगर निगम के आयुक्तों और सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पत्र भेज दिए गए है। पत्र में कहा गया है कि कर दाताओं को संपत्ति कर एवं विवरणी जमा करने के लिए पहले अंतिम तिथि 31 मार्च 2020 तक निर्धारित की गई थी, जिसे बढ़ाकर 30 अप्रैल 2020 की गई थी। अब संपत्ति कर तथा विवरणी जमा करने के लिए अंतिम तिथि में 15 दिवस की विशेष छुट प्रदान करते हुए 15 मई 2020 निर्धारित की गई है। जारी पत्र में यह भी कहा गया है कि कार्यालय में आकर नागरिको द्वारा संपत्ति कर जमा करने की स्थिति में फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य रूप से कराया जाए। साथ ही फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए निकाय के कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर संपत्ति कर की वसूली करें।

मजदूरों की मेहनत से बसता है गांव-शहर

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। देश एवं प्रदेश के विकास में श्रमिका का महत्वपूर्ण योगदान होता है, इनके श्रम को उचित सम्मान और महत्व देना चाहिए। मजदूरों के मेहनत के बिना कोई भी गांव या शहर नहीं बस सकता। उक्त बातें छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनसुईया उईके ने आज मई (मजदूर) दिवस के अवसर पर जारी अपने बधाई संदेश में कही। राज्यपाल सुश्री अनसुईया उइके ने श्रमिक दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों विशेषकर मेहनतकश श्रमिक भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश एवं प्रदेश के विकास में श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उनकी सहभागिता से ही सारे कार्य सफलतापूर्वक क्रियान्वित होता है। उनकी मेहनत से ही गांव-शहर बसते हैं। राज्यपाल ने कहा कि श्रमिक हमारे समाज के सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं, उन्हें तथा उनके श्रम को उचित सम्मान और महत्व देना चाहिए।

राज्य में कहीं-कहीं तेज अंधड़ के साथ पड़ सकती है बौछार

रायपुर। राज्य में आगामी चौबीस घंटों के दौरान कहीं-कहीं पर तेज अंधड़ के साथ गरज-चमक होने के साथ बौछारें पड़ने अथवा वज्रपात के आसार बने हुए हैं। मौसम विभाग के नियमित रिपोर्ट की माने तो वर्तमान में एक चक्रीय चक्रवाती घेरा दक्षिण-पूर्व उत्तरप्रदेश और इसके आसपास के इलाकों में 0.9 किमी की ऊंचाई पर बना हुआ है। इसके अलावा एक अन्य चक्रीय चक्रवाती घेरा जो क मध्यप्रदेश के मध्य भाग से लेकर दक्षिणी मध्यप्रदेश तक ऊपरी हवा में 1.5 किमी की ऊंचाई पर बना हुआ है। चक्रवाती घेरे के साथ ही एक द्रोणिका भी बनी हुई है जो कि दक्षिण-पूर्वी मध्यप्रदेश से लेकर दक्षिण तमिलनाडू तक बनी हुई है। यह द्रोणिका विदर्भ, तेलंगाना और रॉयलसीमा के ऊपर समुद्र तल से 0.9 किमी की ऊंचाई पर बनी हुई है। इन चक्रीय चक्रवाती सिस्टम के असर से राज्य में आने वाले चौबीस घंटों के दौरान कहीं-कहीं पर तेज अंधड़ चलने जिसकी रफ्तार 30 से 40 किलो प्रतिघंटे तक रह सकती है, चल सकती है। इसके अलावा तेज गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने तथा कहीं-कहीं पर वज्रपात होने की संभावना बनी हुई है। इधर आज प्रदेश में दुर्ग शहर सबसे ज्यादा गर्म रहा।

देश में आज मजदूर भूखे-प्यासे अपने घर लौटने को मजबूर : त्रिवेदी

■ जो मजदूर हमारे लिए दुनिया गढ़ते हैं, उन मजदूरों की आज हालत बदतर

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार विभाग के प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि आज मजदूर दिवस है और देश का मजदूरआज सड़कों पर है। अपने घर अपने गांव वापस लौटने के लिए साधनों की बाट जोहने के लिये मजबूर है। गरीब मजदूर रोज कमाने रोज खाने वाला मजदूर अपने बच्चों को क्या खिलायेगा, आज राशन की व्यवस्था कैसे होगी यह सोचने के लिए मजबूर हैं। नोटबंदी में तो गरीबों को मजदूरों को कतार में खड़ा किया गया था लेकिन आज तो मजदूर सड़कों पर अपने घर लौटने के लिए कतार में चलने के लिए मजबूर है। जो मजदूर हमारे लिए दुनिया गढते हैं, उन मजदूरों की दुनिया की आज क्या हालत है ?

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि मजदूरों की यह समस्याएं कैसे दूर होंगी और उन्हें कैसे राहत पहुंचाई जा सकती है यह सोचना और इसकी कार्ययोजना बनाना आज मजदूर दिवस पर हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है। कांग्रेस कमेटी के संचार विभाग के प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि पहली मई, मज़दूर दिवस पर इस बार मजदूरों से माफ़ी मांगनी चाहिए और सोचना चाहिए कि जिन मज़दूरों का हमें सबसे अधिक ख़याल रखना था वो क्यों भूखे प्यासे सैकड़ों किलोमीटर की पैदल यात्रा के लिए मजबूर हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि देश के हर हिस्से में श्रम करके अपनी रोज़ी रोटी कमाने वाले मज़दूर आज दो वक़्त की रोटी के लिए मोहताज हैं. मजदूरों के रहने का कोई ठिकाना नहीं है. छोटे छोटे बच्चों को कंधे पर बिठाए, अपना सामान पीठ पर लादे देश के हर कोने में मज़दूर सड़कों पर चल पड़ा है. वह घर पहुंचना चाहता है. जगह जगह से अशुभ ख़बरें आ रही हैं।

सीख | लॉकडाउन में नन्हें बच्चों के समग्र विकास का हो रहा प्रयास

चकमक अभियान लाया बच्चों के लिए ज्ञान का पिटारा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। लॉकडाउन में जब सभी आंगनबाड़ियां बंद हैं चकमक अभियान और सजग कार्यक्रम बच्चों के लिए ज्ञान का पिटारा लेकर आया है। इससे न सिर्फ बच्चों का बौद्धिक विकास हो रहा है बल्कि बच्चे खुशी-खुशी शारीरिक गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं। जशपुर जैसे दूरस्थ और आदिवासी अंचल में भी नन्हें बच्चों को वॉल पेंटिंग, औपचारिक शिक्षा पर राज्य शासन द्वारा तैयार की गई फिल्म दिखाई जा रही है। बच्चों को छत्तीसगढ़ी बाल गीत, आकर्षक कार्टून, वीडियो पर आधारित अध्ययन सामग्री आकर्षित कर रही है। इसके साथ ही सजग कार्यक्रम के तहत् बच्चों के अभिभावकों को ऑडियो मैसेज दिया जा रहा है। ऑडियो मैसेज के माध्यम से पालकों को बच्चों के उचित देख-रेख पोषण संबंधी जानकारी देने के साथ बच्चों को कहानियां सुनाने और अपने स्वयं के अनुभव से बच्चों को सिखाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे बच्चों में सीखने के प्रति रूचि बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के कारण घर पर ही नन्हें-मुन्हें बच्चों के बौद्धिक विकास तथा क्षमता को बढ़ाने और उनमें सीखने की प्रक्रिया को विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सार्थक पहल करते हुए महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत 25 अप्रैल 2020 को आंगनबाड़ी के छोटे बच्चों के लिए चकमक अभियान और सजग अभियान की शुरूआत की है।

अभियान के शुभारंभ के दौरान मुख्यमंत्री ने पुरानी टोली जशपुर निवासी नैन्सी चौहान, परिधि बड़ाईक की माता बसंती बड़ाईक एवं पुष्पा चौहान से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बात करके बच्चों की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली थी। इस दौरान बच्चों ने मुख्यमंत्री को रस्सी से बने गोले को कूद कर पार निकल कर और रस्सी पर चलकर भी दिखाया। महिला बाल विकास अधिकारी श्री अजय शर्मा ने बताया है कि जशपुर जिले में आंगबनाड़ी केन्द्र के नन्हें मुन्हें बच्चों को इस अभियान से जोड़कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने-अपने सेक्टर के 8-10 बच्चों को एकत्रित करके वीडियो के माध्यम से शिक्षा दे रहे हैं और उन्हें अन्य गतिविधियों में शामिल करके उनका बौद्धिक विकास कर रहे है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को खेल-खेल के माध्यम से अंगों की जानकारी, फल के नाम, फूलों के नाम, पक्षियों के नाम बताए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी केन्द्र बांडोपारा सेक्टर घरजियाबथान परियोजना लूडेग की कार्यकर्ता इन्द्रावती, सरनापारा बटुराबहार की सविता नन्हें बच्चे योगिनी, दामिनी, प्रशांत, गुड्डू, अमरपूरी, प्रितेश आशिष, प्रियांशु को खेल एवं वीडियो के माध्यम से शिक्षा से जोड़ा जा रहा है।

लॉकडाउन में बैंक सखियों ने घर-घर पहुंचायी बैंकिंग सुविधाएं

■ बैंक सखियों के द्वारा गांवों में 5 करोड़ 35 लाख रूपए का किया गया लेन-देन

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोविड-19 के संक्रमण की विभीषिका से शहर और गांव थम से गए हैं। इस आपदा की वजह से लॉकडाउन के कारण लोग घर से नहीं निकल पा रहे हैं, परन्तु ऐसी परिस्थिति में भी छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की बैंक सखी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

राजनांदगांव जिले में लॉकडाउन के दौरान इन बैंक सखियों के द्वारा 25 मार्च 2020 से 28 अप्रैल 2020 तक कुल 5 करोड़ 35 लाख 47 हजार 760 का लेन-देन किया गया है। इसके लिए कुल 32 हजार 748 ट्रांजेक्शन किया गया। इन बैंक सखियों के द्वारा सामाजिक दूरी एवं कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक सावधानी को अपनाते हुए ग्राम स्तर पर ही ग्रामवासियों को घर पहुंच बैंकिंग सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत जिला राजनांदगांव के 9 विकासखंडों के ग्रामों में कुल 117 बैंक सखी (कियोस्क, मार्को एटीएम एवं डीजीपे) कार्यरत हैं, जिनके द्वारा ग्रामवासियों को ग्राम स्तर पर ही राशि आहरण, जमा, फण्ड ट्रांसफर के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत पेंशन हितग्राहियों को पेंशन भुगतान, मनरेगा मजदूरों को मजदूरी भुगतान, जनधन खाता हितग्राहियों, किसान सम्मान निधि के हितग्राहियों एवं अन्य हितग्राहियों को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बैंक सखियों के द्वारा समय-समय पर हाथ धोना, आंख नाक व मुंह को छूने से परहेज करना, छींकने व खांसते समय अपने मुंह व नाक को ढंकना, बायोमैट्रिक रीडर को इस्तेमाल से पहले व बाद सेनिटाईज करना एवं सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा है।

संपादकीय

मुनाफाखोरों पर कार्यवाही हो

देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के चलते एक माह से लॉकडाउन लगाया गया है जिसके तीन मई के बाद भी और आगे बढ़ने की प्रबल संभावनाएं है। लॉकडाउन की अवधि में लोगों को दैनिक आवश्यकताओं की चीजें सुगमता पूर्वक उपलब्ध हो इसके लिए किराना, अनाज, सब्जि, दूध और दवा की दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई है। किन्तु लॉकडाउन का नाजायज फायदा उठाते हुए कुछ व्यापारी जमाखोरी और मुनाफाखोरी कर रहे है। देश में खाद्यान सहित अन्य सभी वस्तुओं को पर्याप्त स्टाक है और इन आवश्यक वस्तुओं की पूरे देश में आपूर्ति करने की व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद जमाखोर आवश्यक वस्तुओं की कृतिम संकट पैदा कर आवश्यक वस्तुओं के दामों में मनमानी वृद्धि कर रहे है और लोगो की मजबूरी का फायदा उठा रहे है। चांवल, आटा, दाल और तेल सहित कई वस्तुओं के दामों में वृद्धि कर दी गई है। यदि उपभोक्ता सामानों दामों में हुई वृद्धि के बारे में दुकानदारों से सवाल जवाब करता है तो उसे टका का जवाब दिया जाता है कि लॉकडाउन के दौरान जिस किमत पर भी सामान मिल रहा है उसे लेना है तो लो वरना आगे चल कर और महंगा समाना मिलेगा। जाहिर है इस संकट काल में मुनाफाखोर आम उपभोक्ताओं को दोनों हाथो से लूट रहे है। लॉकडाउन के चलते शराब, सिगरेट, गुटखा, तम्बाखु और गुडाखु जैसी नशीली चीजों की बिक्री पर रोक लगी हुई है लेकिन ये सभी नशीली चीजे कई गुना अधिक दामों पर खुलेआम बेची जा रही है। जिन राज्यों में जिस पार्टी की सरकार है उसके छुपभईए नेता सरकार के संरक्षण में इन अवैध कार्यो में संजिप्त है, उनके लिए काली कमाई का यह सुनहरा मौका है। शासन प्रशासन भी राजनीतिक संरक्षण प्राप्त ऐसे कालाबजारियों और तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करने से कतरा रहा है। ये ऐसे लोग है जो चाहते है कि कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन और आगे बढ़ता रहे ताकि उन्हे मोटा माल कमाने का आगे भी मौका मिलता रहे। केन्द्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि जमाखोरों और मुनाफाखोरों के खिलाफ जल्द से जल्द और सख्त से सख्त कार्यवाही करें क्योंकि उनकी काली करतूतों के कारण सरकारों की छवि धुमिल हो रही है।

विचार

मजदूरों को लौटने की अनुमति

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश में जगह-जगह फंसे प्रवासी मजदूरों, पर्यटकों और विद्यार्थियों को अपने घर जाने की इजाजत देकर न सिर्फ उन्हें बल्कि उनके परिजनों को भी भारी राहत दी है। इस तरह लॉकडाउन में फंसा एक बड़ा पेच सुलझ गया है। आगामी तीन मई को लॉकडाउन हटेगा या बढ़ाया जाएगा, यह अभी साफ नहीं हुआ है लेकिन प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेजने की अनुमति ने एक समस्या से निजात मिलने की उम्मीद जगा दी है। उनकी तरह ही अपने घरों से दूर रहकर पढ़ाई या कोचिंग करने वाले कई छात्र भी फंसे हुए थे। कुछ पर्यटक भी इधर-उधर थे। वे सभी अब चैन की सांस लेंगे, बशर्ते राज्य सरकारों की आपसी समझदारी से उनके परिवहन की समुचित व्यवस्था हो सके। बीते 24 मार्च को लॉकडाउन की घोषणा होते ही दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों से लाखों की संख्या में मजदूर-कामगार पैदल ही अपने गृह प्रदेशों की ओर निकल पड़े। इनमें से कुछ तो पहले झटके में अपने घर पहुंच गए लेकिन एक बड़ी संख्या को रोक लिया गया और क्वारंटीन सेंटरों में भेज दिया गया। शहरों में ही रह गए कई लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था की गई, पर वे अपने घर ही जाना चाहते थे क्योंकि यहां उनके पास कोई काम नहीं था। खाने-पीने का भी मुकम्मल इंतजाम सबके लिए नहीं हो पाया और वे भावनात्मक रूप से भी खुद को अकेला और असहाय महसूस कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि घर पर शायद उन्हें खेतों में काम मिल जाए। उन्होंने घर जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किए। उनकी दुर्दशा की खबरें पूरे देश को चिंता में डाल रही थीं। राज्य सरकारों पर दबाव बढ़ रहा था क्योंकि मजदूरों की कमी से किसान भी परेशान थे। आखिरकार राज्य सरकारों ने अपने लोगों को वापस लाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक में मुख्यमंत्रियों ने उन्हें वापस भेजने की मांग रखी जिसे केंद्र सरकार ने कई शर्तों के साथ मान लिया है।

हुलेश्वर जोशी की गीता

एच पी जोशी

असंगठित शब्द,
बिना लय-छंद
कविता
एक आग्रह
विनती, जोशी
की गीता झूठ फरेब कुरीति और
आडम्बर
नैसर्गिक न्याय सबके लिए
बराबर चोरी चकारी, झूठ लूट
डकैती
धर्म नहीं तेरे बाप की बपौती
धोखा अफवाह मोबलिंचिंग हिंसा
एक रास्ता है अब करले
अहिंसा स्वर्ग नरक नहीं कोई
जन्नत
है मेरा भी एक ही मन्नत
संगठन शक्ति की तुम करते हो
बर्बादी निष्ठा कर संविधान में,
जो देती आजादी
5000 हजार साल पीछे की
कल्पना कोई गैर नहीं, आज
तेरा भी है अपना
अपना पराया, उच्च नीच एक
सेल्फी तो साथ में खींच
खोद के गड्ढा जिसने गिराया
उठा उन्हें भी नही पराया

योगेश कुमार गोयल

> टूना मछली एक फुट से 15 फुट तक लंबी हो सकती है। यह एक तेज तैराक मछली है, जिसकी कुछ प्रजातियां तो 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तैरने में सक्षम हैं। अधिकांश मछलियों का मांस प्रायः सफेद रंग का होता है किन्तु टूना की मांसपेशियों के उत्तकों का रंग गुलाबी से लेकर गहरा लाल होता है। यह लाल रंग एक ऑक्सीजन बाध्यकारी अणु मायोग्लोबिन के कारण होता है, जिसकी मात्रा मछलियों की अन्य प्रजातियों की तुलना में टूना में अधिक होती है। ब्लूफिन टूना जैसी कुछ बड़ी टूना प्रजातियां गर्म खून वाली होती हैं, जो अपनी मांसपेशियों को हिलाकर अपने शरीर के तापमान को पानी के तापमान से अधिक बढ़ा सकती हैं।

दुनिया की सर्वाधिक लोकप्रिय मछलियों में है टूना मछली

'टूना' के अस्तित्व पर मंडराता खतरा

विश्वभर में मछलियों की 30 हजार से भी ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कुछ असाधारण अथवा विशेष मानी जाती हैं। इन्हीं प्रजातियों में से एक है 'टूना मछली', जिसका दुनियाभर के कई देशों में बड़े पैमाने पर शिकार किए जाने के कारण इसके अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इसी कारण अब इसके संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2016 में संयुक्त राष्ट्र ने मछली पालन, मछलियों के शिकार और टिकाऊ विकास में मछलियों की अहमियत की ओर सभी का ध्यान आकर्षित करने के लिए 'टूना दिवस' मनाने का निश्चय किया और 2 मई 2017 को पहला 'विश्व टूना दिवस' मनाया गया। अब प्रतिवर्ष 2 मई को यह दिवस विश्वभर में इस मछली के महत्व को रेखांकित करने और पकड़ी तथा खाई जाने वाली विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय मछलियों को बचाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। टूना मछलियां पकड़े और खाये जाने के मामले में दुनिया की सबसे लोकप्रिय मछलियों में से एक है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्व अध्यक्ष पीटर थॉमसन के अनुसार टूना सतत विकास, खाद्य सुरक्षा, आर्थिक अवसर प्रदान करने और दुनिया भर के लाखों लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस समय करीब 80 देशों में टूना मछली का शिकार होता है। दरअसल बहुत सारे देशों में टूना मछली नियमित खान-पान का अहम हिस्सा है और इन देशों की बहुत बड़ी आबादी टूना मछली पर ही निर्भर है क्योंकि यह पौष्टिक भोजन का अच्छा स्रोत मानी गई है। इन मछलियों का शिकार कितने बड़े स्तर पर किया जा रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इनकी सी-फूड के अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में करीब आठ फीसदी हिस्सेदारी है जबकि समुद्र से पकड़ी जाने वाली मछलियों की सभी प्रजातियों के कुल मूल्य का 20 फीसदी टूना मछलियों की बिक्री से ही हासिल होता है। बीते वर्ष टूना मछलियों का शिकार करीब एक लाख टन तक होने का अनुमान है। जनवरी 2019 में टोक्यो के नए मछली बाजार में लुप्तप्रायः प्रजाति की एक विशालकाय टूना मछली 21.5 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर बिकी थी, जिसे सूशी रेस्तरां श्रृंखला के मालिक ने खरीदा था। जापान के उत्तरी तट से पकड़ी गई यह विशाल मछली 278 किलोग्राम की थी। नाउरू समझौते के तहत टूना का शिकार करने के दिनों को सीमित करने की व्यवस्था है और प्रशांत क्षेत्र में वर्ष 2011 से ही नाउरू समझौते के साझीदार कई ऐसे देश, जिनका दुनियाभर में टूना के उत्पादन में करीब 25 फीसदी योगदान रहता है, विश्व टूना दिवस मनाए जाने के लिए अभियान चलाते रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2016 में यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। दुनिया भर में टूना मछली की खपत बढ़ने

विश्व टूना दिवस पर विशेष

> नाउरू समझौते के तहत टूना का शिकार करने के दिनों को सीमित करने की व्यवस्था है और प्रशांत क्षेत्र में वर्ष 2011 से ही नाउरू समझौते के साझीदार कई ऐसे देश, जिनका दुनियाभर में टूना के उत्पादन में करीब 25 फीसदी योगदान रहता है, विश्व टूना दिवस मनाए जाने के लिए अभियान चलाते रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2016 में यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। दुनिया भर में टूना मछली की खपत बढ़ने का ही परिणाम है कि हजारों जहाज, नाव और लाखों लोग टूना मछली के शिकार और कारोबार में लिप्त हैं और यही कारण है कि टूना मछली के अस्तित्व पर खतरा मंडराने की आशंकाएं जताई जाने लगी हैं।

का ही परिणाम है कि हजारों जहाज, नाव और लाखों लोग टूना मछली के शिकार और कारोबार में लिप्त हैं और यही कारण है कि टूना मछली के अस्तित्व पर खतरा मंडराने की आशंकाएं जताई जाने लगी हैं। टूना खारे पानी की समुद्री मछली है, जो मैकेरल परिवार के एक उप-समूह जनजाति थ्युननिनी के अंतर्गत आती है। इसकी विश्वभर में 48 से भी अधिक प्रजातियां हैं, जिनमें मुख्यतः थुन्नुस वर्ग की 9 प्रजातियां शामिल हैं। ये प्रजातियां हैं एल्बाकोर, येल्लोफिन टूना, ब्लैकफिन टूना, दक्षिणी ब्लूफिन टूना, बिगआई टूना, पैसिफिक ब्लूफिन टूना, उत्तरी ब्लूफिन टूना, लॉन्गटेल टूना, करासिक टूना। टूना मछली को सेलेनियम, विटामिन बी-3 (नियासिन), विटामिन बी-12, विटामिन बी-6, प्रोटीन, फास्फोरस, विटामिन डी तथा पोटेशियम का अच्छा स्रोत माना गया है। सिर्फ सूर्य की रोशनी से ही मिलने वाला विटामिन डी टूना मछली में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहता है। कहा जाता है कि टूना मछली हाई क्वालिटी प्रोटीन वाली मछलियों में से एक हैं, जिनमें बहुत ही कम वसा होती है और यह मछली काफी पौष्टिक मानी जाती है।

टूना मछली एक फुट से 15 फुट तक लंबी हो सकती है। यह एक तेज तैराक मछली है, जिसकी कुछ प्रजातियां तो 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तैरने में सक्षम हैं। अधिकांश मछलियों का मांस प्रायः सफेद रंग का होता है किन्तु टूना की मांसपेशियों के उत्तकों का रंग गुलाबी से लेकर गहरा लाल होता है। यह लाल रंग एक ऑक्सीजन बाध्यकारी अणु मायोग्लोबिन के कारण होता है, जिसकी मात्रा मछलियों की अन्य प्रजातियों की तुलना में टूना में अधिक होती है। ब्लूफिन टूना जैसी कुछ बड़ी टूना प्रजातियां गर्म खून वाली होती हैं, जो अपनी मांसपेशियों को हिलाकर अपने शरीर के तापमान को पानी के तापमान से अधिक बढ़ा सकती हैं, जो उन्हें अपेक्षाकृत ठंडे पानी में जीवित रहने और अन्य प्रजातियों की मछलियों की अपेक्षा समुद्र के विविधतापूर्ण वातावरण में रहने के लिए सक्षम बनाता है।

समुद्रों में जल प्रदूषण के कारण टूना सहित मछलियों की अन्य हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी खतरा मंडरा रहा है और उनके अनिश्चित भविष्य को लेकर स्थिति चिंताजनक है। अतः वैश्विक स्तर पर समुद्री पर्यावरण की सेहत सुधारने के लिए भी अब ठोस प्रयासों की दरकार है ताकि न केवल मछलियों बल्कि दुनियाभर के समुद्रों में मौजूद अन्य हजारों किस्म की प्रजातियों के जीव-जंतुओं का अस्तित्व भी बना रहे और हमारी आने वाली पीढ़ियों को किताबों में यह पढ़ने को न मिले ''एक थी टूना ...''।

के रविन्द्रन

> शहरी केंद्रों में लाखों प्रवासी मजदूर फंसे हैं और वे अपने गांवों में वापस जाने के लिए बेताब हैं। सरकार ने निर्णय लिया है कि अब उन्हें राष्ट्रीय तालाबंदी के भाग के रूप में अपनी जगह पर बने रहने के लिए नहीं कहा जा सकता है। और जब वे वापस अपने घर आते हैं, बड़ी संख्या में उनके साथ कोविद वायरस होगा। घातक वायरस के परीक्षण और उपचार के लिए लगभग कोई बुनियादी ढांचा नहीं होने से ग्रामीण भारत में भयावह स्थिति की कल्पना कर सहज ही किया जा सकता है।

लॉकडाउन ने कुछ हद तक हमें कोरोना से बचाया

पर वास्तविक चुनौती लॉकडाउन समाप्ति के बाद आएगी

मोदी के लिए तालाबंदी की घोषणा करना आसान था। यह लगभग एक पल के फैसले के रूप में आया, मोदी ने बार-बार इस बात को दुहराया कि जब 130 करोड़ भारतीयों को लॉकडाउन की सफलता सुनिश्चित करनी चाहिए, क्योंकि कोरोना महामारी से बचाव के लिए इसके अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं है। उन्होंने जनता को बताया कि खतरा बहुत ही भयावह है और हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते। महामारी से बचने का एकमात्र उपाय उन्होंने तालाबन्दी को ही बताया और कहा कि लोग अपने घरों से नहीं निकलें। इस तरह देश लॉकडाउन की दुनिया में प्रवेश कर गया। लेकिन दुर्भाग्य से, लॉकडाउन से बाहर निकलना, प्रवेश करने की तुलना में बहुत अधिक कठिन प्रक्रिया है। ऐसे विरोधाभासी तत्व हैं जो निर्णय को सबसे कठिन बनाते हैं। स्पष्टता के बजाय भ्रम के संकेत पहले से ही हैं। पहले से ही लॉकडाउन को एक बार बढ़ा दिया गया है और यह स्पष्ट है कि मौजूदा स्थिति आगे भी बरकरार रह सकती है। अनेक राज्यों ने कहा है कि इसके विस्तार करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

दुनिया भर के राष्ट्र भी इसी तरह की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि लॉकडाउन की इस स्थिति से बाहर कैसे निकला जाय, क्योंकि कोरोना का संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति इसके अपवाद लगते हैं। वे कह रहे हैं कि अब उनका प्रशासन लॉकडाउन के प्रतिबंधों को उठाने की सोच रहा है, चाहे जो हो जाय।ट्रम्प जैसे नेताओं के लिए इस तरह की घोषणा आसान है, क्योंकि उन्हें अज्ञानी नेता माना जाता है। वह कुछ भी बोल देते हैं। वे अपनी अज्ञानता का ही आनंद लेते हैं। अज्ञान उनके लिए दुविधा की चीज नहीं है। पिछले हफ्ते उन्होंने अमेरिकियों को कोविद के प्रतिरोध या बचाव के साधन के रूप में आम डिसइन्फेक्टेंड को शरीर में लेने के लिए कहकर सभी को चैंका दिया। लेकिन अधिकांश यूरोपीय राष्ट्र, अभी भी लॉकडाउन में डूबे हुए हैं, सामान्य जीवन में लौटने के तरीकों पर बहस कर रहे हैं।

मोदी की स्थिति को चक्रव्यूह में अभिमन्यु के समान बताया गया है। अभिमन्यु को पता था कि जटिल सैन्य चक्रव्यूह में कैसे प्रवेश करना है, लेकिन यह नहीं पता था कि कैसे बाहर निकलना है। मोदी ने स्पष्ट रूप से लॉकडाउन का फैसला अपने हाथों में लिया, लेकिन अब राज्य के मुख्यमंत्रियों सहित सभी प्रकार के लोगों के साथ विचार-विमर्श के अंतहीन दौर में लगे हुए हैं कि आगे क्या करना है। लॉकडाउन की घोषणा करते समय, उन्होंने जीवन को बचाने के महत्व पर जोर दिया था (जान है तो जहान है), लेकिन जैसे ही लॉकडाउन अपनी समस्याओं के साथ गहरा हुआ, तब उन्होंने नारे को आजीविका के साथ-साथ जीवन के रूप में बदल दिया और कहा कि जान भी और जहान भी। यह स्पष्ट हो गया है कि आजीविका के बिना, अधिकांश भारतीयों के लिए जीवन जीने लायक नहीं है।

ऐसा होने के लिए, समय पर एक विश्वसनीय, सिस्टम-वाइड, स्थिरीकरण पैकेज की आवश्यकता होती है ताकि जिंदगी को पटरी पर आने की गति को प्रभावित कर सके और आजीविका, अर्थव्यवस्था, वित्तीय क्षेत्र और समाज को गंभीर नुकसान से बचाने में मदद कर सके। यह कार्य दुर्भाग्यवश वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को अनुमानित परिणामों के साथ दिया गया है। कोविद की यह चुनौती केवल भारत के लिए नहीं है। लॉकडाउन कुछ हद तक कोविद के प्रसार को रोकने में सफल हुआ है, लेकिन इसकी निरंतर सफलता की कोई गारंटी नहीं है। लॉकडाउन की समाप्ति की संभावनाएं नजदीक होने के साथ, अधिकारियों को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक असंभव काम होगा।

शहरी केंद्रों में लाखों प्रवासी मजदूर फंसे हैं और वे अपने गांवों में वापस जाने के लिए बेताब हैं। सरकार ने निर्णय लिया है कि अब उन्हें राष्ट्रीय तालाबंदी के भाग के रूप में अपनी जगह पर बने रहने के लिए नहीं कहा जा सकता है। और जब वे वापस अपने घर आते हैं, बड़ी संख्या में उनके साथ कोविद वायरस होगा। घातक वायरस के परीक्षण और उपचार के लिए लगभग कोई बुनियादी ढांचा नहीं होने से ग्रामीण भारत में भयावह स्थिति की कल्पना कर सहज ही किया जा सकता है। हमने देखा है कि मुंबई के धारावी जैसी जगहों पर कोरोनावायरस से लड़ने के लिए किसी भी तरह की सामाजिक दूरी और अन्य प्रोटोकॉल को लागू करना कितना मुश्किल है। पूरे देश में हजारों धारावी हमारा इंतजार कर रहे हैं और असली सफलता तब मिलेगी जब प्रकोप के उस चरण को संभालने में हम सक्षम होंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट समस्या की व्यापकता को उजागर करती है। ऐसा लगता है कि कोविद के खिलाफलड़ाई में भारत की अंतिम सफलता महत्वपूर्ण परीक्षण क्षमताओं की उपलब्धता पर निर्भर करेगी जो संक्रमणों को ट्रैक और ट्रेस करने के लिए वायरस, बारीक डेटा और प्रौद्योगिकी के प्रसार और बेहतर निर्माण के लिए बेहतर संचालन की आवश्यकता होगी।

– (संवाद)

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

नादान और मासूम

बेजुबान , नादान और मासूम होते हैं ये उड़ते परिंदे गर्मी में चिलचिलाती धूप में रोज़ ही हैं तड़पते परिंदे । करना है घर घर में इनके लिए दाने पानी का इंतजाम चोंच उठाकर तुम्हें दुआ देंगे आसमान में बढ़ते परिंदे ।

- नवीन गौतम

खास पाती | एक जुट होकर हम सब को

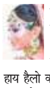

एक जुट होकर हम सब को अब देश के लिए कुछ करना है कोरोना नामक बिमारी को देश से उखाड़ फेंकना है बातों से नहीं अब जिम्मेदारी उठानी होगी राष्ट्रहित मे सभी नियम निभाने होंगे हम मानव सब दूर दूर रहकर ही भाई चारे का संबंध बनाने होंगे हाय हैलो को त्याग कर हाथ जोड़ नमस्कार करने होंगे घर मे ही रहकर खुद को सुरक्षित रखना होगा हो सके तो योग व्यायाम कर खुद को स्वस्थ बनाए राष्ट्रभक्ति के लिए इससे बड़ा कोई अवसर नहीं क्योकि घर मे रहकर ही देश के लिए कुछ करने को मिला है। - निवेदिता चतुर्वेदी

आँख में ये नमी भरी

आँख में ये नमी भरी जाए बात दिल की कही नहीं जाए राज तेरे छिपा रखे --सारे आज ऐसे तू क्यों डरी जाए जख्म क्यों अब तलक मुझे देता लाश तो देह यह बनी जाए चूर अरमाँ किये -- जमाने ने क्यों न डोली अभी चली जाए हो न कोई सिकन कभी माथे छाँव में जिन्दगी कटी जाए चाह तेरी हमें -- हुई इतनी आदतें सब मिली जुली जाए कोशिशें की बहुत-- बताने की मधु दुखी दिल कही नही जाए। - डॉ मधु त्रिवेदी

कितनी दगाबाज़ हैं मेरी हाथ की

कितनी दगाबाज़ हैं मेरी हाथ की रेखाएँ कहती कुछ हैं होता कुछ और है,दिखा सब्ज़बाग मुझे मन पहुँचा दिया जन्नत में, बिन पर खुशी में ऊँची उड़ानें भरने लगी हवा में उड़ने लगी, मिला धोखा रेखाओं से हाल बेहाल हुआ मेरा कट गए मन के पंख आ गिरी आसमान से धरती पर, होश आया तो चिढ़ा रही थीं मेरी हाथ की रेखाएँ, बोल उठीं विश्वास रेखाओं पर नहीं खुद पर करो, नियति रेखाओं से नहीं बनती कर्म से बनती हैं रेखाएँ हाँ, कर्म से बनती हैं रेखाएँ।

- नीरजा मेहता

खुदा तक जब इबादत का इशारा

खुदा तक जब इबादत का इशारा पहुँच जायेगा । ये तय है फिर बुलंदी पर सितारा पहुँच जायेगा । लड़ेगें हौसले हालात से किस्मत बदल देंगे, तु चाहेगा तो मंज़िल तक खटारा पहुँच जायेगा । अगर हो साफ़ नीयत और सच्चे मन से हो नेकी, यक़ीनन बेसहारों तक सहारा पहुँच जायेगा । - अंकित विशेष

माली बनकर चमन से,जो करते हैं प्यार

माली बनकर चमन से,जो करते हैं प्यार। उनके हिस्से में कभी ,आती नहीं बहार।। सदा बनाते जो भवन,श्रम करके निज हाथ। उनके हिस्से में प्रभो ,क्यों आता फुटपाथ।। घृणा श्रमिक से मत करो,ये हैं सबसे खास। इनके बिना समाज का,संभव नहीं विकास।

- डॉ बिपिन पाण्डेय

करते नव-निर्माण हैं, हम ऐसे मजदूर। मस्ती में रहते सदा

करते नव-निर्माण हैं, हम ऐसे मजदूर। मस्ती में रहते सदा, ऊर्जा से भरपूर।। मेहनत की रोटी हमें, आती हरदम रास। फोकट में दमड़ी मिले, कभी न रखते आस।। खरी मजूरी दें नहीं, मालिक मायाराम। फिर भी हम मजदूर तो, करते चोखा काम।।

- राजकुमार धर द्विवेदी

मोहन बना मन राधा हैं हम करें नर्तन

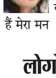

मोहन बना मन ,राधा हैं हम करें नर्तन !!! मनभावन बीत रहा जीवन बन दर्पण !!! दिखें हैं श्याम चहुँ ओर लुभाएँ हैं मेरा मन !!! बनी हूँ राधा तेरे प्रीत में श्याम करूं नर्तन !!!

- सीमा राय द्विवेदी

लोगों को पुराने दिन बहुत याद आते थे

लोगों को पुराने दिन बहुत याद आते थे, लेते बलैयां,शब्दों में उसे खूब सजाते थे, हुई मुसीबत यादें जब हकीकत में है बदली- तो फिर कहो क्यों ऐसे झूठे गीत गाते थे ? –पूनम झा

QUIZ TIME

1) किस पोर्ट ट्रस्ट का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखा गया है? (कोलकाता / कांडला)

2) 'ब्रुरियांग समझौता' 16 जनवरी 2020 को संपन्न हुआ। इसके तहत ब्रुरियांग आदिवासियों को किस राज्य में बसाया जाएगा?
(क) असम (ख) त्रिपुरा (ग) नागालैंड

3) सुपर सोनिक जेट किसे पतली करके प्रदूषण उत्पन्न करते हैं?

4) किस राज्य की अर्थव्यवस्था को मनीआर्डर अर्थव्यवस्था कहा जाता है?

5) फुटबॉल खिलाड़ी का नाम बताए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) कोलकाता (2) त्रिपुरा (3) ओजोन परत (4) उत्तराखंड (5) सुनील छेत्री

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1875 - अमेरिका ने 20 सेंट का सिक्का ढालना बंद कर दिया। 1885 - बेल्जियम के राजा लियोपोल्ड द्वितीय ने स्वतंत्र स्टेट कांगो की स्थापना की। 1921 - ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित फिल्म निर्माता, निर्देशक एवं लेखक सत्यजीत रे का जन्म। 1924 - नीदरलैंड ने सोवियत संघ को मान्यता देने से इनकार किया। 1933 - जर्मनी में हिटलर ने मजदूर संघों पर प्रतिबंध लगाया। 1945 - इटली में मौजूद जर्मन सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया। 1949 - महात्मा गांधी की हत्या से संबंधित मामले की सुनवाई शुरू हुई। 1950 - फ्रांस ने कोलकाता के पास स्थित अपने उपनिवेश चंद्रनगर को भारत सरकार को सौंपा। 1952 - दुनिया का पहला जेट विमान डी हैविलैंड कॉमेट 1 ने लंदन से जोहानसबर्ग तक अपनी पहली उड़ान भरी।

न्यूज गैलरी

हैदराबाद के सिकंदराबाद में 20 मजदूर फंसे

मुंगेली। हैदराबाद में मुंगेली जिले के साथ समीपवर्ती ग्रामों के 20 मजदूर फंसे हुए है, जो सिकंदराबाद, चार मीनार के पास चन्द्ररायण भुट्टा व्ही आई पी स्कूल के पास रह रहे है। लगभग 2 महीने पहले कमाने-खाने गए थे लॉकडाउन में फंस गए। यहा उसकों भाषा की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वहां की भाषा तेलगू है छत्तीसगढ़ के मजदूर अपनी भाषा व टूटी-फूटी हिन्दी में अपनी बात समझा नही पा रहे है जिससे समस्या और विकट हो गई है इनमें मुंगेली खुजहा के 20, कवर्धा 9 व नवागंढ़ के चरघट के 6 श्रमिक शामिल है इन तीनों स्थानों के एक-एक महिला भी शामिल है। एक महिला गर्भवती भी है जिसकी ईलाज की समस्या है खाने के नाम पर केवल चावल मिल रहा है। खुजहा के रामचरण भास्कर मोबां नं. 82477 51949 ने अपनी समस्या रखते हुए वापस लौटने हेतु गुजार लगा रहे है।

महाराष्ट्र में 29 श्रमिक फंसे जिनमें पुणे में 23 श्रमिक वापसी के इंतिजार में

मुंगेली। पुणे में मुंगेली जिले के समीपवर्ती क्षेत्र के 23 श्रमिक लॉकडाउन में फंसे उन्हें खाने-पीने के लाले पड़ने लगे है कोई सामग्री नही मिल रही है ठेकेदार बाहर चल दिये है और उनसे बात नही हो पा रही है। रामरतन कुर्रे मोबा नं. 82259 75775 ने बतलाया कि 2 महीने पहले मजदूरी हेतु गए थे लॉकडाउन में फंस गए है जिसमें मुंगेली रेहुटा के 2, लोरमी सोनपुर भाकुरकापा 5, तिल्दा नेवरा तुलसी के 6, बेमेतरा मुलमुला 6, कवर्धा चोरभट्ठी 4 सहित कुल 23 श्रमिक फंसे हुए है जो वापस आने के लिए गुहार लगा रहे है। इसके साथ ही महाराष्ट्र में कमलेश्वर बंजारा 6 श्रमिकों के साथ लॉकडाउन में फंसे हुए है वापस लौटने का इंतिजार कर रहे है।

पंजाब के पठान कोट में जिले के 30 श्रमिक फंसे

मुंगेली। पंजाब के पठान कोट, इन्द्र कालोनी खेती बाड़ी दफ्तर गली नं. 0 में जिले के 30 श्रमिक फंसे हुए है गंगाचरण मोबा न.7804859095 ने बतलाया कि 20 मार्च को कमाने-खाने के लिए गए थे जिसमें मुंगेली टिंगीपुर के 3, केस्तरा के 4, मनकी लोरमी के 5, बघमार लोरमी 2, खट्ई सम्बलपुर बेमेतरा 4, मंडलीभाठा जिला बलौदा बाजार 4, गुरूकॅला जाजगीर चापा 8 शामिल है। जिसमें से धनकुमारी गर्भवती है डिलवरी की संभावित तिथि 6 से 7 मई है। इन श्रमिकों को 50 किलो चावल मिला था तत्तपश्चात 2 किलो चावल, 1 किलों आटा, आलू, तेल हल्दी दी गई थी। इसके पश्चात अब पका हुआ भोजन मिल रहा है। लेकिन बच्चों की गिनती नही की जाने से खाना कम मिल रहा है। ज्ञात हुआ है कि पीडीएफबना है जिसमें गंगाचरण उसकी पत्नी हेमलता 2 का नाम है लेकिन देवकुमार 3 लोगो का नाम है शेष 25 आदमी का नही है।

आंगनबाडी के बच्चों के समग्र विकास के लिए 'सजग कार्यक्रम और 'चकमक अभियान प्रारंभ

मुंगेली। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा विगत दिनों आंगनबाडी केंद्रो के बच्चो के सर्वांगीण विकास के लिए सजग कार्यक्रम एवं चकमक अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत बच्चो को रचनात्मक गतिविधियों मे व्यस्त रखकर उन्हे परिस्थितियों में ढालने एवं सम्हालने बच्चो के समय का सदुपयोग करने और उन्हे अच्छी बातें सिखाई जा रही है । जिले मे इस कार्यक्रम को आंगनबाडी कार्यकर्ता के मोबाईल पर आडियो मेसेज छत्तीसगढ़ी बाल गीतो और आकर्षक कॉर्टून विडियो पर आधारित अध्ययन सामग्री दिखाई जा रही है। जो बच्चो के लिए बहुत ही आकर्षक और उपयोगी है।

18.52 लाख मजदूरों को रोजगार के साथ प्रदेश शीर्ष पर

लॉकडाउन में मनरेगा में रोजगार देने में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम, देश में कार्यरत कुल श्रमिकों में 24 फीसदी अकेले छ.ग. प्रदेश से

- वहीं मुंगेली जिला 1 लाख 18 हजार 290 श्रमिकों के साथ प्रदेश में पांचवे स्थान पर तथा बिलासपुर जिला छठवे स्थान पर

नवप्रदेश संवाददाता

मुंगेली। वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए देश में लागू लॉक-डाउन के दौर में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बचाने और ग्रामीणों की आजीविका को संरक्षित करने राज्य शासन व्यापक स्तर पर काम कर रही है। लॉक-डाउन में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार देने में छत्तीसगढ़ अभी पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। देशभर में मनरेगा कार्यों में लगे कुल मजदूरों में से करीब 24 फीसदी अकेले छत्तीसगढ़ से हैं। यह संख्या देश में सर्वाधिक है। प्रदेश की 9883 ग्राम पंचायतों में चल रहे विभिन्न मनरेगा कार्यों में अभी 18 लाख 51 हजार 536 श्रमिक काम कर रहे हैं। मुंगेली जिला 1 लाख 18 हजार 290 श्रमिको के साथ प्रदेश में पांचवे स्थान पर वहीं बिलासपुर जिला एक लाख 14 हजार 137 श्रमिकों के साथ छठवे स्थान पर।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने इस कठिन दौर में भी मनरेगा के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए सरपंचों की सक्रियता एवं तत्परता की सराहना की है। उन्होंने इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सरपंचों के साथ ही मनरेगा की राज्य इकाई तथा जिला एवं जनपद पंचायतों की टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच यह बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश भर में इन सबकी मिली-जुली कोशिशों से कार्यस्थल पर परस्पर शारीरिक दूरी बनाकर, मुंह ढंककर और स्वच्छता मानकों के साथ मनरेगा कार्यों के जरिए श्रमिक परिवारों को राहत पहुंचाई जा रही है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मनरेगा कार्यों में अभी पूरे देश में 77 लाख 85 हजार 990 मजदूर संलग्न हैं। इनमें सर्वाधिक 18 लाख 51 हजार 536 मजदूर अकेले छत्तीसगढ़ से हैं, जो कुल मजदूरों की संख्या का करीब एक चैथाई है। इस सूची में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ राजस्थान दूसरे और 12 प्रतिशत भागीदारी के साथ उत्तरप्रदेश तीसरे स्थान पर है। देशव्यापी लॉकडाउन के बावजूद मौजूदा वित्तीय वर्ष में भी पिछले वर्ष की ही तरह मनरेगा में प्रदेश का बेहतरीन प्रदर्शन लगातार जारी है।

कमाने अन्य राज्यों में गये मजदूरों की संख्या 70 हजार के पार

- सबसे ज्यादा 37 हजार मस्तूरी इलाके से

बिलासपुर। लॉकडाउन के बाद से बाहर फंसे प्रवासी श्रमिकों की सूची जिले में बननी शुरू हो गई है। जिले में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में अलग-अलग टीमों से श्रमिकों की सूची तैयार की जा रही है। इन श्रमिकों को कब और किस साधन से जिले की सीमा पर पहुंचेंगे इसके लिए राज्य शासन से दिशानिर्देश की प्रतीक्षा की जा रही है, लेकिन यहां आने के बाद उनके स्वास्थ्य, आवास और भोजन की व्यवस्था कैसे की जायेगी इसकी तैयारी शुरू हो गई है।

गर्मी का मौसम गुजरने के बाद बारिश शुरू होने से पहले ही अन्य राज्यों में कमाने-खाने के लिए जाने वाले मजदूरों की वापसी शुरू हो जाती है ताकि वे खेती के काम कर सकें। इस बार लॉकडाउन के कारण बड़ी संख्या में पिछले मार्च महीने से मजदूर देश के अन्य राज्यों में फंसे हुए हैं। बिलासपुर, जांजगीर, मुंगेली छत्तीसगढ़ के ऐसे जिले हैं जहां के श्रमिक मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, पंजाब सहित दक्षिण भारत के तेलंगाना, ओडिशा आदि राज्यों में हर साल अतिरिक्त आय के लिए निकल जाते हैं। ये मजदूर ईंट भट्ठों में या फिर निर्माण कार्यों में काम करते हैं। बहुत से मजदूर अपने पूरे परिवार के साथ निकल जाते हैं। लॉकडाउन होने के बाद से वे अपने कार्यस्थलों में फंसे हुए हैं। हजारों की संख्या में उन्हें काम छोड़कर पैदल ही गांवों की तरफलौटने की खबरें आ रही है। छत्तीसगढ़ के सैकड़ों मजदूरों को विधिक सहायता प्राधिकरण, प्रशासनिक अधिकारियों और स्वयंसेवियों के माध्यम से या तो छत्तीसगढ़ लाने या फिर उनके रुके हुए स्थान पर ही सहायता पहुंचाने की कवायद की गई है।

जानकारी के मुताबिक बिलासपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से ही 52 हजार से अधिक श्रमिकों के दूसरे राज्यों में फंसे होने का अनुमान है। इनमें सर्वाधिक संख्या मस्तूरी जनपद पंचायत की है जहां के 82 गांवों से श्रमिक काम करने के लिए बाहर निकले हैं। मस्तूरी के अलावा बिल्हा, कोटा, तखतपुर जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रमिक प्रदेश से बाहर हैं। इस सूची में अभी और वृद्धि हो सकती है। जनपद पंचायतों ने ग्राम पंचायतों के सचिव तथा सरपंचों को इसकी जानकारी एकत्र करने के काम में लगा रखा है।

इसके अलावा अभी नगर निगम बिलासपुर की प्रारंभिक सूची नहीं बनी है। नगरीय निकायों की सूची भी अभी तैयार हो रही है। इन सबको मिलाकर जिले के करीब 70 हजार वापस आने के इच्छुक श्रमिकों की संख्या बताई जा रही है। राज्य सरकार ने अभी अभी कोटा राजस्थान में फंसे छात्रों को छत्तीसगढ़ वापस लाया है। इसके बाद दूसरे राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के स्कूल कॉलेजों की सूची भी शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की जा रही है। पर इनकी संख्या दो तीन हजार में ही है। 70 हजार श्रमिकों को किस तरह से लाया जायेगा इसके लिए बसें चलेंगी या ट्रेन, मजदूरों को स्वयं के साधन से आना हो होगा या राज्य के स्तर पर व्यवस्था होगी इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

लॉक डाउन के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बड़ी सेवा

पार्सल ट्रेनों के माध्यम से खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का परिवहन

- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत स्टेशनों पर कल की गई रिकार्ड 104 टन पार्सल की लोडिंग एवं 147 टन पार्सल की अनलोडिंग का कार्य

बिलासपुर । कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के मद्देनजर किए गए लॉक डाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाएं, चिकित्सा आपूर्ति, चिकित्सा उपकरण, खाद्य तेल, आदि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों के महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर देश के अलग-अलग हिस्सो में लगभग 20, कोविड-19 पार्सल स्पेशल एवं विशेष पार्सल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इस विषम परिस्थिति में एक दूसरे की मदद हेतु आवश्यक सामग्री भेजने वालों को अच्छी सुविधा प्राप्त हो रही है एवं इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में लोग आवश्यक सामग्री की बुकिंग के लिए आ रहे हैं ।

इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महत्वपूर्ण स्टेशनों से कल 104 टन पार्सल की लोडिंग एवं 147 टन पार्सल की अनलोडिंग की गई, जो कि एक रिकार्ड है 7 इसके साथ ही अब तक कुल 1010 टन पार्सल की लोडिंग/अनलोडिंग का कार्य लॉक डाउन की अवधि में की जा चुकी है । इन वस्तुओं में 32.5 टन दवाईयां, 14.9 टन मेडिकल इक्विपमेंट, 427.08 टन फल एवं डेयरी उत्पाद, 64.33 टन सब्जियाँ, 232.2 टन किराना सामान तथा 252.05 टन दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएं शामिल है, जिसमें मुख्य रूप से पपीता, अमरूद, चिरौंजी के बीज, ताजी सब्जियां, मोटर साइकिल, साइकिल, कपड़ा, प्लास्टिक बैग, कपडे, अगरबत्तियां, चॉकलेट, मिष्ठान्न, सुपारी, मशरूम, पापड़, मसाले एवं अन्य किराना वस्तुएं सम्मिलित है ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चल रही दुर्ग-छपरा-दुर्ग समय-सारिणीबद्ध विशेष पार्सल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

बिलासपुर । आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाएं, चिकित्सा आपूर्ति, चिकित्सा उपकरण, खाद्य तेल, आदि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा पार्सल गाडियां चलाई जा रही है तथा परिचालन में विस्तार किया जा रहा है। इसी कडी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली 00875/00876 दुर्ग - छपरा - दुर्ग समय सारिणीबद्ध विशेष पार्सल ट्रेन के परिचालन में विस्तार किया जा रहा है। पूर्व में इस गाडी को दुर्ग से दिनांक 29 अप्रैल तक तथा छपरा से दिनांक 01 मई तक चलाने की घोषणा की गई थी।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मरवाही को संजीवनी 108 एक्सप्रेस सेवा एम्बुलेंस की मिली सौगात

- कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

बिलासपुर । गौरेला-पेंड्रा-मरवाही 30 अप्रैल 2020। कलेक्टर श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने राज्य शासन द्वारा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले को प्रदान की गई संजीवनी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर मरवाही में हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया।

कलेक्टर श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने कहा कि 108 संजीवनी एक्सप्रेस के माध्यम से जिले के आदिवासी बाहुल्य एवं दूरस्थ विकासखण्ड मरवाही में त्वरित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो पाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना तथा अन्य स्वास्थ्यगत आपातकालीन स्थितियों में लोगों को त्वरित गति से चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में 108 संजीवनी एक्सप्रेस सेवायें वरदान साबित होंगी।

पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने कहा कि 108 संजीवनी एक्सप्रेस के माध्यम से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मरवाही में गंभीर मरीजों एवं दुर्घटना में घायलों को निकटस्थ अस्पतालों में पहुंचाने के लिए त्वरित तथा प्रभावी आपातकालीन चिकित्सा सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर डिगेश पटेल, तहसीलदार सुनील अग्रवाल, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एम के यादव, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी के के ध्रुव, बीपीएम राजेश जायसवाल, सांसद प्रतिनिधि मनोज गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य शुभम पेन्द्रों,जनपद अध्यक्ष प्रताप सिंह, जनपद सदस्य आयुष मिश्रा,जनपद उपाध्यक्ष अजय राय सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं चिकित्सकीय स्टाफ उपस्थित थे।

जिले में खरीफ की तैयारी प्रारंभ

- 8902 क्विंटल धान एवं 22529 टन रासायनिक उर्वरक का भण्डारण

बिलासपुर । जिले में खरीफ 2020 की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। वर्तमान में 8902.20 क्विंटल धान बीज का भण्डारण एवं रासायनिक उर्वरक 22529 टन भण्डारण किया जा चुका है। इसमें से 330 क्विंटल धान एवं 4800 टन रासायनिक उर्वरक का वितरण किसानो को किया जा चुका है। कलेक्टर डॉ.संजय अलंग के निर्देशानुसार जिले में स्थित 81 सेवा सहकारी समितियों में किसानों के मांग के अनुरूप खाद-बीज का भण्डारण प्रारंभ कर दिया गया है। कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देष्य अभी तक कुल 27 नमूने उर्वरक तथा 20 नमूने बीज प्राप्त कर विश्लेषण हेतु राज्य के अधिसूचित प्रयोगशाला को भेजी गई है। विश्लेषण परिणाम अभी प्राप्त नहीं हुए है। कीटनाशक के 02 नमूने प्राप्त कर प्रयोगशाला भेजा गया है। सभी नमूने सेवा सहकारी समितियों से प्राप्त की गई है। कृषकों की मांग के अनुरूप प्रक्रिया प्रभारी बीज निगम एवं विपणन संघ बिलासपुर के समन्वय से समय पर रासायनिक उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता, भण्डारण जिले की सभी प्राथमिक सेवा सहकारी समितियों में सुनिश्चित कराई जा रही है। किसानों को 31 मई के पूर्व बीज एवं उर्वरक का अग्रिम उठाव करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये गांव में कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा मुनादी कराकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा किसानों से कहा गया है कि वर्तमान में कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु सामाजिक दूरी का पालन करते हुए बीज एवं उर्वरक का अग्रिम उठाव किये जायें।

पति ही निकला, पत्नी का हत्यारा

भोपालपटनम। चंद दिनों पहले की गई महिला द्वारा आत्महत्या की आशंका की सुई अब हत्या में तब्दील हो गया है. इसमें हत्यारा कोई नहीं, महिला का पति ही हत्यारा निकला. इस कृत्य को छुपाने के लिए उसने षड्यंत्रपूर्वक आत्महत्या दर्शाने का प्रयास किया, किन्तु पुलिस के सख्ती के आगे जल्द ही अपने गुनाह को स्वीकार किया. थाना भोपालपटनम के अन्तर्गत आने वाले ग्राम भटपल्ली में 28/04/20 को भाग्यश्री पति कामेश्वर दुर्गम उम्र 21 वर्ष ने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. जिसकी सूचना मृतिका के पति कामेश्वर दुर्गम ने थाना भोपालपटनम को दी. थाना द्वारा मर्ग कायम 11/2020 धारा-174 जा0 फौ0 दर्ज कर वारदात स्थल का निरीक्षण, पंचनामा, गवाह आदि कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया एवं डाक्टर साहब सेशार्ट पीएम रिपोर्ट प्राप्त किया गया. जिसमें डाक्टर के द्वारा मृत्यु का कारण श्वास अवरुद्ध होने, दम घुटने से एवं हत्या करना लेख करने से आरोपी कामेश्वर पिता मलैया दुर्गम उम्र 24 वर्ष साकिन भटपल्ली के विरुद्ध अपराध क्रमांक 17/2020 धाराः- 302,201 भा. द. वि कायम कर आरोपी को तलब कर कड़ाई से पुछताछ करने पर जुर्म करना स्वीकार किया. जिसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया जाता है. इसकी पुष्टि एसडीओपी श्री अभिषेक सिंह जी ने की। कथित तौर पर अज्ञात लोगों से पता चला है कि यह मामला पति- पत्नी विवाद का तथाकथित ÷वो ÷ के बीच का है. जिसके कारण पति द्वारा पत्नी की षड्यंत्र रचकर हत्या कर , उसमें आत्महत्या का अमलीजामा पहनाने का विफल प्रयास किया गया. सूत्रों के अनुसार अगर इसकी जाँच गंभीरता से की जाये तो, अन्य लोग भी इस हत्या में शामिल हो सकतें है?

एक ही रात चार घरों के टूटे ताले , ग्रामीण अंचल में हुई चोरी से पुलिस भी सकते में

बिलासपुर । रतनपुर क्षेत्र के ग्रामीण अंचल करड़ी में एक ही रात में हुए सिलसिलेवार चोरी की घटनाओं ने पुलिस के भी होश उड़ा दिए हैं। हालांकि ग्रामीण इलाकों में हुई इस चोरी में भारी भरकम राशि ले जाने में चोर कामयाब नहीं हुए लेकिन एक ही रात में चार घरों में दस्तक देकर उन्होंने पुलिस को चुनौती जरूर दी है । करड़ी गांव में रहने वाले किसान शमीम अली के घर चोर रात में ताला तोड़कर घुसे और घर में रखें चांदी के पायल सोने का नेकलेस लॉकेट शर्ट पेंट के कपड़े और 5700 रु नगद लेकर चलते बने। चोर गांव में ही साइकिल दुकान चलाने वाले मुल्तान अली के घर भी घुसे जहां से वे चांदी के दो पायल चुरा कर ले गए ।उनका बैग सुबह खेत में पड़ा मिला। चोर गांव के ही राम प्रसाद सिंह के घर भी घुसे थे और वहां से वे राशन सामग्री ले जाने में कामयाब रहे । चोरों ने मजदूरी का काम करने वाले रंजीत मरकाम के घर भी चोरी का प्रयास किया था लेकिन खटके से उनकी नींद खुल गई थी इसलिए चोर कामयाब नहीं हुए। चोरी की इन घटनाओं की शिकायत रतनपुर थाने में की गई है । इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं और जल्द ही चोरों को पकड़ने का दावा पुलिस कर रही है।

बिलासपुर कांग्रेस में खेमेबाजी, सबके अपने-अपने नेता

- विधानसभा चुनाव के बाद संगठन और सत्ता के नेता अपने अपने मे मस्त ,एक दूसरे की छीछालेदर भी कर रहे

बिलासपुर । विधानसभा चुनाव के पहले से न्याय धानी में कांग्रेस एक जुट नही थी लेकिन 20 वर्षों के राजनैतिक बनवास के बाद कांग्रेस वापसी और प्रदेश की सत्ता में डेढ़ दशक बाद काबिज होने के उपरांत भी यहां के कांग्रेस नेता खेमे में बंटे हुए है और एक दूसरे के काम मे मौका पाते ही अड़ंगा लगाने से नही चूकते । संगठन खेमा भी एक गुट विशेष के ही साथ है । विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित रूप से बिलासपुर की टिकट पाने वाले शैलेष पांडेय ने भाजपा के कद्दावर मंत्री अमर अग्रवाल को हराकर विधायक तो बन गए मगर अनेक कांग्रेस नेताओं को उनका विधायक बनना आज भी कसक रहा है । विधायक की स्थिति यहां विरोधी पार्टी के नेता जैसी हो गई है । विधानसभा चुनाव में टिकट से अप्रत्याशित

रूप से वंचित कर दिए गए प्रदेश कांग्रेस के वर्तमान उपाध्यक्ष अटल श्रीवास्तव को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोकसभा की टिकट दिलाकर विधानसभा के टिकट की भरपाई करने का प्रयास किया और अटल श्रीवास्तव के पक्ष में जमकर प्रचार भी किया मगर देश मे मोदी लहर के चलते भाजपा का अनजान चेहरा अरुण साव ने बाजी मार ली । अटल श्रीवास्तव चुनाव हार गए यही नही बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र से 12 हजार वोट से जीतने वाली कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 50 हजार वोटों से पिछड़ गई जाहिर है अटल श्रीवास्तव को हराने के आरोप भी लगे ।

विधानसभा चुनाव में तो शहर की जनता ने कांग्रेस को जिताया था जिसमे कांग्रेस नेताओं का योगदान उतना नही था । मंत्री अमर अग्रवाल को हराने और सबक सिखाने शहर की जनता ने ठान लिया था इस कारण नए चेहरे के रूप में शैलेश पांडेय को जनता ने पसंद किया , मगर कांग्रेस संगठन के कई नेताओ में इसका श्रेय लेने होड़ सी मच गई थी । यहां तक कि निगम चुनाव के दौरान पीसीसी प्रभारी पीएल पुनिया तक ने विधानसभा चुनाव में जीत के लिए कांग्रेस संगठन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए संगठन के पदाधिकारी को पार्षद के लिए टिकट दिला दी हालांकि वे चुनाव हार गए । उन्होंने विधायक समर्थक पार्षद की टिकट कटवाकर टिकट हासिल की थी

बंद में खूब बिक रही अवैध शराब, पुलिस प्रशासन मौन

सरसींवा, भटगांव व बिलाईगढ़ मे हर जगहों मे शराब के अड्डे बनाकर बहार जंगहो से शराब की तस्कारी करने का अच्छा कर व्यवसाय

नवप्रदेश संवाददाता

भटगांव। नगर भटगांव सहित सरसींवा एवं बिलाईगढ़ ब्लांक मे इन दिनो अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। जहां इसके चलते ग्राम पंचायत सरसींवा, भटगांव व बिलाईगढ़ का महौल खराब हो रहा है। और साथ ही साथ अशांत वातावरण के चलते नगर भटगांव, सरसींवा व बिलाईगढ़ के लोगो को खास तौर पर परेशानी होती है। वही ग्राम पंचायत सरसींवा, बिलाईगढ़ व नगर भटगांव मे शासकीय शराब दुकान है लेकिन लांकडाउन के चलते इन तीनो शासकीय शराब दुकानों को बंद कर दी गयी है। जहां लांकडाउन मे शराब दुकान बंद होने के बावजूद सरसींवा, भटगांव मे अवैध शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है। जिसे जान कर भी अनजान बनी हुई है आबकारी व सरसीवां, भटगांव व बिलाईगढ़ पुलिस कभी कभार शराब तस्कारों व अवैध शराब बेचने वालो के खिलाफ कार्यवाही करता है। लेकिन ग्राम पंचायत सरसींवा, भटगांव व बिलाईगढ़ मे हर जगहों मे शराब के अड्डे बनाकर बहार जंगहो से शराब की तस्कारी करने का अच्छा व्यवसाय अवैध शराब कोचियों द्वारा किया जा रहा है।

एक आदमी को 32 से 40 पाव देते है शासकीय शराब दुकान के गद्दीदार: जहां आबकारी नियम के अनुसार नगर पंचायत व ग्राम पंचायतों मे शराब की दुकान आबटित की जाती है लेकिन उनकी आड़ मे शराब दुकान के कर्मचारियों और अवैध शराब बेचने वाले कोचियों की मिलीभगत से शासकीय शराब दुकान के कारोबार को फायदा पहुंचाने के लिए शासकीय शराब दुकान मे अपने पहचान के लोगो को 32 से 40 पाव या फिर एक पेटी जितने बार शासकीय शराब दुकान जाते है वहा के कर्मचारी उसको शराब दे देते है और जिसे जाकर उनके द्वारा सरकारी कीमत से भी ज्यादा की कीमत मे अवैध रूप से बेचते है और सरसींवा, भटगांव व बिलाईगढ़ पुलिस कुछ नही कर पाता हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते है। साथ ही साथ अवैध शराब बेचने के लिए अभी हाल मे सरसींवा, भटगांव व बिलाईगढ़ मे नये नये कोचिये पैदा हो गये है जो लांकडाउन होने के बावजूद दूसरे राज्य से कम कीमत मे लाकर चौगुने दामो मे बेच रहे है।

> सूचना मिलने पर लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। और बाहर से शराब लाकर बेचने की बात खाली ऐसे ही बोला जा रहा है। और अभी तक हमारे हाथ तो नही आये है। साथ ही ऐसे लोग अगर पकड़ मे आते है तो उनके विरूध्द नियमानुसार कार्यवाही होती है।
>
> **आर.एस.सिंग,** थाना प्रभारी सरसींवा

> अवैध शराब पर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया जा रहख है। और बाहर राज्य से लाकर शराब बेचने की सूचना तो अभी तक नही मिली है। अगर मिला तो जरूर कार्यवाही करेंगे।
>
> **राजेश साहू,** थाना प्रभारी बिलाईगढ़

> थाने से कार्यवाही होती है। आप मुझे बता दीजिए मै थाने मे बोल देता हू कार्यवाही करने के लिए और जो भी आरोप है आप मेरे को भेज दीजिए मै कार्यवाही करने के लिए बोल देता हूँ।
>
> **संजय तिवारी,** एस.डी.ओ.पी.बिलाईगढ़

> अवैध शराब पर निश्चित ही कार्यवाही होगी अगर आपके पास कोई सूचना है तो वो सूचना दीजिए उस पर दबिश करके उस पर निश्चित रूप से कार्यवाही होगी अवैध शराब की बिक्री किसी प्रकार से जिले व थानों के आसपास गांवों मे नही होगी।
>
> **निवेदिता पाल,** अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक बलौदाबाजार

युवक पर जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। प्रार्थी विकास मेश्राम पिता कन्हैया मेश्राम निवासी पुराना ढाबा थाना लालबाग जिला राजनांदगांव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 अप्रैल 2020 को विक्की नायडू निवासी पुराना ढाबा अपने अन्य साथियों संजय नायडू, रमेश और विशाल के साथ वाद विवाद करते हुए धारदार हथियार से वार कर चोट पहुंचाया है। घटना से आई चोट का ईलाज जिला अस्पताल राजनांदगांव में करा रहा हूं। रिपोर्ट पर थाना लालबाग में अपराध क्रमांक 167/2020 धारा 294, 506, 324, 327, 307, 34 भादंवि कायम कर विवेचना में लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले के पुलिस कप्तान जितेन्द्र शुक्ला, अतिरक्त पुलिस अधीक्षक जीएन बघेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक एमएस चंद्रा के नेतृत्व में थाना प्रभारी लालबाग के साथ एक विशेष टीम तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु गठित की गई। टीम द्वारा अलग अलग स्थानों से आरोपी विक्की तिवारी (नायडू) से घटना में प्रयुक्त लोहे का पंच जप्त कर आरापियों विनय उर्फ विक्की तिवारी (नायडू) पिता रमेश उम्र 30 वर्ष निवासी शिवनगर ढाबा वार्ड नं. 04 थाना लालबाग, संजय तिवारी पिता रमेश तिवारी (नायडू) उम्र 38 वर्ष निवासी शिव नगर वार्ड नं. 04 ढाबा थाना लालबाग,) प्रमोद चौखाण्डे पिता स्व. राजकुमार उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड नं. 06 चिखली पुलिस चौकी चिखली एवं विशाल भारती पिता प्रेमलाल भारती उम्र 23 वर्ष निवासी शांतिनगर रवि किराना दुकान के पास पुलिस चौकी चिखली को गिरफ्तार किया जाकर आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

मनरेगा : लॉकडाउन में मजदूर के लिए हो रहा वरदान साबित

■ मजदूर दिवस पर मनरेगा श्रमिक से मिले विधायक बघेल

राजनांदगांव। ब्लॉक में मजदूर दिवस के अवसर पर ग्राम डुमरडीहकला, धौराभाठा, डोम्हाटोला, खपरीकला, बासूला में डोंगरगढ़ विधायक भुनेश्वर बघेल ने महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में मजदूरों से मिले व हालचाल जाने व मजदूर दिवस की बधाई दिए व कॅरोना वायरस पर बचाव के उपाय बताए। सभी मजदूरों को सोशल डिस्टेंसिग कर काम करने को कहा गया व सभी को मास्क वितरण किया गया

जनपद सभापति ओमप्रकाश साहू ने कहा लॉक डॉउन के कारण ग्रामीण मजदूरों की हालात को ध्यान में रखते हैं। सरकार ने महात्मा गांधी रोजगार गारंटी कार्य शुरू कराया गया है, जिससे मजदूर वर्ग भूखा ना रहे। पूरे छत्तीसगढ़ में राजनांदगाँव जिला में सबसे ज्यादा रोजगार उपलब्ध कराया गया है। ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश द्विवेदी ने सभी मजदूरों को विशेष रुप से सोशल डिस्टेंस का पालन करने की अपील की गई।

विधायक बघेल ने ग्रामीण मजदूरों को वैश्विक महामारी से बचने के लिए साफ सफाई रखते हुए हाथों को साबुन से बार-बार धोने की सलाह देते हुए सोशल डिस्टेंस पालन करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान सभी गांव के सरपंच, सचिव रोजगार सचिव उपस्थित रहे।

बीस हजार अधिक तम्बाखू युक्त गुटखा और सिगरेट के साथ आरोपी गिरफ्तार

धमतरी / मगरलोड। सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम कमरौद निवासी कोमल साहू अपने किराना दुकान में वर्तमान में प्रतिबंधित तम्बाखूयुक्त वस्तु बिक्री करने के लिये रखा है। मौके पर मगरलोड पुलिस द्वारा तस्दीक करने पर सूचना सही पाया गया। आरोपी कोमल साहू पिता केशाराम साहू उम्र 48 वर्ष निवासी कमरौद के कब्जे से (01) मंदिर छाप गुड़ाखु का 09 पैकेट प्रत्येक में 36 नग डिब्बी कुल 324 नग डिब्बी कीमती 14850रुपये, (02) पान पसंद का 42 पैकेट प्रत्येक में 55 नग पाऊच कुल 2310 नग पाऊच कीमती 4620रुपये, (03) सुहाना पसंद का 33 पैकेट प्रत्येक पैकेट में 55 नग पाऊच कुल 1815 नग पाऊच कीमती 3630 रुपये कुल 23100रूपये का तम्बाखूयुक्त सामान जब्त कर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 74/2020 धारा 188 भा0द0वि0 एवं 20,21 सिगरेट और तम्बाखू उत्पाद अधिनियम 2003 के अंतर्गत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड पर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है ।

मजदूर से लोडिंग करने का है परमिशन, पर ठेकेदार चैन माउंटेन मशीन से करा रहे थे लोडिंग, मशीन जब्त

धमतरी । लॉक डाउन के बीच धमतरी जिले में खनिज विभाग द्वारा ठेका में दिये गये कुछ रेत खदान को उत्खनन के लिए अनुमति दी गई है, जिसमें मगरलोड ब्लाक के ग्राम राजपुर का रेत खदान भी शामिल है। यहाँ रेत खदान में नियमों का पालन नहीं हो रहा था। रेत खदान में नेशनल ग्रीन ट्यूबनल (एनजीटी) के नियमों का खुलकर उल्लंघन किया जा रहा था। ठेकेदार द्वारा पिछले एक सप्ताह से चैन माउंटेन मशीन के माध्यम से हाइवा लोडिंग कर रहा था। जबकि एनजीटी ने स्पष्ट रूप से आदेश में कहा है था कि रात में उत्खनन नही होगा इसके अलावा रेत खदान में मशीन से उत्खनन प्रतिबंधित है। मगर राजपुर के रेत घाट में ठेकेदार मशीनों का खुलकर उपयोग कर रहे था। दिन- रात से हाइवा वाहनों से सप्लाई किया जा रहा था। वहीं ठेकेदार द्वारा महानदी की सीना छल्ली करते हुये दिन और रात चैन माउंटेन मशीन से हाइवा लोडिंग की जा रही है, जिसकी शिकायत पर गुरूवार को खनिज विभाग की टीम ने राजपुर रेत खदान में दबिश दी। जहाँ महानदी में लगे ठेकेदार के दो चैन माउंटेन मशीन देखकर नदी से निकल कर कछार में आया जिसमें मशीन के चालक फरार हो गया। खनिज विभाग की टीम ग्रामीणों के समक्ष दोनों चैन मशीन के ऊपर जब्ती कार्यवाही की।

डुबान क्षेत्र में भाजपा नेताओं ने कोरोना योद्धाओं को धन्यवाद पत्र देकर किया सम्मान

धमतरी। डुबान क्षेत्र के ग्राम मोंगरागहन एवं कोडेगांव में भाजपा जिलाध्यक्ष ठा शशि पवार मंडल अध्यक्ष ऋषभ देवांगन एवं अरविंदर मुंडी की उपस्थिति में कोरोना योद्धाओं को धन्यवाद पत्र देकर ग्रामीण कार्यकर्ताओं द्वारा उनका सम्मान किया गया। नेताओं ने उप स्वास्थ्य केंद्र ग्राम मोंगरागहन में पदस्थ ए एन एम नम्रता देवांगन को तथा ग्राम कोडेगांव बी में ग्राम कोटवार तथा युवा साथियों को भाजपा द्वारा धन्यवाद पत्र देकर उनका सम्मान किया गया।

राहुल और सुरजेवाला कर रहे देश की भोली भाली जनता को गुमराह: कविन्द्र

धमतरी। पिछले दिनों RTI के माध्यम से प्राप्त जानकारी को आधार बना कर कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने देश के समक्ष ऐसी तस्वीर पेश करने की कोशिश की कि मोदी जी की सरकार ने अपने चहेती कंपनियों का 60000 करोड़ रुपयों से अधिक का ऋण माफ कर दिया है। यह एक जिम्मेदार पार्टी के जिम्मेदार नेताओं द्वारा देश की भोली भाली जनता को बरगलाने का एक घृणित प्रयास है। वास्तविकता यह है कि बैंकिंग के नियमानुसार जो भी ऋण खाता एन पी ए हो जाता है तथा एक निश्चित अवधि बीत जाने के बाद भी उस पर कोई रकम खातेदार द्वारा नही जमा कराया जाता ऐसे खातों को राइट ऑफखाते में अलग से रखा जाता है और ये प्रक्रिया केवल बैंकिंग में ही नही सामान्य व्यापारिक लेखों में भी अपनाई जाती है। इसका अर्थ ये कदापि नही होता कि इन खातों पर वसूली की प्रक्रिया बैंक द्वारा रोक दी जाती है या उनका कर्ज माफ कर दिया जाता है बल्कि उनकी वसूली की प्रक्रिया कानूनी तरीके से जारी रहती है।

धमतरी विधायक ने राह चलते श्रमवीरों की उतारी आरती

धमतरी। अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर कारोना महामारी के चलते लॉकडाऊन प्रोटोकॉल तथा सामाजिक दूरी का निर्वहन करते हुए विधायक रंजना डीपेंद्र साहू एवं निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र शर्मा ने अपने नैतिक दायित्व का निर्वहन करते हुए अनेक श्रम वीरो के श्रम की पूजा करने भरी दोपहर में शहर की सड़कों पर निकले। विधायक श्रीमती रंजना साहू ने श्रम वीरों का सम्मान करते हुए कहा कि श्रम दिवस वास्तव में हम सबको समाज, राज्य, राष्ट्र, के विकास व उत्थान के लिए नींव के रूप में अपना श्रम लगाने वाले भाइयों एवं बहनों का सम्मान प्रकट कर कृतघ्नता प्रकट करने का दिन है। इसके लिए समाज का प्रत्येक जिम्मेदार वर्ग जनप्रतिनिधि संस्था व निकाय को आगे आकर अपना योगदान देना चाहिए।

अप्रैल से जून माह का अतिरिक्त चावल का नि:शुल्क वितरण एक मई से प्रारंभ

राजनांदगांव। कोरोना वायरस कोविड-19 संक्रमण के प्रबंधन के तहत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निर्देश पर जिले में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को अप्रैल से जून माह का अतिरिक्त चावल का वितरण एक मई से प्रारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा और चावल निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। राशन कार्ड में दर्ज सदस्यों के आधार पर अतिरिक्त चावल प्रदाय किया जाएगा।

ऐसा खौफ संक्रमित मरीज के मिलने पर कैसी होगी व्यवस्था इसी को लेकर पुलिस ने किया था मॉक ड्रिल

पुलिस की मॉक ड्रिल से शहरवासियों में दहशत का माहौल

पवन तिवारी

धमतरी। पूरी दुनिया वैश्विक माहमारी के दहशत जी रहा लोगों को इस बीमारी ने इस कदर डरा दिया है कि लोगों को अपने आसपास किसी भी व्यक्ति का छीकना खासना भय पैदा कर देता है वहीं पूरा भारत में लॉक डाऊन है लोग उसका पूरा पालन भी कर रहे हैं। धमतरी में ऐसा वाकया हुआ जिसकी कभी कोई कल्पना ही नहीं कर सकता है। लॉक डाऊन के चलते धमतरी नगरवासीयों को उनकी जरूरत के हिसाब से छूट दी जा रही है जिसमें अति जरूरी सामनों की खरीदी कर सकते है। खाली समय में लोग अपने घरों में रहकर मनोरंजन के लिए महाभारत और रामायण का लुप्त उठा रहे है। लेकिन उसी वक्त धमतरी शहर के सभी नागरिकों का मोबाइल जरूरत से ज्यादा सक्रीय हो गया था। लोगों जितनी उत्सुकता उससे भी कहीं ज्यादा भय का मंजर था। लोगों ये समझ नहीं आ रहा था कि किससे सही घटना का पता चलेगा। मामला ही कुछ ऐसा था धमतरी के एक वार्ड में कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति की खबर मिलने के बाद ये खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। यूं कहें तो शहर के हर व्यक्ति को ये लगा कि उसके घर के बाजू वाला है। जो कोरोना माहमारी से संक्रमित है। लगभग एक बजे के आसपास की शहर के लोगों को ये पता लग ही गया था। कि शहर में एक कोरोना संक्रमित व्यक्ति मिला है। लोग अपने तरह से आकलन करना चालू कर दिए थे।कि उसके सम्पर्क कितने लोग आ चुके होगें। लोग ये भी मान कर चल रहे थे।कि धमतरी शहर रेड जोन पर हो जायेगा। जिस व्यक्ति को कोरोना संक्रमित बताया जा रहा था। लोगों से बात सामने आ रही थी। वह व्यक्ति सब्जियों तथा फूलों का करोबार करता है। शासन का मॉक ड्रिल बना नेशनल न्यूज चैनलों वह पोर्टल न्यूज वेब का ब्रेकिंग न्यूज बन गई । इसके साथ ही अफवाहों का बाजार गर्म हो गया।लोग इस बात पर चर्चा करने भीड़ गये।और कितने लोग इस माहमारी के चपेट में आ सकते है । इस बात पर बहस चालू हो गया था। कोई कहने लगा। कम से कम दस लोग तो जरूर होगें तो कोई कहने लगा। बीस लोग से उपर होगें। और कुछ लोग उसे कोसने लगे। कुछ तो यहां तक बोलते सुने गये। मेरी अभी उससे फोन पर बात हुई है। रायपुर एम्स में पहुंच गए हैं। पर इलाज चालू नहीं हुआ है।वहीं परिवार के सभी सदस्यों कॉरनटाईन मे भेज दिया गया है। लोगों मे दहशत इस कदर हावी हो गया था कि। लोगों को लगने लगा जाने अनजाने में उससे मुलाकात हो गई है। लोगों मे दहशत समा गया हो। ये सिलसिला दो से ढाई घंटे चलता रहा।जनता अपने हिसाब से तर्क लगा रही थी। जब पूरे भारत में लॉक डाऊन हैं।ये कैसे बहार से आकर जानकारी छुपा कर घर मे रह रहा हैं। शासन प्रसाशन पर उगली उठाने से भी नही चुके तरह तरह की बातें होने लगी।धमतरी शुरू से ही ग्रीन जोन पर है इसके बाद इस तरह का खबर आना लोगों में अफरातफरी मच गया था। फिर चार बजे कलेक्टर रजत बंसल द्वारा इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनल एवं प्रिंट मीडिया के समक्ष आ कर स्थिति को क्लीयर किया गया। कि शहर मे कोई भी कोरोना से संक्रमित व्यक्ति नहीं है।ये शासन द्वारा मॉक ड्रिल था।भविष्य में किसी प्रकार की परिस्थिति बनती है।

■ न्यूज गैलरी

बड़ी मात्रा में डंप अवैध रेत बरामद

महासमुंद। लॉकडाउन के दौरान रेत का अवैध खनन करते हुए पाए जाने पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। तहसीलदार बसना ललिता भगत के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम बड़े टेमरी एवं छोटे टेमरी पहुंचकर जांच की। अवैध उत्खनित रेत 71 ट्राली बाबूलाल ने रखी थी। भंडारण किए गए रेत के साथ जाहिद खत्री निवासी बसना के स्वामित्व का ट्रैक्टर सीजी- 06 ई 5515 एवं ट्राली नं सीजी 06 सीजी 2909 में रेत लोड लाया गया। बाबूलाल ने रेती स्वयं और मथूरा दास, अजीत दास का होना बताया। इसी तरह ग्राम बड़े टेमरी में ही सहनू के स्वामित्व की खाली भूमि पर अवैध उत्खनित रेत 15 ट्रैक्टर ट्राली सुदामा पिता चोभाराम द्वारा रखा जाना पाया गया। ग्राम छोटे टेमरी स्थित भूमि देवार्चन पिता द्वारू के खाली प्लाट में अवैध रूप से उत्खनित 25 ट्रैक्टर ट्राली रेत खुद देवार्चन द्वारा रखा जाना पाया गया एवं मौके पर एक जेसीबी मशीन रेत लोड कर अन्यत्र ले जाने के लिए खड़ा पाया गया। राजस्व विभाग ने खनिज खनन परिवहन एवं भंडारण नियम 2009 के तहत कार्रवाई की कार्रवाई के दौरान मनबोध सरपंच, ग्राम पंचायत बड़े टेमरी, उपसरपंच ग्राम पंचायत बड़े टेमरी, राममूर्ति दीवान नायब तहसीलदार, योगेंद्र साय आदि उपस्थित थे।

थम नहीं रहा हाथियों का उत्पात

बिरकोनी। कुकराडीह बंजर और महानदी बगीचा रास्ते के खेतों में हाथियों का उत्पात थम नहीं रहा है। दल में 23 हाथी हैं। हाथी क्षेत्र के किसानों की फसलों को रौंदकर बर्बाद कर रहे हैं। हाथी रात में कुकराडीह और दिन में बड़गांव पहुंच रहे हैं। वनपाल बद्रीनाथ ने बताया कि हाथी के झुंड सुबह 6 बजे बड़गांव के आम बगीचा पहुंचे हैं आसपास के सभी ग्रामीणों को अलर्ट कर दिया गया है। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए टीम तैनात है। झड़ी निषाद, जीवन चंद्राकर, गजाधर चंद्राकर, अछरीडीह के महेंद्र पटेल, शत्रुहन पटेल, यतिराम साहू, सत्यवान ठाकुर, जीवन पटेल ने बताया कि ग्राम खट्टीडीह में हाथियों ने धान की फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया है। बड़गांव में कुंजलाल निषाद, बुधारू निषाद के खेतों में हाथियों ने उत्पात मचाया। किसान शैलेंद्र चंद्राकर ने बताया कि हाथियों की दहशत के चलते दवा का छिड़काव नहीं कर पा रहे हैं।

प्रवासी व्यक्तियों के राज्य की सीमा में प्रवेश के समय होगा स्वास्थ्य परीक्षण

महासमुंद। राज्य शासन ने राज्य से अन्य राज्यों में रोजगार की तलाश में गए व्यक्तियों, श्रमिकों के अपने निवास जिले में वापसी को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ वापस आने वाले प्रवासी श्रमिकों एवं व्यक्तियों के संबंध में कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुनील कुमार जैन ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि अन्य राज्य से आने वाले सभी प्रवासी श्रमिकों एवं व्यक्तियों के राज्य की सीमा में प्रवेश के समय, सीमा पर ही स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण करने एवं ऐसे सभी प्रवासी श्रमिकों एवं व्यक्तियों को सीमा क्षेत्रों में ही क्वॉरंटाइन सेंटर की व्यवस्था कर 14 दिवस के लिए निर्धारित पद्धति से क्वारेंटाईन करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही राज्य के अन्य जिले के श्रमिकों एवं व्यक्तियों को स्वास्थ्य परीक्षण में स्वस्थ्य पाए जाने पर एन्ट्री प्वॉइंट से उनके गंतव्य जिले तक भेजे जाने के निर्देश दिए गए हैं।

घर और जंगल में जुआ खेलते 15 पर कार्रवाई

महासमुंद। कोतवाली और खल्लारी थानांतर्गत दो जुआ प्रकरण में पुलिस ने 15 के खिलाफ कार्रवाई की है। लॉकडाउन का पालन न करते हुए जिले में लगातार जुआ प्रकरण सामने आ रहे हैं। मंगलवार शाम 4 बजे कोतवाली टीम ने तुमगांव मार्ग में निर्माणाधीन ओव्हर ब्रिज के समीप सुलेमान सिद्दीकी के घर में पांच जुआरियों को जुआ खेलते पकड़ा। इनमें बढ़ई पारा निवासी अजहर अहमद पिता नजीर अहमद खान (25), शंकर नगर निवासी वकार अली पिता इंसा अली (26), मेघ बसंत कालोनी गुमानचंद पिता मोहन लाल जैन (56), ईसाई पारा निवासी मो सुलेमान पिता साबिर सिद्दीकी (27) और अयोध्या नगर निवासी आवेज खान पिता नवाब खान (36) को पकड़ा। जिनके कब्जे से नगदी 10,660 रुपए, 5 नग मोबाइल, दो बाइक बरामद की। इसी तरह खल्लारी पुलिस ने बीकेबाहरा के जंगल में 10 लोगों जुआ खेलते पकड़ा।

10 वीं-12 वीं की परीक्षाएं स्थगित

महासमुंद। दसवी-बारहवीं की बोर्ड की छूटे हुए विषयों की परीक्षा आगामी तिथि तक स्थगित कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव ने बुधवार को इस आशय की जानकारी सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को प्रेषित कर दी है। बता दें कि 3 मई तक लॉकडाउन के चलते परीक्षाएं स्थगित की गई है। कोरोना वायरस की वजह से दसवीं-बारहवीं की 21 मार्च से 31 मार्च तक होने वाली परीक्षाएं स्थगित की है। बाद परीक्षा सारणी में संशोधन कर 4 मई से 8 मई तक परीक्षा के लिए नया शेड्यूल जारी किया गया। इसके तहत हाईस्कूल की परीक्षा 4 और 5 मई और बारहवीं की परीक्षा 4, 5, 6 और 8 मई को होनी थी। बहरहाल, सचिव ने कहा कि नई समय सारिणी बाद में घोषित की जाएगी।

18 मई 2020 तक उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए आवेदन

महासमुंद। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए आवेदन पूर्व में आमंत्रित किए गए थे, जिसकी अंतिम तिथि 27 मार्च 2020 तक निर्धारित थी। इसी दौरान नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रदेश में धारा 144 लागू की गई थी, इसको ध्यान में रखते हुए उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। यह तिथि प्रदेश में धारा 144, लॉक डाउन समाप्त होने की तिथि से आगामी 15 दिवस के लिए अथवा 30 अप्रैल 2020 तक (जो भी अधिकतम हो) के लिए तिथि बढ़ाई गई थी।

न्यूज गैलरी

दोबारा जांच, जांच में जि.पं.अध्यक्ष खुद मौजूद

पिथौरा। जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल द्वारा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या पिरदा पंजीयन क्रमांक 1233 के विरूद्ध की गई शिकायत पर पांच सदस्यीय जांच टीम द्वारा दी गई क्लीनचीट को उच्चाधिकारियों ने नकार दिया था।कलेक्टर सुनील कुमार जैन के निर्देश पर जिला खाद्य अधिकारी अजय यादव पुनः 6 बिंदुओं पर दोबार जांच के आदेश तहसीलदार पिथौरा को दिया था इस दोबारा जांच को एसडीएम पिथौरा लीड कर रहे हैं। शिकायतकर्ता जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल की शिकायत पर उनका बयान लिए बगैर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने पर कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने नाराजगी व्यक्त की है। बहरहाल दोबारा जांच के आदेश के बाद की जा रही जांच में जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल खुद मौजूद रहीं।और जांच में सहयोग भी किया।

हमारी सरकार का संकल्प है गड़बड़ी करनेवाले बच नहीं पायेंगे सरकार दोषियों को छोड़ने वाली नहीं - श्रीमती उषा पटेल जि.पं.अध्यक्ष महासमुंद

वार्ड क्रमांक 8 के बिगड़े हैंडपंप को सुधारा

लवन। बलौदा बाजार विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हारी के आश्रित गांव कैलाशगढ़ के वार्ड क्रमांक 8 के हैंडपंप पिछले 2 दिनों से खराब हो गया था। हैंडपंप खराब होने की जानकारी वार्ड वासियों के द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि नूतन पैकरा और उप सरपंच प्रतिनिधि महासिंग यादव को दी गई तत्पश्चात हैंडपंप खराब होने की जानकारी हैंडपंप मैकेनिक को दी गई। हैंडपंप मैकेनिक वीरेंद्र नेताम के द्वारा 1 मई दिन शुक्रवार को सुबह 8 बजे पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से बंद पड़े हैंडपंप को सुधारा गया।

कुम्हारी में चल रहा मनरेगा के तहत कार्य

लवन। वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए देश में लागू लॉक डाउन के दौर में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बचाने और ग्रामीणों की आजीविका को संरक्षित करने राज्य सरकार व्यापक स्तर पर काम कर रही है। लॉकडाउन के दौरान एक ओर जहां सभी कार्य बंद है वहीं मनरेगा में ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है कोरोना वायरस से बचाव के लिए 23 मार्च से पूरे देश को लाक डाउन कर दिया गया है। इससे सारे काम बंद हो गए हैं लेकिन लॉक डाउन में मजदूरों को राहत देते हुए उन्हें लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए मनरेगा में कार्य करने की छूट दी है जिसके तहत ग्राम पंचायतों में इन दिनों मनरेगा के तहत ग्रामीणों को गांव में ही काम मिल रहा है जिससे ग्रामीणों को काफी हद तक राहत मिल रहा है। जनपद पंचायत बलौदा बाजार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हारी में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत पिछले 5 दिनों से कार्य जारी है जिसमें पंजीकृत श्रमिकों को रोजगार दिया जा रहा

अर्जुनी में पान मसाला व गुड़ाखू की कालाबाजारी जोरों पर

अर्जुनी। कोरोना वायरस लॉक डाउन के चलते संक्रमण के बचाव के चलते राज्य सरकार द्वारा पान मसाला व गुड़ाखू उत्पादों में प्रतिबंध लगाने के चलते ,चोरी छुपे इसका अवैध कालाबाज़ारी अर्जुनी के कई संभावित दुकानों में धड़ल्ले से चल रहा है,सूत्रों से यह भी पता चला है कि बड़े व्यापारियों द्वारा गांव के छोटे किराना व्यवसायी व बीच बस्ती अंदर में दुकानों को पान मसाला व गुड़ाखू उत्पाद मुहैया कराया जा रहा है ,जिसे इनके द्वारा लतखोर लोगों को मनमाने दाम पर बेचा जा रहा है इतना ही नही , ऐसे समय मे लोगो के मजबूरी का फायदा उठाते हुए कई गुना अधिक दामों में सामान बेचने व उपलब्ध कराने के कारण विवाद की स्थिति भी निर्मित हो रहा है।बताया जा रहा है कि 5 रुपये मिलने वाला पान मसाला30 रुपये तक व 5 रुपए से 20 रुपये तक मिलने वाला गुड़ाखू उत्पाद की कीमत में मिलने वाले 50 से 350 रुपये तक के दाम में बेचा जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा किराना व्यवसाइयों को कुछ ही घण्टे दुकान खोलने का अनुमति प्रदान किया गया है किंतु अर्जुनी में इसका पालन न करते हुए शटर आधा अधूरा बंद कर दिनभर समान भी मुहैया कराया जा रहा है जो कि एक प्रकार से नियमो का घोर उलंघन है। खाद्य विभाग द्वारा ऐसे काला बाजारियों के ऊपर कार्यवाही नही होने के चलते इनका मनमाना रवैया और बुलंद होते जा रहे है।

पंजीयन विभाग की बाजार दरें अब 30 जून तक मान्य

भाटापारा। नोवेल कोरोना वायरस महामारी संक्रमक की संभावना और रोकथाम की दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धान्तों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2000 के नियम 12-क में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन द्वारा 2019-20 की प्रभावी बाजार मूल्य दरो की तथा उपबन्धों की प्रभावशीलता को 30 जून तक तक बढ़ा दिया है।

मनरेगा कार्यों का औचक निरीक्षण, मजदूरों को बांटे मास्क और सेनेटाइजर

नवप्रदेश संवाददाता

डौंडी। डौंडी आदिवासी ब्लॉक मुख्यालय डौंडी सहित जिला मंत्री प्रतिनिधि पीयूष सोनी, जिला पंचायत सदस्य करिश्मा सलाम, जनपद अध्यक्ष बसन्ती दुग्गा, उपाध्यक्ष पुनीत राम सेन लॉकडाउन के दौरान ब्लॉक में चल रहे मनरेगा कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनपद पंचायत डौंडी के अंतर्गत ग्राम पंचायत मरकाटोला, कुंजकन्हार, खुर्सीटिकुर, काडे, गुदुम, लखमाटोला, के अंतर्गत, ग्राम में निजी डबरी निर्माण, सामुदायिक तालाब निर्माण, कुंवा निर्माण, तालाब पचरिकरण के कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया। साथ ही मनरेगा मजदूरों को कार्य स्थल पर मास्क एवं सैनिटाइजर का वितरण भी किया। कोरोना सक्रंण की जानकारी के साथ फिजिकल डिस्टेंस की भी जानकारी दी गई। श्रमिको को कार्य करने के दौरान आपस में कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाए रखने को कहा। इसके अतिरिक्त पंचायत स्तर पर राशनकार्ड, चावल वितरण एवं आवश्यकतानुसार मनरेगा अंतर्गत नये कार्यों की स्वीकृति आदि के संबंध में जानकारी जनप्रतिनिधियों के द्वारा दी गयी। इस दौरान कार्यों में ग्राम पंचायत मरकाटोला में 390 मजदूर कार्यरत पाये गये।

विकट समय में 445 राहत कार्यों से 14 हजार लोगों को मिल रहा काम

इस दौरान मंत्री प्रतिनिधि पीयूष सोनी ने बताया कि देशव्यापी लॉकडाउन में दैनिक कार्य करने वाले श्रमिकों के समक्ष रोजगार की समस्या उत्पन्न हो गयी थी। परन्तु राज्य शासन के लोकहितकारी फैसले से लोगों को बड़ी राहत मिली है। मौके पर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डौंडी पुनीत राम सेन ने जानकारी दी कि वर्तमान में ब्लॉक में मनरेगा अंतर्गत 445 कार्यों में 14000 श्रमिक प्रतिदिन शासन के द्वारा निर्धारित 190 रूपये की दर से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि ब्लॉक के ग्राम पंचायतों में चल रहे 445 कार्यों के साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों की कार्यशैली एवं लॉकडाउन में शासन के निर्देशानुसार ग्रामीणों को विभिन्न सुविधायें उपलब्ध कराने के संबंध में भी निरीक्षण किया जा रहा है। निरक्षण के दौरान जनपद सदस्य पुष्पा कोराम, हेमबत्ति कुलदीप,रमिता मारकाम, निर्मला कौडो,ज्योति कोमलेन्द्र चन्द्राकर, सहित कार्य स्थल पर सम्बधित पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, पंच व मेट उपस्थित थे।

कोरोना काल में सरपंच ने छीनी दिव्यांग की नौकरी

पीड़ित प्रकाश नामदेव ने की शिकायत, कार्यवाही अब तक नहीं

नवप्रदेश संवाददाता

सिल्हाटी। पुरा देश आज कोरोना की महामारी से जुझ रहा है आम लोगो को कई समस्याओ का सामना भी करना पड रहा है। सरकार भी लोगो को एक दुसरे की मद्द करने अपील भी कर रहे है। तो इसके साथ ही आज मजदूर दिवस भी है। मजदूर दिवस के दिन निश्चित तौर पर मजदूर एक दिन तो कम से कम चैन से घर पर रहते है। लेकिन सिल्हाटी के मजदूर पर संकट का एक पहाड टूट पडा। दरासल उसे ग्राम पंचायत सिल्हाटी के सरपंच ने प्रस्ताव पास करा काम से बिना कारण बताए बेदखल कर दिया। अब पीडित ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियो से की है। वर्तमान समय में जहां आमजन की सुविधाओ को लेकर देश के प्रधानमंत्री सहित राज्य सरकार ने लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने विशेष जोर देते हुए बिजली पानी जैसी समस्याएं कहीं भी उत्पन्न ना हो। तो इसके साथ ही किसी को नौकरी से ना निकाले जाने की बात कहते हुए यह भी अपील किया था कि कर्मचारियों को उनका वेतन भी उपलब्ध कराया जाए। लेकिन ग्राम पंचायत सिल्हाटी के सरपंच अल्ताफ इन दिनों अपनी पूरी मनमानी कर रहा है। बावजूद इसके इस पर कार्रवाई करने अधिकारियों के हाथ भी कांप रहे हैं क्या इस सरपंच पर बड़े आकाओं का हाथ बना हुआ है जिसके चलते सरपंच कोई भी फरमान सुना देता है इनके तुगलकी फरमान में यह अंकित कर दिया गया कि प्रकाश नामदेव आज से नल से संबंधित कोई कार्य नहीं करेंगे और उन्हें नौकरी से निकाला जा रहा है। जबकि इनके द्वारा लिए गए बैठक में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस कारण से उस दिव्यांग प्रकाश को नौकरी से निकाला गया है। हम बता दें कि यह कर्मचारी 60 प्रतिशत दिव्यांग है जोकि ग्राम पंचायत सिल्हाटी में नल खोलने और बंद करने का कार्य करते हुए अपने परिवार का संचालन करते आ रहा है। श्री नामदेव वर्ष 2013 से इस कार्य को करते आ रहे हैं आखिरकार सरपंच अल्ताफ ने इन्हें नौकरी से निकाल दिया तो इसकी शिकायत पीड़ित प्रकाश नामदेव ने लोहारा जनपद पंचायत सीईओ, जिला कलेक्टर सहित प्रधानमंत्री से भी की है। लेकिन अभी तक जिला प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं किया जाना समझ से परे है जिससे कहा जा रहा है कि सरपंच के ऊपर निश्चित तौर पर बड़े आकाओं का हाथ है जिसके चलते ग्राम पंचायत में कोई भी प्रस्ताव बिना रोक-टोक पास कर रहे हैं।

> इस संबंध में शिकायत मिली है जांच के लिए करारोपण अधिकारी को सौंपा गया है। जांच के बाद दोशियों पर तत्काल कार्यवाही किया जाएगा।
>
> **केशव वर्मा, सीईओ जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा**

कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु सुझाव

गरियाबंद। वैश्विक महामारी कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु शासन-प्रशासन द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। इन उपायों को अमल में लाने जागरूक लोगों द्वारा नवाचारी शोध के साथ लोगों को सुझाव दिये जा रहे हैं। इन्हीं में से जिला लोक शिक्षा समिति गरियाबंद के नोडल अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार खरे ने अपनी नवाचारी शोध से लोगों को अवगत कराया है कि सामान्यतः हमारे शरीर में कार्यात्मक दृष्टि से मस्तिक दो प्रकार से कार्य करता है। कॉनशस माइंड और सबकॉनशस माइंड, कॉनशस माइंड एक्टिव स्टेज होती है। जिसमें हम सोच विचार और तर्क के आधार पर निर्णय लेते है और कार्य करते है। जबकि सबकॉनशस माइंड एक स्टोर रूम की भॉति होता है, जो हमारे अनुभवों व्यवहार जैसे स्वयं के हाथों को बार-बार मुह नाक, ऑख को स्पर्श करना आदि। कोरोना वायरस को फैलने, संक्रमित करने के लिए हमारे स्वयं के हाथ सशक्त प्रभावशाली माध्यम है अगर हम अपने हाथों को मुंह, ऑख, नाक को स्पर्श करने ही न दे तो कोरोना वायरस के संक्रमण को रोका जा सकता है।

लॉकडाउन में सामान बेचना ज्वेलर्स को पड़ा महंगा

भाटापारा। जिला कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देश पर लॉक डाउन का उल्लंघन करने पर कड़ी कारवाई किया जा रहा है। शहर के सदर बाजार स्थित जे के ज्वेलर्स पर लॉक डाउन के उल्लंघन करने के कारण 5 हज़ार रुपया का जुर्माना प्रशासन की तरफ से लगाया गया। भाटापारा एसडीएम महेश राजपूत के नेतृत्व में निकली टीम ने देखा कि इस दुकान का शटर थोड़ा खुला हुआ था। दुकान के बाहर भी लोगो का हलचल था।जिस पर उस दुकान के अंदर प्रवेश कर वस्तु स्थिति को देखा गया तो दुकान के अंदर बिना सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किये ज्वेलरी का विक्रय मालिक के द्वारा किया जा रहा था।दुकान मालिक शांतिलाल जैन सहित अंदर 4 ग्राहक मौके पर उपस्थित मिले। एसडीएम राजपूत के द्वारा जैन से जवाब पूछने पर भी वह संतोषजनक जवाब नही दे पाया। जिस पर उसे समझाईश देते हुए जुर्माना लगाया गया। जैन को भविष्य में लॉक डाउन का उल्लंघन करने की सख्त हिदायत भी दी गई है। कार्यवाही के दौरान प्रशिक्षु डीएसपी तारेश साहू तहसीलदार प्रवीण तिवारी,नगर पालिका परिषद अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन के कर्मचारी उपस्थित थे।

वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिये हुई कोर्ट में सुनवाई

भाटापारा। कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षार्थ माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा वीडियो कॉम्फ्रेन्सिंग के द्वारा आवश्यक मामलो की सुनवाई किये जाने हेतु एडवाइज़री जारी किया गया था, जिसके कारण व्यवहार न्यायालय भाटापारा के समक्ष जमानत याचिका प्रस्तुत की गई , जिस पर व्यवहार न्यायालय भाटापारा के अपर सत्र न्यायाधीश श्री सत्येंद्र कुमार साहू के द्वारा वीडियो कॉम्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सुनवाई की गई। अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता श्री नरेन्द्र साहू एवम शासन की ओर अपर लोक अभियोजक श्री नियाज़ी खान के द्वारा अपना अपना पक्ष रखा। व्यवहार न्यायालय भाटापारा के अपर सत्र न्यायाधीश श्री सत्येंद्र कुमार साहू के द्वारा उक्त प्रकरण में वीडियो कॉम्फ्रेन्सिंग के द्वारा दोनों पक्षो का बहस सुनकर आदेश पारित किया गया।, भविष्य में भी माननीय उच्च न्यायालय छ0ग0 बिलासपुर के आदेशानुसार इसी प्रकार आवश्यक मामलो की सुनवाई वीडियो कॉम्फ्रेन्सिंग के माध्यम से की जावेगी।

स्कूली विभाग से जुड़े कर्मियों ने दिया सहायता राशि

भाटापारा। वैश्वीक महामारी नोवेल कोरोना वायरस कोविड-19 जो कि विश्व के 200 से अधिक देशों में अपना संक्रमण फैल गया है ,साथ ही भारत में भी यह लगातार अपनी तीव्र गति बनाये हुये है। छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रदेश की जनता के व्दारा लॉकडाउन का लगातार पालन किया जा रहा है जिसके कारण यहां पर आंशिक रूप से प्रभावित है । इस संक्रमण से निपटने के लिये प्रदेश की कर्मचारियों व्दारा अपनी सहभागिता निभाते हुये नगर के ईंतवारी राम यादव शास बहु उच्च माध्यमिक विद्यालय भाटापारा डी डी ओ अंतर्गत विद्यालयों शा उच्च माध्यमिक विद्यालय तरेंगा ,दतरेंगी, रामसागरपारा, खोखली व बिजराडीह के शिक्षक, व्याख्याता एवं कार्यालयीन कर्मचारियो के अपने एक दिन का वेतन 142329/- (एक लाख बयालीस हजार तीन सौ उनतीस रूपए) कोविड - 19 संक्रमण से निपटने के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष मे सहयोग राशि प्रदान किए। डी डी ओ दिनेश कुमार शर्मा ने समस्त कर्मचारियो के इस सहयोग की सराहना किए ।

प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के एक प्रकरण में 4 लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत

गरियाबंद। कलेक्टर श्याम धावड़े ने प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के एक प्रकरण में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत मृतका के परिजन को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के छुरा तहसील अंतर्गत ग्राम कोसमी निवासी कुमारी तानिया पटेल उम्र एक वर्ष 6 माह पिता मोहन लाल की सर्पदंश से मृत्यु हो गयी थी। इस प्रकरण में पीड़ित व्यक्ति मोहन लाल पिता टेटकू राम पटेल को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत 4 लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

विधायक के प्रस्ताव पर राज्य शासन ने दी करोड़ों की प्रशासकीय स्वीकृति

भाटापारा। विधायक शिवरतन शर्मा के द्वारा 2018,19 के बजट में विधान सभा क्षेत्र के विभिन्न निर्माण कार्यों के लिये राज्य सरकार ने करोड़ो की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए कई मांगो की पूर्ति हेतु टेंडर भी आमन्त्रित कर दिया है।

विधायक शिवरतन शर्मा ने बताया की ग्राम सुरखी से बोडतरा मार्ग 07 किलोमीटर जो नहर के किनारे किनारे बनाई जाएगी जिसकी लागत 1703.13 लाख रुपये,की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई ..वही भाटापारा व्यवहार न्यायालय के न्यायिक कर्मचारियो के लिए 06 नग एच टाइप शासकीय आवास 70.14 लाख रुपये की लागत से, भाटापारा में 05 नग आई टाइप शासकीय आवास 52.94 लाख रुपये की लागत से,04 नग जी टाइप शासकीय आवास 62.44 लाख रुपये की लागत से तथा सिमगा व्यवहार न्यायालय के न्यायिक कर्मचारियो के लिए 02 नग जी टाइप ,04 नग एच टाइप,04 नग आई टाइप शासकीय आवास 120.33 लाख की लागत से,भाटापारा व्यवहार न्यायिक अधिकारी हेतु 01 नग बी टाइप शासकीय आवास 76.11 लाख की लागत से एवं 01 नग ई टाइप शासकीय आवास 66.42 की लागत की निविदा आमंत्रित की जा चुकी है..।

श्री शर्मा ने बताया की सिमगा उपपंजीयक कार्यालय भवन निर्माण 41 लाख की लागत से हाई स्कूल भवन कचलोन सिमगा विकासखंड,हाई स्कूल भवन निर्माण बोरसी(ध) भाटापारा विकासखंड का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इन सभी कार्यो की प्रशासनिक स्वीकृति के लिए प्रवक्ता भाजपा छग,विधायक भाटापारा शिवरतन शर्मा ने प्रदेश शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

प्रधानमंत्री केयर्स फंड में नगद राशि संग्रहण 12051 रु. प्राप्त हुआ

खरोरा। 29अप्रैल दिन बुधवार को भारतीय जनता पार्टी खरोरा मण्डल मे मण्डल अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह ठाकुर जी के नेतृत्व मे प्रधान मंत्री केयर्स फ़ण्ड मे ग्राम, बढ़ई सिवनी, ढुडेनी, सोनभट्ठा, बुढ़ेनी,के कार्यकर्ताओं द्वारा अंशदान मण्डल संग्राहन कर्ता व मण्डल के अन्य कार्यकर्ता की उपस्थिति मे दिया गया, वही ग्राम बेल्दार सिवनी, ढुडेनी, सोनभट्ठा, तुलसी, व अन्य ग्रामों मे मण्डल अध्यक्ष के द्वारा उन्हें निशुल्क मास्क वितरण , व सोसल डिस्टेनसिंग, आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने की जानकारी दी गई , इसके साथ संग्राहन प्रभारी श्री बिज्जू दुबे गुप्ता, श्री दीपक धनकर, विकास ठाकुर, दुलेस साहू, व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित हुए, तथा आज कुल नगद संग्राहन राशि 12051 रु. नगद प्राप्त हुआ !

मजदूरों की वापसी के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

गरियाबंद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्याम धावड़े ने अन्य राज्यों में रोजगार की तलाश में जिले से बाहर गये व्यक्तियों/श्रमिकों की वापस अपने जिले में आने की संभावना को देखते हुए शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही किये जाने हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार लंगेह (आई.ए.एस) को जिला स्तर पर ग्रामीण क्षेत्र के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। श्री लंगेह का मोबाईल नम्बर 8130736483 है। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्र के लिए संबंधित नगर पालिका/नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा सहायक श्रम पदाधिकारी डी.एन. पात्र को समस्त गरियाबंद जिला हेतु सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री धावड़े ने नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी के सहयोग हेतु 31 प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति कर कार्य क्षेत्र से संबंधित राज्य का दायित्व सौपा है। जिसमें सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एस.एल कुर्रे मोबाईल नम्बर 9424280608 को तेलंगाना राज्य, उप संचालक जिला योजना एवं सांख्यिकी एस.के. बंजारे मोबाईल नम्बर 9826132162 को आंध्रप्रदेश, कार्यपालन अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पी.के वर्मा मोबाईल नम्बर 9425520193 को महाराष्ट्र, कार्यपालन अभियंता पीएचई प्रमोद कतलम मोबाईल नम्बर 9406118855 को दिल्ली, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जगरानी एक्का मोबाईल नम्बर 9827152457 को केरल, जिला शिक्षा अधिकारी भोपाल तांडेय मोबाईल नम्बर 9424236744 को गोवा, डीएमसी श्याम चन्द्राकर मोबाईल नम्बर 9009200043 को कर्नाटक नियुक्त किया गया है।

दूसरे प्रदेशों से गरीब मजदूरों की घर वापसी भूपेश बघेल के छत्तीसगढ़िया प्रेम का प्रतीक

भाटापारा। कोविड 19 कोरोना वायरस के चलते देश और प्रदेश में लॉक डाउन के कारणों से छत्तीसगढ़ से बाहर दूसरे प्रदेशों में गये गरीब मज़दूरों की घर वापसी की सार्थक पहल सच्चे अर्थों में छत्तीसगढ़ के रहने वाले छत्तीसगढ़िया प्रेम और अपनत्व का जीता जागता उदाहरण है उक्त बातें अपने निवास मंगलम में इस प्रतिनिधि से विभिन्न मुद्दों मा निरंतर दौरा कर जनता जनार्दन से रुबरु होने के पश्चात प्रदेश कांग्रेस सचिव सुशील शर्मा ने कही।

कांग्रेस नेता ने गांवो में जाकर कोरोना वायरस से बचने के लिये जनमानस से सोशल डिस्टेंस बनाकर काम से कम 1मीटर की दूरी पर रहकर बात करने,घर मे रहने और अतिआवश्यक कार्य होने पर मुंह मे मास्क लगाकर बाहर निकलने, लगातार हाथों को साबुन से धोते रहने, नमस्कार और अभिवादन करने,लॉक डाउन का पूर्णता पालन करने के साथ ही साथ राज्य सरकार की जीवनउपयोगी महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा में कार्य पर आने वाले मज़दूरों को कार्य में आने के पूर्व साबुन से हाथों की धु6 लाई और काम समाप्त होने पर पुनः हाथों की धुलाई करने कार्य स्थल पर सेनिटाइजर, मेडिकल बॉक्स, स्वच्छ पानी पीने की सुविधा और मेट कार्य करने वालो से उनकी जिम्मेदारियों का निर्वहन कराने ,नये मज़दूरों का नया रोजगार कार्ड बनाने का निर्देश रोजगार सहायकों को और नया राशनकार्ड बनाने ग्राम पंचायत के सचिव ,सरपंच को,लॉक डाउन के उलंघन करने वालो की सूचना तत्काल पुलिस थाने मे देने हेतु ग्राम कोटवारों देकर जनता जनार्दन के जीवन को इस संक्रमण काल से उबरने में लगातार सक्रियता से साथ लगे हुये है।भाटापारा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुविधाओं को बढ़ाने के साथ आपात स्थिति से सामना करने हेतु तैयारियां पूर्व में करके रखनी होगी क्योंकि व्यापार के प्रारम्भ होने पर अन्य राज्यो के मालवाहक गाड़ियों का नगर में प्रवेश होने लगा है,ऐसे गाड़ियों को और गाड़ी चालक-हेल्पर को नगर से बाहर ही रख कर सेनिटाइजर कर पूरे तरह जाँच करने की व्यवस्थ करना अति आवश्यक है।

इस दौरान सुशील शर्मा के साथ नारायण साहू,सचिन शर्मा, राज्य सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुँचाने में लगे हुये है। सुशील शर्मा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव का सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जिले की वस्तु स्थिति से जानकारी लेकर अवगत होने पर आभार जताते हुये कहा की इस वार्तालाप से सभी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के साथ ही साथ नई ऊर्जा का संचार भी हुवा है,इससे अब सभी दुगुनी उत्साह से जन सेवा और पार्टी का कार्य करने में अधिक मेहनत करेंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे नाली निर्माण के लिए गड्ढे व्यापरियों के लिए बनी मुसीबत

■ वाहन खड़ी कर सामान लेने आ रहे ग्राहकों पर ट्रफ्कि पुलिस बना रही दबाव, बैरंग लौट रहे ग्राहक व्यापारी नाराज़

नवप्रदेश संवाददाता

> निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग के द्वारा कराया जा रहा है।और वहां सीसी सड़क का निर्माण भी एनएच द्वारा किया जाएगा।दुकानदारों को पार्किंग में वाहन खड़ी करने पहले ही समझाईस दिया गया है।लाकडाउन के बाद वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाएगी
>
> **सौरभ तिवारी,** मुख्य नगर पालिका अधिकारी

काँकेर। लाकडाउन और शासन के निर्देशों का पालन करते अब व्यापारी भी त्रस्त होते दिख रहे है। काँकेर शहर के राष्ट्रीय राजमार्ग में अभी कुछ दिनों पहले नाली निर्माण के लिए गड्ढे खोद दिए गए है।एक ओर एनएच के द्वारा गड्ढे खोदकर बिना निर्माण कार्य के छोड़ दिया गया है।वही दूसरी ओर नाली के उस पार के दुकानदारों के लिए मुसीबत का सबब बन चुका है।इसमें सबसे ज्यादा ट्रैफ्कि का दबाव बढ़ जाता है। उधर दवाई और इलेक्ट्रिक की ज़रुरी सामान लेने वालों को पुलिस द्वारा परेशान किया जाता हैं। की वे गाड़ियों को पार्किंग में खड़ी कर सामान लेने जाए । इस विकट स्थिति में दुकानदारो के बीच असमंजस की स्थिति निर्मित हो रही है।और ग्राहक बिना सामान खरीदी किए ही बेरंग लौटने को मजबूर दिखाई दे रहे है।कुछ दुकान संचालकों ने कहा की अगर नालियां बनानी है।तो फ्रि वैकल्पिक व्यवस्था बनाकर दुकानों को राहत दिया जाना चाहिए।वैसे भी काँकेर के भीतर से जाने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग बेहद सकरी होने के कारण यातायात की समस्या बढ़ जाती है।

दुकान के सामने वाहन खड़ी करने पर ट्रफ्कि पुलिस बना रही दबाबः दुकानों के सामने पालिका द्वारा नाली निर्माण के लिए गड्ढे खोद दिए गए है।गड्ढे की वजह से दोपहिया वाहनों को आगे ले जाया नही जा सकता है।और गड्ढे के पास वाहन खड़ी कर दुकान तक पहुचने वाले ग्राहकों से पुलिस दुर्व्यवहार करने में उतारू हो रही है।इस स्थिति में दूकान संचालकों में रोष व्याप्त है।

देसी जुगाड़ मशीन से गुदमा के किसान निकाल रहे लेमन ग्रास का तेल

नवप्रदेश संवाददाता

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत गुदमा मैं किसान भवानी पाल शाह के द्वारा लेमन ग्रास की खेती कर उसका तेल निकालने का काम देसी मशीन का जुगाड़ लगा कर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे रायपुर कृषि विज्ञान केंद्र में जानकारी लेकर यह तेल निकालने का काम कर रहे हैं। गुदमा स्थित निवास में छोटी सी जगह पर खेती करते हुए जो तेल निकाल रहे हैं उससे अधिक मुनाफा मिलने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह तेल साबुन बनाने एवं कई उपयोगी वस्तुओं में उपयोग किया जाता है जिसकी कीमत प्रति लीटर ?10000 से अधिक बताया गया। देसी जुगाड़ की मशीन उन्होंने एक कुकर का इस्तेमाल करते हुए तांबे की स्प्रिंग नुमा पाइप के द्वारा कुकर से भाग निकलता है और उसी पाइप में ठंडा पानी भी प्रवाहित की जाती है और नीचे एक गिलास रख दिया गया है जिसमें तेल टपकता है जिसमें पानी भी मिला होता है और गिलास का पानी को पूरी तरह से तेल निकालने के लिए बच्चों के दुध पीने की निपल के माध्यम से छान लिया जाता है। उन्होंने कहा कि संसाधन मिले तो बड़े पैमाने पर इस कार्य को किया जा सकता है।

लॉकडाउन में पुलिस ने दो सवारी वाहनों का काटा चालान

■ लाकडाउन सोसल डिस्टेंस का पालन सिखाने वाले खुद इसकी उड़ाते दिखे धज्जियां

कांकेर। एक तरफ कोरोना की त्रासदी और दूसरी तरफलाकडाउन धारा 144 के अलावा सोसल डिस्टेंस के पालन शहरवासी और ग्रामीण इलाकों में बाखुबी निभाई जा रही है। अब सरकार ने ग्रीन ज़ोन में आए जिलो को लॉकडाउन से छूट देकर दुकानों को खोलने की अनुमति मिलते ही मार्केट में रोजाना की तरह भीड़ उमड़ने लगी है।इसके साथ ही दुकानों में नियमों की अनदेखी भी की जा रही है।अनुमति प्राप्त दुकानों में नियमो की अनदेखी करने वालो पर गुरुवार को पुलिस-प्रशासन की टीम ने चालानी कार्रवाई की थी।शुक्रवार को भी सुबह से थाने के सामने बाइक पर दो सवारी वाहन चालकों के चालान काटा गया। जिन दोपहिया वाहन चालकों के दो सवारी बताकर चालानी कार्यवाही किया गया है।उनमे अधिकांश लोग कोई बच्चों को अस्पताल ले जा रहे थे।तो किसी के पति अपनी पत्नी को रात्रि ड्यूटी से घर छोड़ने जाने वाले थे।ऐसे लोगो का चालानी कार्यवाही किए जाने से अधिकतर वाहन चालको में ज़बरदस्त आक्रोश देखा गया है।इस बीच आम जनता ने यह भी बता दिया की जो पुलिस लोगो का चलानी कार्यवाही कर रही है।वह पुलिस वाले खुद सोसल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ाते दिखाई दिए गए ।

पुलिस वाले बेवज़ह भांज रहे लाठियां

कोरोना वायरस लाकडाउन के दौरान नियमों का हवाला देने वाले पुलिस जवान खुद नियमों की धज्जियां उड़ाते दिखे चालानी कार्रवाई में व्यस्त पुलिस की टीम खुद सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना भूल गई। वहीं चालानी कार्रवाई के दौरान यहां एक ही जगह पर भीड़ इकट्ठा हो गई थी।जिसे हटाने के लिए पुलिस और यातायात पुलिस ने कुछ नहीं किया।इस बीच कुछ पुलिस के जवान खुद भी बाइक पर दो-दो की संख्या में घूमते नजर आए।लेकिन उन्हें नहीं रोका गया।वहीं रास्ते से गुजर रहे कुछ युवकों के बाइक नहीं रोकने पर उन पर डंडे भी बरसा दिए गए. इस पक्षपातपूर्ण कार्रवाई से लोगो मे पुलिस के खिलाफ ज़मकर आक्रोश व्याप्त हैं।चालानी कार्यवाही से नाखुश लोगो ने कहा की बिना मास्क सोसल डिस्टेंस का पालन नही करने वालो के खिलाफकार्यवाही किया जा रहा है।वही थाने के सामने पुलिस के जवान सोसल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ा रहे है।और पुलिसकर्मी स्वंय दो सवारी वाहन पर घूमते नज़र आ रहे है।क्या इनके लिए कोई कानून नही है।इस प्रकार वाहन नही रोकने वालो पर पुलिस द्वारा लाठियां भांजने का अधिकार कौन दिया है।रक्षक ही खुद भक्षक बने हुए है।

अलग-अलग ठिकानों से 7 जुआरी धरे गए, मोबाइल व नकदी बरामद

बचेली। लाकडाउन में भी जुआरियों का जुआ खेलने का नशा कम नही होता दिखाई दे रहा है। पहले ऑनलाइन सट्टे पे दांव लगाया जा रहा था जिसे पुलिस के दबाव में बंद करना पड़ा उसके बाद आईपीएल भी महामारी की भेंट चढ़ गया जिससे अब ये लोग निराश होकर रात में सुनसान जंगलों में जुआ खेलकर लोगो की बची खुची कमाई को बर्बाद करने में लगे हुए है। 30 अप्रैल रात्रि थाना प्रभारी मनीष नागर को सूचना प्राप्त हुई की कुछ लोगो द्वारा बड़े पारा के जंगलों में दांव लगाया जा रहा है। जिसके बाद तत्काल पुलिस टीम मौके पर रवाना हुई जिसके बाद 2 अलग अलग ठिकानों पर तहसील ऑफिस के पीछे जंगल मे चल रहे जुएं में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। थाना प्रभारी के मुताबिक कुछ लोग अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे बावजूद इसके पुलिस के हत्थे 7 जुआरी चढ़ गए। इनके पास से अलग अलग स्थानों में फड़ से 16700,17500 रुपये कुल 34200 रुपये नकद 8 नग मोबाइल फोन एवं 2 ताश की गड्डिया एवं 4 दोपहिया वाहन बरामद किया गया है । सभी आरोपियों के ऊपर 13 (क) जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। बचेली थाना प्रभारी मनीष नागर के मुताबिक मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की 2 ठिकानों पर जुआ चल रहा है। जिसके बाद अलग अलग स्थानों पर टीम गठित कर भेजी गई। जिसमें कुल 7 लोगो को गिरफ्तार किया गया है।

तेन्दूपत्ता खरीदी के चक्कर में कहीं आदिवासियों की जिन्दगी खतरे में ना पड़ जाय: चंद्रैया

बीजापुर। जिले मे तेन्दूपत्ता ठेकेदार व उनके कर्मचारी को धड़ल्ले से प्रवेश कराया जा रहा है। वैश्विक कोरोना महामारी से पूरा देश प्रदेश जूझ रहा है वहीं जिले के मजदूर अन्य राज्य में फंसे हुए हैं। शासन-प्रशासन उन्हें जिले के गृह ग्राम पहुंचाने में कोई दिलचस्पी नही दिखा रही है। जिले से पलायन किये मजदूर शासन प्रशासन के उदासीनता के चलते कई दिनों तक भूखे प्यासे पैदल चलकर जंगल के रास्ते से घर पहुंच रहे हैं।जिसके कारण आदेड़ गांव की एक नाबालिग जमलो मड़कामी का रास्ते में ही मृत्यु हुआ है। भूपेश सरकार राज्य की राजस्व के चलते आदिवासियों को सुरक्षा कवच के रूप इस्तेमाल करना चाहती है। अब पत्ता ठेकेदारों को दूसरे राज्य से बिना किसी जांच पड़ताल के मनमानी तरीके से प्रवेश दिया जा रहा है। जो उचित नहीं है।.केवल राजिस्थान कोटा में अध्ययन करने गये छात्रों को प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल जी लाने का काम किया। बदले में नाम के लिए हल्ला भी किया। तेन्दूपत्ता ठेकेदार ज्यादातर बहार से आते हैं।साथ मे मेनेजर, चेकर तथा बोरा भर्ती करनेवाले मजदूर भी बहार से ही ले आते हैं। ऐसे स्थिति में यहां के भोले बाले आदिवासी लाकडाउन, धारा 144 तथा सोशल डिस्टेंसिंग जैसे महत्वपूर्ण जानकारी को समझना मुश्किल होगा। यह सच्चाई है कि तेन्दूपत्ता आदिवासियों का एक बड़ा आर्थिक स्रोत है। ऐसा न हो की तेन्दूपत्ता खरीदी के चक्कर में कहीं आदिवासियों की जिन्दगी खतरे में ना पड़ जाय। राज्य सरकार को चाहिए कि वन विभाग के माध्यम से खरीदी प्रक्रिया को पूरा किया जा सके।

जेसीसीजे जिला संगठन का मांग है कि सरकार तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्य नही करवा सकती है तो संकट की घड़ी मे कम से कम 4000/-(चार हजार मात्र) प्रति कार्ड साथ मे विगत वर्ष का बोनस दिया जाना चाहिए। जिससे आदिवासी भी गांव के घर मे रह कर कोरोना जैसे महामारी से संघर्ष कर सके - चंद्रैया सकनी अध्यक्ष, जेसीसीजे।

रमज़ान का पहला जुमा लोगों ने अपने-अपने घरों में पढ़ी

काँकेर। कोरोना वायरस के चलते मुस्लिम समाज के सबसे पवित्र महीना रमजान मुबारक लोग अपने अपने घरो में रहकर इबादत कर रहे है।इस रमज़ान मुबारक का 1 मई को पहला जुमा पड़ा ।अरसे बाद वर्ष 2020 ऐसा पहला मौका है ।जब पूरी दुनिया मे कोरोना वायरस की त्रासदी के बीच मस्जिद वीरान हो चुकी है।लोग मस्जिदों में नमाज़ की बजाय घरो में इबादत कर रहे हैं।इसके अलावा मुस्लिम समाज के लिए रमज़ान का महीना बेहद खास महीना माना जाता है।जिसमे सैकड़ों लोगों को इस महीने रोजगार के अवसर मिल जाते थे।अलग अलग पकवानों की दुकानो से लोगों को रोजगार मिल जाता था।छत्तीसगढ़ सहित अलग अलग राज्यों से गरीब पहुचते थे।और मुस्लिम समाज से मदद लेकर अपने अपने घर रवाना हो जाते थे। लेकिन कोरोना के चलते और लाकडाउन के कारण इस साल का रमज़ान मुस्लिम समाज अपने अपने घरों में पूरे परिवार के साथ घरो में मना रहे है।कोरोना वायरस की त्रासदी के बावजूद मुस्लिम समाज द्वारा शासन प्रशासन के आदेश का पालन करते इस पवित्र महीने में अपने अपने घरों इबादत कर रहे है। और हमारे हिंदुस्तान में फैली कोरोना महामारी को जड़ से ख़त्म करने व इस संक्रमण में आए लोगो की हिफाजत की दुआएं विशेष तौर पर की जा रही है।

कलेक्टर ने दुकानें खोलने के लिए नया नियम जारी किए

बीजापुर। छग शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जिले के ग्रीन जोन अर्थात नॉवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु जिला प्रशासन को अतिरिक्त कुछ अन्य दुकानों को खोले जाने की रियायत दी गई है जिला प्रशासन को आदेश दिए गए निर्देशानुसार कलेक्टर के.डी.कुंजाम ने दुकानों को खोलने के लिए नए दिशा निर्देश जारी किए है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सीएम भूपेश खामोश...

हालाकि केंद्र से दी जा रही रेटिंग बेमेल कही जा सकती है। परंतु मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिलों को सेंट्रल से ग्रेड मिलने के बाद वे खामोश हैं। परंतु बेतरतीब ग्रेडिंग से राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव जरुर आश्चर्यचकित हैं। तल्ख लहजे में वे कहते हैं कि संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं, फिर भी छत्तीसगढ़ के 25 जिलों को ग्रीन जोन में क्यों और कैसे लिस्टअप कर दिया गया है यह चौंकाने वाला है। उन्हों ने साफ शब्दों में कहा कि राजधानी रायपुर में बीते 70 घंटों में जब कोई नया मरीज नहीं मिला है और पुराने सभी ठीक हो चुके हैं। वहीं क्वारंटाईन किए गए सभी संदिग्धों की मियाद भी पूरी हो चुकी है, तो फिर क्यों रेड जोन में शामिल किया गया है वह समझ से परे है। बता दें कि प्रदेश के 25 जिलों को ग्रीन जोन में सेंट्रल की लिस्ट में रखा गया है। रायपुर को रेड जोन में और एक जिले को ऑरेंज जोन में रखा गया है। इस तरह रायपुर को महज एम्स के 1 नर्सिंग अफसर के पॉजिटिव पाए जाने की वजह से इसे रेज जोन में शामिल किया गया है। सेंट्रल की ग्रेडिंग टेबल पर सवालिया निशान लगाते हुए मंत्री सिंहदेव ने कहा है कि मेरे हिसाब से हर जिले को येलो जोन मानना चाहिए। गलत एहसास लोगों को नहीं होना चाहिए कि ग्रीन जोन हो गया तो सब सही है। सरकार ने जो ग्रीन, ऑरेंज, रेड की परिभाषा दी है और आज जो जोन की लिस्ट जारी हुई है, उससे ना सिर्फ जनता बल्कि वे खुद भी पशोपेश में है।

मंत्री सिंहदेव के सुलगते सवाल

0 नया कोई केस नहीं फिर रायपुर को रेड जोन में क्यों रखा गया

0 कोरबा में मरीजों को 14 दिन नहीं हुए, रेड के बदले ग्रीन जोन क्यों

0 कोरबा में संक्रमण का खतरा है, कटघोरा सील है फिर क्यों छोड़ा

0 दिल्ली में बैठे लोग क्या सोच कर यहां के जिलों को रंग दे रहे हैं

0 ग्रेडिंग की कोई भी क्लीयर गाइड लाइन केंद्र की क्यों नहीं है

0 नई ग्रेडिंग लिस्ट में सुधार कर रायपुर-कोरबा को रेड जोन में ले आए

0 इसी तरह दुर्ग ग्रामीण व राजनांदगांव जिले को ऑरेंज जोन घोषित किए

0 पहले 25 अब फिर चंद घंटों में ही 24 ग्रेडिंग लिस्ट में ग्रीन जिले हो गए

0 संक्रमणकाल में अलग-अलग ग्रेडिंग से क्यों कर रहे कनफ्यूज

0 जहां सर्वाधिक मरीज उसे ऑरेंज और 25 जिलों को ग्रीन में क्यों लाए

0 केंद्र ने नए जिले गौरेला-पेंड्रा-मरवाही को सूची में क्यों शामिल नहीं किया

0 बाहर फंसे हजारों लोगों को लाने के लिए बस के बदले रेल मार्ग आसान है

सेंट्रल हेल्थ मिनिस्ट्री ने...

जिला को लाल जोन में रखा गया था, वहीं रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और बिलासपुर जिला को नारंगी जोन में रखा गया था। शेष 23 जिलों को हरे जोन में शामिल रखा गया था।

कोरोना लॉकडाउन: यही...

तो कर रहे हैं, लेकिन जिन कारणों से यह हालात पैदा हुए वह कारण हाशिए पर हैं। आम आदमी के लिए एक अवसर यह भी है कि अपनी जीवन शैली में बदलाव कर मौजूदा हालातों में कैसे सन्तुष्ट रहे। मौजूदा संसाधनों के साथ पहला संकल्प हमारा ये हो कि हम आत्म निर्भर बने। हमारे देश में वर्क फोर्स हैं सबसे पहले घरेलू बाजार को इतना मजबूत कर दे कि दूसरों पर हमारी निर्भरता कम हो। हम शुरुआत कर सकते हैं कृषि क्षेत्र से। हमारी 70 फीदसी आबादी कृषि पर निर्भर है जो मौसम की मार से ही प्रभावित है। समय रहते इसका निदान किया गया तो न केवल किसान बल्कि करोड़ों मजदूरों को काम मिल सकता हैं। लाकडाउन के दौरान पर्यावरण में आए बदलाव को लेकर अलग से कार्ययोजना बन सकती है।

हम करोना नियंत्रण में नंबर...

इसके लिए आप बधाई के पात्र है। ग्रामीण अंचलों में बनाए जा रहे गौठानों में चारागाह विकसित किए जाएं। गौठानों के पास में ही तालाबों का भी निर्माण करवाया जाए। साथ ही यहां पशुनस्ल सुधार के कार्य भी किए जाएं। गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट बनाने के कार्य से महिलाओं को जोड़ा जाए। महिलाओं द्वारा उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट की खरीदी वन विभाग द्वारा की जाए। इसी प्रकार गौठानों को आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित करने यहां आवश्यक अधोसंरचना भी विकसित की जाए। सभी गौठानों में छायादार वृक्षों का रोपण किया जाए। खरीफ मौसम के लिए सभी तैयारी शुरू की जाएं। खाद, बीज सहित किसानों को दी जाने वाली कृषि अदानों की आपूर्ति समय पर की जाए। किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मनरेगा के तहत नहरों की मरम्मत सहित अन्य जल संरचनाओं के रख-रखाव और मरम्मत के ज्यादा से ज्यादा कार्य कराये जाएं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में डी.जी.पी. श्री डी.एम. अवस्थी, पीसीसीएफ श्री राकेश चतुर्वेदी और अपर मुख्य सचिव गृह श्री सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती मनिन्दर कौर द्विवेदी सहित अन्य विभागों के सचिव शामिल हुए। निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए श्री मण्डल ने कहा कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राम वन गमन पथ मार्ग के चिह्नांकित कार्यो को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं। उन्होंने सभी जिलों के कलेक्टरों से कहा कि कोरोना संक्रमण के बचाव और रोकथाम के लिए सभी जिलों में जिला अस्पतालों में कोविड अस्पताल, आइसोलेशन वार्ड बनाने के लिए समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में छत्तीसगढ़ के दूसरे प्रदेशों में काम कर रहे मजदुर और अन्य व्यक्ति प्रदेश में वापस आएंगे। उस समय बहुत सतर्कता की जरूरत होगी। बाहर से आने वाले मजदूरों की सूचना सरपंच और सचिव के माध्यम से संबंधित अनुभागीय अधिकारी को अनिवार्य रूप से भेजी जाए। मजदूरों को विभिन्न समस्याओं तथा उन्हें जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तर पर भी एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि सभी जिले के शासकीय कार्यालयों को सेनेटाईज किया जाए। कार्यालय को साफएवं स्वच्छ रखा जाए। आवश्यकतानुसार कार्यालय में रंग-रोगन भी किया जाए। कार्यालयों में अनावश्यक पड़े कबाड़ इत्यादि हटा दिया जाए।

ऋण की सीमा और...

श्री बघेल ने लिखा है कि राज्य के सभी विभागों को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए बजट आवंटन जारी किया जा चुका है एवं मूलभूत आवश्यकताओं के लिए व्यय हेतु आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता है। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राज्य को इस वित्तीय वर्ष के प्रथम 9 माह के लिए राज्य की शुद्ध उधार सीमा के 50 प्रतिशत के बराबर 5375 करोड़ रूपए के बाजार ऋण की सहमति प्रदान की गई है। जो कि इस अवधि में व्यय की पूर्ति के लिए अपर्याप्त है। चूंकि इस वर्ष राज्य की राजस्व प्राप्तियों में कमी की आशंका है, अतः राज्य की शुद्ध उधार सीमा तथा राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित वित्तीय घाटे की सीमा (राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 3 प्रतिशत) में शिथिलीकरण आवश्यक है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय से ही वित्तीय अनुशासन का कड़ाई से पालन करने वाला राज्य रहा है तथा वर्तमान में यह सबसे कम ऋण भार (जीएसडीपी का 19.2 प्रतिशत) तथा सबसे कम ब्याज भुगतान (कुल राजस्व प्राप्तियों का 7.4 प्रतिशत) करने वाला राज्य है।

जीएसडीपी में 6 प्रतिशत तक शिथिल करने की दे सहमति

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखा है कि आपदा के समय असाधारण उपायों की आवश्यकता होती है, अतः राज्य को इस वर्ष उधार की सीमा जीएसडीपी के 6 प्रतिशत तक शिथिल करते हुए सहमति दी जाए। साथ ही राज्य का वित्तीय घाटा भी इस वर्ष अपवाद के रूप में जीएसडीपी का 5 प्रतिशत के बराबर रखे जाने की भी सहमति प्रदान की जाए। वित्तीय आपदा की इस घड़ी में राज्य द्वारा यथासंभव मितव्ययता के लिए उठाए जा रहे अन्य कदमों के साथ-साथ इन शिथिलताओं से कुछ राहत मिलेगी।मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि सम्पूर्ण देश तथा छत्तीसगढ़ में आयी इस आपदा के कठिन समय में केन्द्र सरकार द्वारा राज्य की इन न्यायोचित मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। यह उपाय चालू वित्तीय वर्ष में हमारे आवश्यक व्ययों की पूर्ति करने में काफी सहायक होंगे।

17 मई तक बढ़ा...

रजामंदी नहीं दी है। रेल मंत्रालय ने कहा कि केवल उन्हीं यात्रियों को भेजा जाएगा जिनमें खांसी, सर्दी या बुखार जैसे लक्षण नहीं होंगे। भेजने वाले राज्य सरकार को सोशल डिस्टेंसिंग मानदंडो और अन्य सावधानियों के साथ सेनिटाइज बसों में निर्धारित रेलवे स्टेशन पर बैच में लाना होगा। गंतव्य पर पहुंचने के बाद यात्रियों को राज्य सरकार के हवाले किया जाएगा, जो यात्रियों के स्क्रीनिंग, क्वारंटीन संबंधी सभी की व्यवस्था करेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
वाहन किराये पर लेने हेतु निविदा सूचना
27.04.2020
निविदा जमा करने की तिथि: 20.05.2020 को 12.00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि: 20.05.2020 को 12:00 बजे।
www.ireps.gov.in
सीपीआर/10/37
South East Central Railway @secrail

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास शाखा) जिला रायगढ़ (छ.ग.)

Ph. 07762-222158 Email-actw.raigarh@gmail.com

--:: निविदा ::--

क्रमांक/27/तेजस्विनी-तेजस्वी/आवि/2020-21 रायगढ़ दिनांक 29.04.2020

रायगढ़ जिले में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति वर्ग के हाईस्कूल उत्तीर्ण कक्षा 11वीं में अध्ययनरत छात्राओं को कोचिंग केन्द्र रायगढ़ में भोजन एवं नाश्ता प्रदाय करने हेतु 'रुचि की अभिव्यक्ति' के तहत इच्छुक भोजनालय/रेस्टोरेन्ट/केटरर से आवेदन पत्र दिनांक 14.05.2020 को शाम 4:00 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक भोजनालय/रेस्टोरेन्ट/केटरर अपना आवेदन पत्र एवं अन्य संबंधित वांछित दस्तावेजों को एक बंद लिफाफे में सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास रायगढ़ को सीधे कार्यालय में अथवा पंजीकृत डॉक से प्रेषित कर सकेंगे।

इच्छुक भोजनालय/रेस्टोरेन्ट/केटरर आवेदन का प्रारूप, न्यूनतम पात्रता शर्तें तथा अन्य जानकारी जिले के वेबसाईट **www.raigarh.gov.in** से डॉउनलोड कर प्राप्त कर सकते हैं।

जी-80354/3

कलेक्टर
रायगढ़ (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

भोजपुरी में 'कबीर सिंह' बनाने जा रहे खेसारी

बोले- इंडस्ट्री को मॉडर्न बनाना होगा

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव मानते हैं कि भोजपुरी इंडस्ट्री को मॉडर्न बनाने की जरूरत है। वह कहते हैं कि अब हम 20 साल पहले का परिवेश नहीं दिखा सकते। उन्होंने कहा कि गांव बदल रहे हैं, अब वह भी शहर हो रहे हैं। लोगों की मानसिकता बदली है। तो फिर सिनेमा में वह क्यों नजर नहीं आता। खेसारी के मुताबिक इसीलिए भोजपुरी पीछे है। अब इसे मॉडर्न बनाना चाहते हैं। खेसारी लाल ने साफकहा कि इसके लिए लॉकडाउन के बाद वह पहला कदम खुद बढ़ाएंगे। खेसारी ने कहा, अब जमाना बदल गया है। हम भोजपुरी समाज को अब भी 20 साल पीछे मानकर फिल्में बना रहे हैं। इसलिए हमें वह दर्शक नहीं मिल रहा है। मैं लॉकडाउन के बाद खुद भी बदलने जा रहा हूं और इस इंडस्ट्री को भी। क्या बदलाव करेंगे? इस सवाल पर खेसारी कहते हैं, 'सबसे पहले तो मैं 'कबीर सिंह' बनाने जा रहा हूं। जब हिंदी दर्शक वह फिल्म देख रहा है तो भोजपुरी में भी अब वैसी फिल्में चलेंगी। आज के यूथ के हिसाब से हम फिल्में नहीं बनाएंगे तो फिर हमें दर्शकों को दोषी नहीं ठहराना चाहिए। आज का युवा जो फिल्में हिंदी में देख रहा है, जिस वेशभूषा की वह कल्पना करता है, जिस तरह का हीरो वह चाहता है, आखिर भोजपुरी में उसे सबकुछ पुराना क्यों लगता है। यह मानसिकता जब तक नहीं बदलेगी हमारा सिनेमा वहीं का वहीं रहेगा।'

ऋषि कपूर के जाने से सदमे में हैं पद्मिनी

ऋषि कपूर के जाने के ग़म में पूरा देश डूबा है। वे सितारे सदमे में हैं, जिन्होंने उनके साथ काम किया है। 'प्रेम रोग' में ऋषि कपूर के साथ नजर आ चुकीं पद्मिनी कोल्हापुरी ने कहा है- अब इंडस्ट्री लंबे समय तक खामोश रहेगी। यह यकीन कर पाना हर किसी के लिए मुश्किल है कि ऋषि कपूर अब हमारे बीच नहीं रहे। उनकी बेहतरीन फिल्मों में से एक 'प्रेम रोग' ऐक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरी ने उन्हें याद करते हुए सोशल मीडिया पर कहा है- वो दिन अब न रहेंगे चिंटू। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है और लिखा है, 'हमारे बेहतरीन स्टार्स में से एक ऋषि कपूर बहुत जल्द इस दुनिया से चले गए। वो दिन अब न रहेंगे चिंटू। परिवार के लिए मेरी प्रार्थना है।' इसके अलावा उन्होंने न्यूज आईएएनएस एजेंसी से बातचीत में दिल का हाल खोलकर बयां किया। ऋषि कपूर से निधन के तुरंत बाद हुई बातचीत में उन्होंने कहा था, 'मैं काफी हैरान हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में इस वक्त सक्षम हूं।

102 साल बाद भी पाकिस्तान में शान से खड़ी है ऋषि कपूर की खानदानी हवेली

गुरुवार को बॉलिवुड के दिग्गज ऐक्टर ऋषि कपूर का देहांत हो गया। कई सालों तक कैंसर से जंग लड़ने के बाद आखिरकार वह हार गए और इस दुनिया को विदा कह दिया। उनके चाहने वाले केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मौजूद हैं। खासतौर पर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में। पाकिस्तान से ऋषि कपूर का खास लगाव रहा है। पाकिस्तान में ही ऋषि कपूर के पिता राज कपूर का जन्म हुआ था। वह जिस घर में रहते थे, वह आज भी पाकिस्तान के पेशावर में मौजूद है। इसे 'कपूर हवेली' के नाम से जाना जाता है। आइए आपको 'कपूर हवेली' के बारे में बताते हैं...

'कपूर हवेली' पाकिस्तान के पेशावर के किस्सा ख्वानी बाजार में स्थित है। इस हवेली में ही ऋषि कपूर के पिता राज कपूर का जन्म हुआ था। यह हवेली चारों ओर दुकानों से घिरी है। इस हवेली का निर्माण राज कपूर के दादा और पृथ्वीराज कपूर के पिता स्व. श्री बशेश्वरनाथ ने करवाया था। बशेश्वरनाथ एक दीवान थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह हवेली 5 मंजिला थी। बाद में भूकंप के कारण इसमें दरारें पड़ गईं और इसकी ऊपरी तीन मंजिलों को ढहा दिया गया। इसमें 40-50 कमरे थे। इसका निर्माण 1918 से 1922 के बीच करवाया गया। यह उस वक्त के सबसे आलीशान निर्माणों में से एक थी। हालांकि बाद में धीरे-धीरे रखरखाव की कमी का असर हवेली पर दिखने लगा और वह जर्जर हो गई।

यह तस्वीर पेशावर की 'कपूर हवेली' में खड़े ऋषि कपूर और रणधीर कपूर की है।

इरफान खान की यादों को सहेज रही हैं पत्नी सुतापा सकिदर

पिछले दिनों 29 अप्रैल को इरफान खान ने इस दुनिया को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उनके निधन की खबर ने हर किसी को हैरत में डाल दिया। भले उन्होंने कैंसर जैसी बीमारी से लंबी लड़ाई लड़ी, लेकिन उनकी लंबी उम्र की दुआ हर किसी ने की थी। उनकी पत्नी सुतापा सिकदर ने इक लंबा-चोड़ा इमोशनल पोस्ट लिखा है। उन्होंने कहा है कि यह पोस्ट उनके पूरे परिवार की तरफसे है। इरफान के नाम सुतपा का यह इमोशनल पोस्टमैं इसे फैमिली स्टेटमेंट के तौर पर भला कैसे लिख सकती हूं, जहां पूरी दुनिया इसे अपना खुद का नुकसान मान रही है मैं खुद को यहां अकेला कैसे समझूं जब इस वक्त लाखों लोग इस शोक में डूबे हैं मैं हर किसी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि यह हमारे लिए नुकसान नहीं बल्कि फायदा है। यह हमारे लिए वह फायदा है, जो उन्होंने हमें सिखाया है और अब हमें उनपर फाइनली उनपर अमल करना है और उन्हें आगे बढ़ाना करना है। हालांकि, अभी मैं कुछ चीजों को भरने की कोशिश कर रही हूं, जिसके बारे में पहले से लोगों को पता नहीं होगा।

बॉलिवुड पर भारी पड़ने जा रहा यह साल, लगने जा रही 1000 करोड़ से ज्यादा की चपत

पूरी दुनिया में कोरोना वायरस कहर बनकर टूट पड़ा है और बॉलिवुड भी इससे अछूता नहीं है। कोरोना के कारण 24 मार्च से ही पूरे देश में लॉकडाउन लागू है। अब कोरोना के बढ़ते मामले देखते हुए इस लॉकडाउन को 3 मई तक बढ़ा दिया गया है। ऐसे में बॉलिवुड की मुश्किलें और बढ़ती दिखाई दे रही हैं क्योंकि न केवल और ज्यादा दिनों तक फिल्मों का कामकाज थमा रहेगा बल्कि आने वाली फिल्मों की रिलीज और ज्यादा टलने वाली है। पहले माना जा रहा था कि थिअटर्स के बंद होने से 600-900 करोड़ का घाटा हो सकता है लेकिन अब माना जा रहा है कि लॉकडाउन 2 के बाद यह आंकड़ा 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकता है। फिल्म ऐनालिस्ट्स का मानना है कि अगर इस लॉकडाउन के बाद थिअटर्स खुल भी जाते हैं तो लोग तुरंत सिनेमाघरों का रुख करेंगे, ऐसा कहना मुश्किल ही है। कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन से सबसे पहले 'बागी 3' और 'अंग्रेजी मीडियम' को नुकसान उठाना पड़ा।

प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए विलियम्सन और बेट्स

वेलिंगटन (वार्ता)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन और महिला टीम की खिलाड़ी सूजी बेट्स को न्यूजीलैंड क्रिकेट अवॉर्ड में गुरुवार को वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया जबकि अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर टी-20 प्लेयर ऑफद ईयर चुने गए।

कप्तान विलियम्सन ने पिछले साल इंग्लैंड में हुए आईसीसी विश्वकप में बेहतरीन प्रदर्शन किया था और 578 रन बनाए थे जिसमें दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच विजयी शतक शामिल थे। विलियम्सन के नेतृत्व में ही न्यूजीलैंड ने विश्वकप के फाइनल में जगह बनायी थी। हालांकि न्यूजीलैंड को सुपर ओवर के भी टाई रहने के बाद बॉउंड्री कॉउंटबैक में इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। बेट्स को महिला वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाए थे। न्यूजीलैंड की पिछले एक वर्षों में यह एकमात्र सीरीज थी। अनुभवी बल्लेबाज टेलर को टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब दिया गया। वह श्रीलंका, इंग्लैंड और भारत के खिलाफ पिछली तीनों सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। टेलर ने 130 के स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए थे।

आईसीसी ने जारी की तीनों फार्मेटों की ताजा रैंकिंग

भारत ने गंवाया ताज, ऑस्ट्रेलिया नंबर वन

दुबई (वार्ता)। भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शुक्रवार को जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में लम्बे समय से चली आ रही अपनी बादशाहत गंवा दी और वह रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया जबकि ऑस्ट्रेलिया नंबर एक टेस्ट टीम बन गयी है। इस वर्ष के शुरुआत में भारत को न्यूजीलैंड के हाथों दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था जिसका खामियाजा उसे ताजा रैंकिंग में उठाना पड़ा। भारतीय टीम अक्टूबर 2016 से लगातार विश्व की नंबर एक टेस्ट बनी हुई थी लेकिन अब उसकी यह बादशाहत छीन गयी है। आईसीसी की जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में 2016-17 के समय को हटा दिया गया जिसके कारण रैंकिंग में बड़ा परिर्वतन देखने को मिला है। इस दौरान भारत ने 12 टेस्ट जीते थे और महज एक मैच गंवाया था। भारत ने इस दौरान पांच सीरीज जीती थीं जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत शामिल थीं । ऑस्ट्रेलिया को इस अवधि में भारत तथा दक्षिण अफ्रीका के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था। ताजा रैंकिंग के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया 116 रेटिंग अंकों के साथ पहले पायदान पर आ गया है।

वनडे में भारत दूसरे और इंग्लैंड शीर्ष पर

दुबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शुक्रवार को जारी ताजा वनडे टीम रैंकिंग में भारतीय टीम दूसरे तथा विश्व चैंपियन इंग्लैंड पहले पायदान पर है।

ताजा रैंकिंग के अनुसार इंग्लैंड 127 अंकों के साथ पहले, भारत 119 अंकों के साथ दूसरे, विश्वकप की उपविजेता न्यूजीलैंड 116 अंकों के साथ तीसरे, दक्षिण अफ्रीका 108 अंकों के साथ चौथे और टेस्ट तथा टी-20 में नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया 107 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। भारतीय टीम ने इस वर्ष फरवरी में न्यूजीलैंड के हाथों तीन मैचों की वनडे सीरीज 0-3 से गंवायी थी। हालांकि इसके बाद उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी थी लेकिन कोरोना वायरस के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। इस सीरीज का पहला मैच वर्षा से धुल गया था जबकि शेष दो मैच स्थगित कर दिए गए थे।

टी-20 में पाकिस्तान को अपदस्थ कर ऑस्ट्रेलिया चोटी पर

दुबई (वार्ता)। टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक का ताज गंवा चुकी भारतीय टीम शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी ताजा टी-20 रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है जबकि विश्व की नंबर एक टेस्ट टीम बन गयी ऑस्ट्रेलिया टी-20 में पाकिस्तान को अपदस्थ कर शीर्ष स्थान पर आ गयी है। भारतीय टीम ने इस वर्ष के शुरुआत में न्यूजीलैंड को पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 5-0 से सूपड़ा साफ किया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पाकिस्तान को पछाड़कर टी-20 रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल किया।

दर्शकों के बिना खेलना अभ्यास मैच जैसा : टेलर

वेलिंगटन (वार्ता)। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर का मानना है कि स्टेडियम में दर्शकों के बिना मुकाबले खेलना अभ्यास मैच जैसा है। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए स्टेडियम में दर्शकों के बिना मैच कराए जाने की चर्चा चल रही है। क्रिकेट गतिविधियां स्थगित होने से पहले न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में दर्शकों के बिना एकदिवसीय मुकाबला खेला गया था। हालांकि इसके बाद इस सीरीज को स्थगित कर दिया था।

टेलर ने कहा, ÷मेरे ख्याल से दर्शकों के बिना अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना अभ्यास मैच खेलने जैसा है। लेकिन एक बार आपने दर्शकों के बिना खेलने की आदत डाल दी तो इसमें कोई फर्क नहीं रह जाता कि आप क्लब क्रिकेट खेल रहे हैं या अंतरराष्ट्रीय मैच। उन्होंने कहा, ÷हालांकि मैं झूठ नहीं बोलूंगा, मुझे दर्शकों के बिना खेलना बहुत अजीब लगा। लेकिन अगर कुछ मुकाबले ऐसे ही कराए जाने लगे तो मुझे उम्मीद है कि खिलाड़ी इस माहौल में खुद को ढाल लेंगे।

लार के इस्तेमाल से खतरा होगा: जहीर

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए गेंदबाजों के गेंदों पर मुंह की लार का इस्तेमाल करने को लेकर चल रही बहस में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का मानना है कि इसके इस्तेमाल में कोई बुराई नहीं है लेकिन भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान का कहना है कि इससे खिलाड़ियों को खतरा होगा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर का मानना है कि गेंद पर मुंह की लार के इस्तेमाल से ना सिर्फ खिलाड़ियों को बल्कि मैदान पर मौजूद दर्शकों को भी खतरा होगा। जहीर ने कहा, ÷इस मामले पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। सिर्फ एक खिलाड़ी गेंद पर मुंह की लार का इस्तेमाल नहीं करता बल्कि टीम में शामिल सभी खिलाड़ी ऐसा करते हैं। जब आप दर्शकों के सामने खेलते हैं और कोई बल्लेबाज छक्का मारता है और गेंद दर्शक दीर्घा में जाती है तो कई लोग उस गेंद को छूते हैं। उन्होंने कहा, ÷ऐसे मामले में गेंद पर मुंह की लार का इस्तेमाल करने पर सवाल उठना लाजमी है।

रिजिजू ने चुन्नी गोस्वामी के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने लीजेंड फुटबॉलर चुन्नी गोस्वामी के निधन पर गुरुवार को शोक जताया। गोस्वामी का निधन आज शाम कोलकाता में हुआ। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। रिजिजू ने कहा कि लीजेंड फुटबॉलर गोस्वामी के निधन से भारतीय खेल के लिए आज का दिन काफी दुखद है। वह भारतीय फुटबाल टीम के सबसे सफल कप्तान थे।

लॉकडाउन के दौरान एआईटीए और साई ने कोचों के लिए वेबिनार की शुरुआत की

जूनियर स्तर से मानसिक ट्रेनिंग पर ध्यान दें:अंकिता

भारतीय टेनिस फेड कप टीम की सदस्य अंकिता रैना ने कहा है कि जूनियर स्तर से ही मानसिक ट्रेनिंग पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए जिससे खिलाड़ी मजबूत बनकर निकलते हैं।

नई दिल्ली (वार्ता)। अंकिता ने अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के कोचों के लिए आयोजित किए गए वेबिनार में यह बात कही। अंकिता के अलावा नंदन बल, पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक यूकी भांबरी और 2017 फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल चैंपियन रोहन बोपन्ना भी इस वेबिनार को संबोधित कर चुके हैं।

कोरोना वायरस के कारण देश में लागू हुए लॉकडाउन के दौरान एआईटीए और साई ने कोचों के लिए वेबिनार की शुरुआत की है। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में भारत की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग की खिलाड़ी अंकिता ने इस वेबिनार में अपने अनुभव साझा किए। अंकिता ने कहा, ÷हम सभी टेनिस में फिटनेस के महत्व को समझते हैं लेकिन मेरा मानना है कि हमें जूनियर स्तर से ही खेल के मानसिक पहलू पर ध्यान देना चाहिए। जब हम जूनियर से सीनियर स्तर पर जाते हैं तो ऐसा देखा गया है कि कई खिलाड़ी बाहर हो जाते हैं और कई जीवन में कुछ अलग करने लगते हैं। अगर हम युवा अवस्था से ही मानसिक ट्रेनिंग पर ध्यान देंगे तो यह खिलाड़ियों की मदद करेगा।÷ उन्होंने कहा,÷जब आप अपने खेल में सुधार लाते हैं और करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर होते हैं तो एक समय आपकी मानसिकता का टेस्ट होता है और ऐसे समय जो खिलाड़ी शुरुआत से ही मानसिक ट्रेनिंग लेता तो वो इससे पार पा लेता है।

सानिया मिर्जा फेड कप हर्ट अवॉर्ड के लिए नामित

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा को फेड कप एशिया/ओसनिया ग्रुप वन हर्ट अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है और इस अवार्ड के लिए नामित होने वाली वह पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गयी हैं।

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के महासचिव हिरण्मय चटर्जी ने गुरूवार को यह जानकारी दी। पूर्व युगल नंबर एक और कई बार की ग्रैंड स्लेम विजेता सानिया 2016 के बाद से पहली बार इस वर्ष फेड कप टीम में शामिल हुई थीं। उन्होंने अंकिता रैना से साथ मिलकर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को फेड कप के प्लेऑफ में पहुंचाया था। सानिया ने कहा,÷वर्ष 2003 में भारत का पहली बार प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मेरा 18 वर्षों का लंबा करियर है और मैं भारतीय टेनिस टीम की सफलता में योगदान देकर गर्व महसूस करती हूं। फेड कप एशिया/ओसनिया टूर्नामेंट के नतीजे मेरे करियर की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह ऐसा पल है जिसके लिए हर एथलीट खेलता है और मैं फेड कप हर्ट अवॉर्ड चयन पैनल का मुझे नामित करने के लिए आभारी हूं।

बैगा जनजाति के लोग पैदल ही तय कर रहे हैं अपने घरों का रास्ता

- मजदूर चिरमिरी क्षेत्र के बरतुंगा में ईंट भट्ठे में काम करने वाले
- राशन नही होने के कारण पैदल ही जाने का लिया निर्णय

नवप्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़ सहर के निकट ऐसे ही हालात देखने को मिला जहा लगभग 250/300 मजदूर अपने बच्चो को नंगे पांव ही लेकर अपने ग्राम मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के लिए निकले जो कि शहडोल के ही पास है मिली जानकारी अनुशार लाक डाउन लगने के बाद ये सभी मजदूर चिरमिरी शहर के निकट ही ग्राम में फंसे हुए थे और 14 तरीख का इंतजार कर रहे थे कि लॉक डाउन खुलने के बाद ट्रेन या फिर बसे शुरू हो जाएगी लेकिन लॉक डाउन बढ जाने के बाद ये मजदूर वही फसे हुए थे वही बताया जा रहा है कि इन मजदूरों को 3 मई के बाद और भी लॉक डाउन बड़ सकने की आशंका है जिस कारण गुरुवार की रात 2 बजे से ही ये लोग अपने मासूम बच्चों के साथ पैदल ही अपने घर की और चल पड़े जो कि देर शाम मनेन्द्रगढ़ के निकट पहुँचे ।जहा इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद भी जिले के अधिकारियों को इसकी जानकारी नही हुई न ही किसी ने इन्हें मध्यप्रदेश भेजने का आस्वासन दिया जब कि जिला मुख्यालय में प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में मजदूर पैदल ,साइकिल व रेल पटरियों के माध्यम से बिहार ,उत्तरप्रदेश ,झारखंड व मध्यप्रदेश राज्य की और जा रहे है जिससे राज्य की सीमा में हो रही सीमा के सील होने को लेकर भी सवाल उठना लाजमी हैं ।वही इस मामले में अधिकारियों ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

वही मजदूरों ने बताया कि शासन के द्वारा महज कुछ दिनों का ही राशन इन गरीबो को मिला जिससे इन लोगो का गुजारा नही हो पा रहा था दूसरी ये सभी मजदूरों के मासुम बच्चे भी और इन बच्चों के पैरों में चप्पल तक नही था इस गर्मी में सड़क पर बच्चे खाली पैर ही चल रहे थे कुछ बच्चो के मॉ और पिता अपने बच्चों को अपने कंधों पर लेकर चल रहे थे ,फिलहाल आज सैकड़ों की संख्या में ये मजदूर अपने घर के लिए तो निकल पड़े है और शासन के द्वारा इन मजदूरों के लिए किसी भी तरह का अभी तक पहल नही किया गया ऐसा नही है कि सरकार के नुमाइंदो को इन मजदूरों के बारे में जानकारी नही है लेकिन शासन और प्रशासन के लोग अपनी आंखे बंद करके बैठ गए हैं!

तबीयत भी पूछने वाला कोई नहीं

लॉकडाउन के बाद घरों की ओर लौट रहे प्रवासी मजदूरों ने बताया कि जहां वे कार्यरत थे वहां ठेकेदारों ने मुंह मोड़ लिया और शासन-प्रशासन से भी कोई मदद नहीं मिली। ऐसी स्थिति में मजदूरों ने घर लौटना मुनासिब समझा। मजदूरों ने बताया कि सफर के दौरान भोजन, पानी सहित अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और छत्तीसगढ़ प्रवेश के बाद भी सरकार व सरकार के नुमाइंदों द्वारा कोई सुध नहीं ली जा रही है। स्थिति यह है कि भोजन तो छोड़िये इलाज के लिए भी कहीं मदद नहीं मिल रहा है।

महीने भर से जारी है सिलसिला

मजदूरों की वास्तविक हालत की जानकारी के लिए श्रम विभाग के जिम्मेदार पदाधिकारियों को अंतर्राज्यीय सीमा पर होना चाहिए, लेकिन वे नदारद हैं। मौके पर पड़ताल पर पता चला कि मजदूरों के लौटने का सिलसिला बीते एक महीने से जारी है, वहीं कुछ दिनों से यह संख्या और भी बढ़ गई है। इस दौरान श्रम विभाग का कोई भी जिम्मेदार पदाधिकारी के अब तक नहीं पहुंचने की खबर है। इसके साथ ही प्रवासी मजदूरों का कोई स्पष्ट आंकड़ा भी राजस्व सहित किसी विभाग के पास नहीं मिला कि कितने प्रवासी मजदूर जिले की सीमा से होते हुए कब आये व कहा गए !

श्रम विभाग के लिस्ट में श्रमिकों की जानकारी

इस पूरे पड़ताल में चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि श्रमिकों के हितों के लिए बनाए गए श्रम विभाग में प्रवासी श्रमिकों व मजदूरों का कोई डाटा ही नहीं है। लॉकडाउन के दौरान श्रमिकों की आवाजाही तथा प्रदेश के बाहर रोजी रोटी की तलाश में अन्य प्रदेशों में गए मजदूरों की कोई भी स्पष्ट जानकारी श्रम विभाग के पास नहीं है। वही शासन से मिले निर्देश के पश्चात विभाग ने जिले के ग्राम पंचायत ,नगर पालिका व निगम से जो जानकारी मंगाई है उसमें जिले से लगभग 2436 मजदूर जिले से देश के 23 राज्यो में होने की जानकारी दी गई जहा श्रम विभाग में पंजीकरण हुए 26 मजदूरों के खाते में एक एक हजार रुपये के हिसाब से व 632 मजदूरों के खाते में जन सहयोग से माध्यम से पांच पांच सौ रुपये के हिसाब से तीन लाख बयालीस हजार एक सो रुपये भेजने की बात कही जा रही ।

न्यूज गैलरी

लॉकडाउन का पालन करने पालिका अध्यक्ष ने नगरवासियों से की अपील

बचेली। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पूजा साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नगरवासियो से लॉक डाउन का पूरी तरह से पालन करने,सार्वजनिक जगहों पर मास्क लगाने,अनावश्यक रूप से घरों से बाहर ना घूमने एवं अपने हांथो को अच्छे से सेनेटाइज करने की अपील की है। साथ ही मुख्य बाजार में दुकानदारों को फिजिकल डिस्टेंस मेंटेन करने। नियमित समय तक ही संस्थानों को खुला रखने की अपील भी की है। अध्यक्ष ने बताया कि कोरोना वाइरस संक्रमण के रोकथाम हेतु राष्ट्रीय स्तर पर लाकडाउन के दौरान पालिका बड़े बचेली के अंतर्गत मैदानी क्षेत्रो में निवास कर रहे प्रभावित ग्रामीणों को असहाय एवं निराश्रित लोगो को 30 मार्च से लेकर 29 अप्रैल तक कुल 866 परिवारों को चिन्हांकित कर उनके लगभग 2295 सदस्यो को नगरपालिका में बनाये गए खाद्यान्न बैंक के माध्यम से राशन किट का वितरण किया गया है। इसके अलावा नगर में रोजाना 10 बेघर लोगो को दोनो वक्त का भोजन नगरपालिका कर्मचारियो के माध्यम से दिया जा रहा है। वही बीते दिनों वार्ड क्रमांक 18 काठमांडू केम्प से पहाड़ी क्षेत्र के दुर्गम स्थान में रहने वाले ग्राम झिरका ग्राम के निवासरत परिवारों को लाकडाउन के दौरान जीवन यापन करने हेतु तहसीलदार पीआर पात्र के निर्देशानुसार राशन किट भी वितरित किया गया।

लॉकडॉउन के बीच बिजली की आंखमिचौली से परेशान

- चितालंका में रोजाना चार से पांच घंटे रहता है बिजली, बढती गर्मी ने किया हलाकान
- विद्युत विभाग की लापरवाही से लोग परेशान

नवप्रदेश संवाददाता

दंतेवाडा। लॉकडाउन के बीच रोजाना गुल होती बिजली ने लोगों की परेशानियां दुगुनी कर दी है। बिजली गुल होने की वजह से लोग सडक पर भी नहीं घूम नहीं सकते, लॉकडॉउन का पालन करते लोग इन दिनों अधिकांश समय घर पर बिता रहे हैं लेकिन बिजली विभाग की लापरवाही के चलते घरों से बाहर निकलना लोगों की मजबूरी भी बन रही है। दरअसल चितालंका में रोजाना चार से पांच घंटे बिजली गुल रहती है ऐसे में पड रही भीषण गर्मी के बीच निजात पाने घर से बाहर भी नहीं निकल सकते और न ही घर में रहा जा सकता है।

गौतरलब है कि चितालंका के कुछ इलाकों में बिजली की आपूर्ति गीदम लाईन से की जाती है। गीदम सप्लाई वाली लाईन में रोजाना कोई न कोई फॉल्ट आता है जिसकी वजह से घंटो बिजली नहीं रहती। वहीं इस मामले की जानकारी के लिये विद्युत विभाग के लैंडलाईन पर फोन भी नहीं किया जा सकता। बिजली गुल होते ही हेल्पलाईन नंबर का रिसीवर उठाकर उसे इंगेज कर दिया जाता है। ऐसे में बिजली गुल होने की शिकायत भी विभाग तक नहीं पहुंच पाती। यदि विभाग को समय पर बिजली गुल होने की सूचना दी भी जाती है तो तीन से चार घंटे बाद ही बिजली बहाल हो पाती है। ऐसा नहीं कि इस तरह के हालात कभी कभार ही बनते हो बल्कि रोजाना चितालंका के लोगों को ऐसे हालातों से जूझना पडता है।

सड़कों पर भटक रही बच्ची को पुलिस की मदद से शांति फाउंडेशन ने पंहुचाया घर

कोण्डागाँव। लगातार जनहित के कार्यो को लेकर क्षेत्र में सक्रियता के चलते अब लोग भी स्वयं मदद के लिए शांति फाउंडेशन को सूचना देने लगे है।ऐसे ही एक मामले में शांति फाउंडेशन को खबर मिली की मर्दापाल से मानसिक अस्वस्थ बच्ची पैदल कही निकल गयी है, खबर मिलते ही संस्था की टीम हरकत मे आई एवं बच्ची को ढूंढने के प्रयास करने लगी।जिसके बाद पतासाजी करने पर उक्त बच्ची कोण्डागाँव नगर के मस्जिद के पास घूमते मिली जिसे संस्था के द्वारा पुलिस के सहयोग से पुलिसथाना स्थित बालमित्र केंद्र में एसआई नमिता टेकाम व अजय बघेल के सुपुर्द रखा गया पश्चात वहां से सखी सेंटर को सुपुर्द किया गया। जिसके बाद आज उक्त बालिका को उसके गृहग्राम हसलनार मर्दापाल छोड़ा गया ।

ज्ञात हो कि उक्त बालिका को पूर्व में शांति फाउंडेशन के द्वारा बिलासपुर सेंदरी इलाज हेतु भेजा गया था परंतु इसके पूर्ण इलाज संभव नही हो सका है,संस्था द्वारा बालिका के दवा का खर्च भी उठाया जा रहा है। साथ ही बालिका के भविष्य को देखते उसे मूकबधिर विद्यालय में रखने हेतु कोशिश की जा रही है। बालिका को उसके घर तक छोडने पुलिस स्टॉप से रविन्द पाण्डेय् शांति फाउंडेशन से यतिन्र्द छोटू सलाम, हर्स लाहोटी, पवन सिंह ठाकुर, सखी सेंटर से स्वीटी दास वा लीला मौजूद रहे।

थाना प्रभारी नरेंद्र पुजारी ने बताया कि शहर मे संचालित संस्था शांति फाउंडेशन द्वारा सूचना मिलने पर बालिका की पतासाजी की जा रही थी जिसे मुख्यमार्ग पर गुरुद्वारे के पास रेस्क्यू किया गया।

संस्था अध्यक्ष यतीन्द्र छोटू सलाम ने बताया की बालिका का मानसिक विकास नही हो पाया है इसे पूर्व में हमारे द्वारा बिलासपुर भेजा जा चुका है अब जल्द ही इसके बेहतर भविष्य के लिए कार्यवाही की जाएगी बच्ची को अभी गांव के पटेल पुजारी वा सरपंच के सामने उनकी मा के सुपुर्द किया गया है।

एसईसीएल में मनाया गया खनिक दिवस

कोरबा। एसईसीएल मुख्यालय में 1 मई 2020 को खनिक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री ए.पी. पण्डा ने ध्वजारोहण किया। अपने सम्बोधन में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री ए.पी. पण्डा ने कहा कि 01 मई अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के द्वारा जहॉ पूरें विश्व भर में श्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है वहीं कोयला उद्योग में इस दिन का विशेष महत्व है। उन्होंने सभी कर्मियों एवं उनके परिवारों को खनिक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे कर्मी जहॉ भी लाकडाउन में काम कर रहे हैं वे स्वस्थ्य रहें। उन्होंने आगे कहा कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कोयला उद्योग का कार्यरत रहना आवश्यक है। लाकडाउन की परिस्थिति में भी हमारे श्रमवीरों ने वित्त वर्ष 2019-20 में 150 मिलियन टन से अधिक कोयला उत्पादन कर एसईसीएल को फिर एक बार कोलइण्डिया की सर्वाधिक कोयला उत्पादक कम्पनी बनाया है। इसके लिए उन्होंने एसईसीएल प्रबंधन की ओर से समस्त श्रमवीरों को बधाई व धन्यवाद प्रदान किया।

सीआरपीएफ 230 बटालियन ग्रामीणों को कोविड 19 के प्रति कर रही जागरूक

बचेली/भांसी सीआरपीएफ230 बटालियन द्वारा जिला दंतेवाड़ा के दुर्गम व अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्राम भांसी में सिविक एक्शन प्रोग्राम (कोविड 19 विशेष परियोजना) का आयोजन श्री डीएन लाल पुलिस उपमहानिरीक्षक परिचालन दंतेवाड़ा के नेतृत्व में श्री डब्ल्यू आर जोशुआ कमांडेंट 230 वाहिनी के तत्वाधान में किया गया। उक्त आयोजन में ग्रामवासी एवं आसपास के गांव में रह रहे लगभग 250 से 300 ग्रामीणों ने भाग लिया। आयोजन में उपस्थित ग्रामीणों को कोरोना वायरस से बचने एवं इसके रोकथाम करने के लिए फेस मास्क, ग्लब्ज, सेनेटाइजर, डिटॉल साबुन, हाइड्रोक्लोरिक स्प्रे लिक्विड,बिस्किट पैकेट एवं कृषकों को विभिन्न प्रकार की सब्जियों के बीज इत्यादि सामानों का वितरण किया गया। और पूरे क्षेत्र को स्प्रे मशीन से सेनेटाइज किया गया इसके अतिरिक्त उपस्थित ग्रामीणों को स्वास्थ्य परीक्षण हेतु चिकित्सा परीक्षण केम्प का आयोजन भी किया गया था।

बिना मास्क पहने बाहर निकलने वाले पर 29 हजार का जुर्माना

कोरबा । -बिना मास्क पहने घर से बाहर निकलने सार्वजनिक स्थान व सड़क पर बिना मुंह ढके घूमने वालों पर निगम द्वारा कड़ी नजर रखते हुए लगातार जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है, विगत एक पखवाड़े से अधिक समय से यह कार्यवाही निरंतर जारी है तथा निगम के सभी 08 जोन के अंतर्गत लोगों द्वारा मास्क न पहनने वालों पर अब तक 29600 रूपये का जुर्माना लगाया जा चुका है।

यहां उल्लेखनीय है कि नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व नियंत्रण हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों के घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया था, जिसके परिपालन में आयुक्त श्री राहुल देव ने एक पखवाड़े पूर्व एक आदेश जारी कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 285 के तहत छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों की स्वीकृति के अधीन नोवल कोरोना वायरस के नियंत्रण हेतु निगम क्षेत्र में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया था तथा निगम के जोन कमिश्नरों व राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि वे लगातार इस पर कड़ी नजर रखें तथा मास्क न पहनने वालों पर अर्थदण्ड लगाएं। बिना मास्क पहने घरों से निकलने वालों व सार्वजनिक स्थानों, सड़कों पर बिना मुंह ढके घूमने व आवाजाही करने वाले लोगों पर निगम अमले ने निरंतर नजर रखते हुए अब तक 29600 रूपये का अर्थदण्ड लगाया है।

सभी 08 जोन में की गई कार्यवाही- निगम के सभी 08 जोन में बिना मास्क पहने घरों से निकलने वालों पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही निगम अमले द्वारा की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार निगम के कोसाबाड़ी जोन अंतर्गत 15900 रूपये, रविशंकर शुक्ल जोनांतर्गत 2800 रूपये, कोरबा जोनांतर्गत 2550 रूपये, सर्वमंगला जोनांतर्गत 4550 रूपये, बालको जोनांतर्गत 2500 रूपये, दर्री जोनांतर्गत 800 रूपये, टी.पी.नगर जोनांतर्गत 250 रूपये एवं बांकीमोंगरा जोनांतर्गत 250 रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया है।

बिना मास्क लगाए घर से बाहर न निकले-महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त श्री राहुल देव ने आमनागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वैश्विक महामारी नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए मास्क लगाना अत्यंत आवश्यक है।

पहली बार लौहनगरी में धूमधाम से नहीं मनाया गया मई दिवस

बचेली। लौहनगरी में इस बार मई दिवस लाकडाउन की वजह से नही मनाया जा रहा है। ये पहला मौका है जब अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (मई दिवस) धूमधाम से नही मनाया जा रहा है। लॉक डाउन का पालन करते हुए चुनिंदा पदधिकारियो के द्वारा एसकेएमएस कार्यालय में झंडा फहराकर मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस। इस उपलक्ष्य में किये जाते थे विभिन्न आयोजन। जिसमे केंद्रीय विद्यालय में महिलाओ के द्वारा विभिन्न खेलो का किया जाता था आयोजन। आपको बता दे की हर साल 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस, श्रम दिवस या मई दिवस (International Labour Day) मनाया जाता है। इसे पहली बार 1 मई 1886 को मनाया गया था। भारत में इसे सबसे पहले 1 मई 1923 को मनाया गया था।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस का इतिहास

1 मई 1886 को अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस की शुरुआत एक क्रांति के रूप में हुई थी। जब हजारों की संख्या में मजदूर सड़क पर आ गए। ये मजदूर लगातार 10-15 घंटे काम कराए जाने के खिलाफथे। उनका कहना था कि उनका शोषण किया जा रहा है। इस भीड़ पर तत्कालीन सरकार ने गोली चलवा दी थी, जिसमें सैकड़ों मजदूरों की मौत हो गई थी। इस घटना से दुनिया स्तब्ध हो गई थी। इसके बाद 1889 में अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन की दूसरी बैठक हुई।

विधायक गुलाब कमरो ने सरगुजा विकास प्राधिकरण मद से 64 लाख के निर्माण कार्यो का किया भूमिपूजन

बैकुंठपुर। विधायक गुलाब कमरो ने विभिन्न ग्राम पंचायतो में सरगुजा विकास प्राधिकरण मद से कुल 64 लाख रुपये के निर्माण कार्यो का भूमिपूजन किया इस दौरान विधायक गुलाब कमरो सर्व प्रथम ग्राम पंचायत कछौड़ पहुचे जहां उन्होंने 5 लाख रुपये के सीसी सड़क का भूमिपूजन किया साथ ही इसी ग्राम पंचायत में डेढ़ लाख के यात्री प्रतीक्षालय का भी भूमि पूजन किया इस दौरान ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रजमतिया और जनपद सदस्य रामलाल उपस्थित रहे, इसी के बाद विधायक गुलाब कमरो ने ग्राम पंचायत पहाड़ हसवाही में 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सीसी सड़क का भूमिपूजन किया जिसमें सरपंच धर्मजीत और जनपद सदस्य अनीता सिंह भी उपस्थित रहे, ग्राम पंचायत बिरौरी डांड में 5 लाख की सीसी सड़क व डीहली में 10 लाख की लागत से बनने वाले सीसी सड़क का भूमिपूजन किया जिसमें ग्राम सरपंच द्वय बाबू लाल व सोन कुँवर के साथ जनपद सदस्य लक्ष्मी सिंह भी उपस्थित रहे।

तकनीक आधुनिक कृषि पद्धति को अपनाकर बीज उत्पादन से हो रही शानदार आमदनी

साग-सब्जी के बीज उत्पादन से 'चैनू राम' बना लखपति

कोण्डागांव। विरले ही ऐसे कृषक होते है जो बदलते वक्त को पहचान कर कृषि की नई परिपाटी को अपनाते हुए स्वयं को एक सफल कृषक के दर्ज में रखते है। विकासखण्ड कोण्डागांव से 15 कि.मी. दूर उमरगांव के गायता पारा में रहने वाले चैनू राम मण्डावी भी ऐसे ही कृषक है जिन्होंने कृषि क्षेत्र में एक शानदार मुकाम बना लिया है। अगर उनकी कृषि उपलब्धि की चर्चा की जाये तो अपनी 4 एकड़ की भूमि में सिर्फ लौकी, कुम्हड़ा, टिंडा, दोड़का जैसे साग-सब्जियों के बीजो का उत्पादन करके इस वर्ष लगभग 25 लाख से अधिक आय अर्जित कर ली है। एम.ए तक षिक्षित चैनूराम बताते है कि घर में बड़े होने के नाते उन पर कृषि कार्य करने का दबाव था पिता और चाचा सामान्य कृषक थे जबकि माँ घर-गृहस्थी संभालती थी। वर्ष 1989-90 में उनके पिता और चाचा धान जैसे परम्परागत फसलो का उत्पादन करके मात्र 5 हजार सालाना कमा पाते थे, परन्तु चैनू राम ने स्नात्कोत्तर की डिग्री होने के पश्चात् कृषि क्षेत्र में कुछ नए करने की चाह के चलते अपना रुख साग-सब्जी के बीज उत्पादन की ओर कर दिया। हालाकि शुरुवाती दौर में उन्होंने साग-सब्जी उगाने का प्रयास किया। परन्तु शीघ्र ही उन्हें सब्जियों का उत्पादन करना लाभप्रद नहीं लगा बजाय बीज उत्पादन के। क्योंकि सब्जियों के बाजार मूल्य में घट-बढ़ होते रहती थी जिससे सब्जी विक्रय के दौरान उसका मूल्य लागत निकालना मुष्किल हो जाता था। इसे देखते हुए उन्होंने बस्तर क्षेत्र के उन्नतषील कृषको से संपर्क किया और उनसे बीज उत्पादन के वैज्ञानिक एवं तकनीकी पहलुओं को सीखकर सब्जियों के बीज उत्पादन करने का विचार किया।

इस प्रकार वर्ष 2014 में सर्वप्रथम उन्होंने कुम्हड़ा फसल की खेती की और इससे उन्हें 39 हजार रुपये का लाभ हुआ। इससे प्रोत्साहित होकर उन्होंने एक निजी कंपनी उत्पादक संस्था से संपर्क भी किया और अपने 4 एकड़ की भूमि में ड्रिप, स्प्रिंकलर, बैड सैपट और मल्चिंग कराकर एक हाईटेक कृषि प्रक्षेत्र का रुप दिया। फलस्वरुप आज वो अपने गांव के प्रथम साग-बीज उत्पादक किसान के रुप में चर्चित हो चुके है। इसे देखते हुए उनके आस-पास के कृषको ने भी प्रेरणा लेकर बीज उत्पादन प्रारंभ कर दिया है औश्र हजारों रुपये की आय अर्जित कर रहे है। चैनु मण्डावी ने यह भी बताया कि उन्होंने दूसरे गांव के अन्य बीज उत्पादक कृषको का वाट्सअप ग्रुप भी बना लिया है जिसमें वे बीज की गुणवत्ता को बढ़ाने अन्य फसलीय बीमारी के समाधान के बारे में आवष्यक सलाह मष्वरा भी करते है। उनका यह भी मानना है कि अगर स्थानीय कृषक समुदाय का वास्तविक विकास होना है तो हमें जल, जंगल, जमीन की अवधारणा को समझना होगा। जल अर्थात पानी का सही उपयोग, जंगल अर्थात वन संरक्षण एवं जमीन मतलब भूमि की उर्वरता एवं गुणवत्ता को बनाये रखना है। अपने शुरुवात दौर के संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने यह भी बताया कि प्रारंभ से ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया था, कि 'मन की सुनो और उसे पूरा करने के लिए जी-जान से पूरा जूट जाओ' और शायद इसी ईच्छा शक्ति के बदौलत चैनू राम मण्डावी ने अपने आप को एक सफल कृषक के रुप में स्थापित कर लिया है।

■ न्यूज गैलरी

अत्सुशी ओगाटा एचएमएसआई के नये प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली (वार्ता)। श्री अत्सुशी ओगाटा को दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की दूसरी बड़ी कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएसएमआई) का नया अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि श्री ओगाटा श्री मिनोरू काटो का स्थान लेंगे जो सेवानिवृत्ति के बाद जापान लौट रहे हैं । वह होंडा मोटर कंपनी के जापान में परिचालन कार्यकारी की भी भूमिका निभायेंगे। इसके साथ ही कंपनी ने वी श्रीधर को वरिष्ठ निदेशक बनाया है जबकि श्री यदविंदर सिंह गुलेरिया और श्री विनय धींगरा को निदेशक मंडल में पदोन्नत किया गया है।

विमान ईंधन के दाम घटे

नई दिल्ली (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी से विमान ईंधन की कीमतों में गिरावट का सिलसिला मई में भी जारी रहा और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसके दाम 23 प्रतिशत घट गये। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली के इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान ईंधन आज से 5,450.10 रुपये (23.21 प्रतिशत) सस्ता होकर 18,035.8 रुपये प्रति किलोलीटर रह गया है। यह कीमत घरेलू विमान सेवा कंपनियों के लिए है। विदेशी एयरलाइंस को देश में विमान ईंधन पर कर नहीं देना होता है इसलिए उनके लिए कीमत कम हो जाती है। लॉक डाउन के कारण राजस्व नुकसान झेल रही विमान सेवा कंपनियों को ईंधन की कीमतों में कटौती से बहुत बड़ी राहत मिलेगी। उनके कुल व्यय का 35 से 40 प्रतिशत इसी मद में खर्च होता है।

कोलकाता में विमान ईंधन की कीमत 19.62 प्रतिशत घटकर 22,243.38 रुपये, मुंबई में 24.38 प्रतिशत घटकर 17,687.45 रुपये और चेन्नई में 23.16 प्रतिशत कम होकर 18,151 रुपये प्रति किलोलीटर रह गयी।

अप्रैल में मारुति की घरेलू बिक्री शून्य

नई दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण पूरे देश में लागू लॉकडाउन का ऑटोमोबाइल उद्योग पर व्यापक असर पड़ा है और इस क्षेत्र की अग्रणी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की अप्रैल माह में घरेलू बाजार में बिक्री शून्य रही । कंपनी ने शुक्रवार को अप्रैल माह के बिक्री आंकड़ों को जारी करते हुए बताया कि लॉकडाउन की वजह से मारुति की सभी इकाइयों में उत्पादन बंद रहा था। मारुति ने कहा है कि अब लॉकडाउन में कुछ ढील मिलने के बाद आंशिक उत्पादन शुरू हुआ है और मुन्द्रा बंदरगाह से 632 यूनिट का निर्यात किया गया है।

कोरोना को रोकने के लिए डिजिटल क्षमता का लाभ उठाने पर जी-20 सहमत

जी20 डिजिटल मंत्रियों ने कोरोना महामारी को रोकने और लोगों की सुरक्षा के लिए डिजिटल माध्यम की क्षमता का लाभ उठाने पर सहमति व्यक्त की है।

नई दिल्ली (वार्ता)। कोविड-19 महामारी के प्रकोप से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का दोहन करते हुए एक समन्वित वैश्विक कार्रवाई करने के लिए आज एक असाधारण वर्चुअल जी20 डिजिटल इकोनॉमी की बैठक आयोजित की गई । भारत का प्रतिनिधित्व संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने किया। बैठक में 19 अन्य जी20 सदस्यों के डिजिटल मंत्रियों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी भाग लिया।

श्री प्रसाद ने बात पर जोर दिया कि जी20 राष्ट्रों की एक जिम्मेदारी है कि हम इस संकट के दौरान और बाद में जो कुछ भी करते हैं, वह और अधिक समान, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्थाओं और समाज के निर्माण पर अधिक केंद्रित होना

चाहिए जो इस महामारी के परिप्रेक्ष्य में अधिक लचीला होना चाहिए। महामारी के प्रसार को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए उन?होंने विश?व के लिए अनुकरणीय योजना भी प्रस?तुत की । साथ ही उन्होंने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई जारी रखते हुए अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के महत्व पर जोर दिया। डिजिटलाइजेशन का अगला चरण उन अनुप्रयोगों के बारे में है जो आजीविका को प्रभावित करेंगे, विभिन्न क्षेत्रों में तेजी लाएंगे, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेंगे और एक साइबर सुरक्षित दुनिया का निर्माण करेंगे। उन्होंने जी20 मंत्रियों के समक्ष इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान स्थिति में सामाजिक दूरी, वितरित कार्यबल और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की प्रकृति बदलने से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए हितधारकों के बीच अधिक सहयोग की आवश?यकता है। उन्होंने जी20 को वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए एक ठोस डिजिटल कार्ययोजना प्लान के साथ आने का आह्वान किया। शिखर सम्मेलन के अंत में, एक जी20 डिजिटल इकोनॉमी टास्क फोर्स कोविड-19 मंत्रिस्तरीय वक्तव्य जारी किया गया, जिसमें ने महामारी से लड़ने, संचार अवसंरचना और नेटवर्क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उपायों को अपनाते हुए गैर-व्यक्तिगत डेटा विनिमय सुरक्षित तरीके से करने, स्वास्थ्य देखभाल के लिए डिजिटल सॉल्यूशंस का उपयोग करने, साइबर सुरक्षित दुनिया और व्यवसायों के लचीलापन को सुदृढ़ करने के उपायों के लिए एक समन्वित वैश्विक डिजिटल कार्रवाई करने का आह्वान किया गया ।

कोरोना से नुकसान के बदले चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाएगा अमेरिका

अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई कई देश खुलकर बोलने लगे हैं कि कोरोना वायरस नेचुरल नहीं है, बल्कि इसे चीन ने तैयार किया है। ट्रंप ने संकेत दिया कि इस नुकसान के लिए वह चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाएंगे।

नई दिल्ली। अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देश कोरोना वायरस के लिए चीन को जिम्मेदार मानते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने तो साफ-साफकहा कि चीन ने इस वायरस को पैदा किया है। ऐसे में हर कोई चीन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। ट्रंप ने गुरुवार को इशारा किया कि आने वाले दिनों में अमेरिका एकबार फिर से चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाएगा। हालांकि उन्होंने कर्ज के दायित्वों को भी पूरा करना का भरोसा दिया। ट्रंप ने कहा कि कर्ज के दायित्वों से पीछे हटना गलत होगा और इससे डॉलर का महत्व भी कम होगा। दरअसल एक रिपोर्टर ने ट्रंप से पूछा कि ऐसा हो सकता है कि अमेरिका ने चीन को कर्ज देने का जो वादा किया है, वह वादा नहीं निभाए, जिसका उन्होंने यह जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि हम इस काम को दूसरे रास्तों से कर सकते हैं। टैरिफ इसका एक जरिया हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि डॉलर अभी काफी मजबूत है और इसकी महत्ता लगातार बढ़ती जा रही है। डॉलर की मजबूती ऐतिहासिक स्तर पर है, इसलिए हम जीरो इंट्रेस्ट रेट पर कर्ज बांट रहे हैं। हमें डॉलर की मजबूती और महत्ता को बचाकर रखना है। चीन को कर्ज देने का जो वादा है उसकी भरपाई मैं ज्यादा टैरिफलगाकर करूंगा।

अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित

कोरोना के कारण अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। वहां अब तक करीब 64 हजार लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 11 लाख लोग संक्रमित हैं। कई शहरों में लॉकडाउन जारी है जिसके कारण अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंच रहा है। अमेरिका कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

- ट्रंप ने कहा कि कोरोना को चीन ने पैदा किया है, भुगतना होगा अंजाम
- चीन को कर्ज देने का जो वादा किया गया है, अमेरिका उसे नहीं रोकेगा
- ट्रंप ने कहा कि हम कर्ज के दायित्वों को पूरा करेंगे, लेकिन ज्यादा टैरिफ वसूलेंगे

चीन से मुआवजे की मांग

बता दें कि कई यूरोपीय देश तो कोरोना के कारण हुए नुकसान के लिए चीन से मुआवजे तक की मांग कर चुके हैं। अमेरिका से पहले जर्मनी ने भी नुकसान की भरपाई के लिए चीन को एक लंबा चौड़ा बिल भेजा है। चीन पर जानकारी छिपाने का आरोप लग रहा है जिसके कारण वहां से विदेशी निवेशक निकलने की तैयारी कर रहे हैं।

कर्ज के दायित्वों से पीछे हटना गलत होगा - ट्रंप

ट्रंप ने कहा कि कर्ज के दायित्वों से पीछे हटना गलत होगा और इससे डॉलर का महत्व भी कम होगा। दरअसल एक रिपोर्टर ने ट्रंप से पूछा कि ऐसा हो सकता है कि अमेरिका ने चीन को कर्ज देने का जो वादा किया है, वह वादा नहीं निभाए, जिसका उन्होंने यह जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि हम इस काम को दूसरे रास्तों से कर सकते हैं। टैरिफइसका एक जरिया हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि डॉलर अभी काफी मजबूत है और इसकी महत्ता लगातार बढ़ती जा रही है। डॉलर की मजबूती ऐतिहासिक स्तर पर है, इसलिए हम जीरो इंट्रेस्ट रेट पर कर्ज बांट रहे हैं। हमें डॉलर की मजबूती और महत्ता को बचाकर रखना है। चीन को कर्ज देने का जो वादा है उसकी भरपाई मैं ज्यादा टैरिफलगाकर करूंगा।

एचडीएफसी बैंक, ए. आर. रहमान और प्रसून जोशी पेश करते हैं

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने आज एक उम्मीद से भरा एक गीत #HumHaarNahiMaanenge रिलीज किया है। यह गीत भारत और करोड़ों भारतीयों के अदम्य उत्साह को सम्मान देता है, जो कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिये एकजुट हैं।

इस गीत को ऑस्कर और ग्रैमी अवार्ड विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान ने कम्पोज किया है और इसके बोल मशहूर गीतकार और कवि प्रसून जोशी ने लिखे हैं। इस गीत में भारत भर के संगीतकारों को भी साथ लाया गया है। इसके कलाकारों में चर्चित नाम शामिल हैं, जैसे क्लिंटन सेरेजो, मोहित चौहान, हर्षदीप कौर, मीका सिंह, जोनिता गांधी, नीति मोहन, जावेद अली, सिड श्रीराम, श्रुति हसन, शाशा तिरूपति, खातिजा रहमान और अभय जोधपुरकर। भारत के अग्रणी तालवादक शिवमणि, सितार वादक असद खान और बेस में माहिर मोहिनी डे भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं।

इस गीत की कल्पना उम्मीद, सकारात्मकता और प्रेरणा को बढ़ावा देने के आह्वान के तौर पर की गई थी। यह दमदार और भावनात्मक गीत लोगों को याद दिलाता है कि हम सब संकट की घड़ी में एक साथ हैं और एक साथ ही इससे बाहर निकलेंगे। इस गीत में दया, आशा, सहयोग, साहस और देखभाल के कई पल हैं, जो इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में दमक रहे हैं। इस गीत के माध्यम से, एचडीएफसी बैंक अधिक से अधिक लोगों को पीएम-केयर्स फंड में दान देने के लिये प्रोत्साहित करते हुए देश के प्रति अपनी निष्ठा और सहयोग दर्शाना चाहता है।

कामयाबी | रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अंतिम तिमाही के नतीजे घोषित किए

जियो ने जनवरी-मार्च तिमाही में जोड़े पौने दो करोड़ उपभोक्ता

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण लागू लॉकडाउन के बीच मुकेश अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने समाप्त वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के दौरान पौने दो करोड़ नये ग्राहक जोड़े।

नई दिल्ली (वार्ता)। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गुरुवार देर शाम अंतिम तिमाही के नतीजे घोषित किए। परिणाम में बताया गया कि जनवरी-मार्च-2020 के तीन माह में जियो के साथ पौने दो करोड़ नये ग्राहक जुड़े और कुल उपभोक्ताओं का आंकडा 38.75 करोड़ पर पहुंच गया। देश का बड़ा स्टार्ट अप माने जाने वाले जियो का अंतिम तिमाही में शुद्ध लाभ भी करीब तीन गुना बढ़कर पहले की इसी अवधि के 840 करोड़ रुपए से 2331 करोड़ रुपये हो गया। दिसंबर-19 की तिमाही के मुकाबले यह 72.7प्रतिशत अधिक था। कंपनी ने कहा है कि प्रति उपभोक्ता राजस्व (एआरपीयू) में बढ़ोतरी मानी जा रहा है। टैरिफ में वृद्धि से मार्च तिमाही में जियो का एआरपीयू बढ़कर 130.6 रु हो गया, जो पिछली तिमाही में 128 रु था।

तिमाही में जियो नेटवर्क पर प्रत्येक ग्राहक ने 11.3 जीबी डेटा प्रति माह इस्तेमाल किया। वहीं हर ग्राहक ने महीने में 771 मिनट बातचीत की। कुल डेटा की खपत मार्च क्वार्टर में 1284 करोड़ जीबी जा पहुंची, जो पिछले साल की इसी तिमाही से 34.3 फीसदी ज्यादा है। वॉयस कॉलिंग का भी जियो ग्राहकों ने जमकर इस्तेमाल किया और यह मार्च तिमाही में 87,634 करोड़ मिनट तक जा पहुंची। रिलायंस जियो में हाल ही में दुनिया की अग्रणी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने 43,574 करोड़ में 9.99 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदी थी।

फेसबुक के साथ साझेदारी और नतीजे पर टिप्पणी करते हुए, रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, ÷जियो दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल कंपनियों में से एक, फेसबुक के साथ विकास के अगले चरण पर चल पड़ी है। हम साथ मिलकर भारत को वास्तव में डिजिटल समाज बनाने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। हम मनोरंजन, वाणिज्य, संचार, वित्त, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तकनीकी क्षमताओं और सर्वश्रेष्ठ कनेक्टिविटी नेटवर्क के साथ बेहतरीन डिजिटल प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म प्रदान करेंगे। हमारा फोकस भारत के छह करोड़ सूक्ष्म, लघु और मझोले व्यवसायों, 12 करोड़ किसानों, तीन करोड़ छोटे व्यापारियों और अनौपचारिक क्षेत्र के लाखों छोटे और मध्यम उद्यमों पर होगा। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में जियो का जिक्र करते हुए श्री अंबानी ने जियो कर्मचारियों के कार्य की सराहना की। उन्होंने लॉकडाउन में कम कर्मचारियों के बावजूद जियो की सेवाओं के निर्बाध रूप से चलने पर खुशी जाहिर की।

लॉकडाउन के दौरान इंटरटेनमेंट के लिए पुराने समय के लोकप्रिय कॉन्टेंट को प्राथमिकता दे रहे लोग

नई दिल्ली। कोविड-19 के मद्देनजर लागू किये गए लॉकडाउन में मनोरंजन के लिए देशवासी पुराने समय के मनोरंजक और लोकप्रिय कॉटेंट को प्राथमिकता दे रहे हैं। पुरानी यादों को ताजा करना और उन पलों को पुनःजीना एक चलन बन गया है। कुछ ऐसा ही चलन एयरटेल एक्स-स्ट्रीम ऐप पर उपयोगकर्ताओं के बीच देखा गया है। एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्रीमियम डिजिटल कॉटेंट प्रदान करने वाला भारत का पहला वीडियो नेटवर्क है।

लोगों के बीच लोकप्रिय एयरटेल ऐप 10,000 से अधिक शो और 400 से अधिक टीवी चैनल देखने की सुविधा प्रदान करता है। मार्च 2020 के मध्य तक ऐप पर स्ट्रीमिंग वीडियो की संख्या 50त्न तक बढ़ गई, लेकिन इस प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ताओं के बीच पुराने शो और फिल्मों को लेकर मांग में काफी उछाल देखा गया है।

अपने जमाने के अत्यधिक लोकप्रिय टीवी शो जैसे मालगुडी डेज़, देख भाई देख, ज़बान संभाल के, और कई अन्य के लिए मांग में 300त्न तक का उछाल देखा गया है।

बॉलीवुड की क्लासिक्स फिल्मों जैसे- चौदहवीं का चांद, मदर इंडिया, डॉन, पड़ोसन, अंदाज़ अपना अपना और राजा बाबू दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है और इसकी मांग में 100त्न की वृद्धि दर्ज की गई है। पुराने कॉटेंट को लेकर मांग में इस वृद्धि के पीछे यूपी, बिहार, राजस्थान और मध्यप्रदेश के छोटे शहरों के उपयोगकर्ता हैं, इन्होंने मांग में लगभग 80% तक की वृद्धि की है।

आज का भविष्यफल

मेष: प्रेम संबंध में कुछ दूरी बनेगी। इनसे संबंधित मामलों को निर्णायक मोड़ पर लाने की आवश्यकता नही है। आत्मविश्वास की कमी बनेगी।

वृषभ: भाई-बहन, बंधु-बांधवों से विचार के तालमेल का अभाव बनेगा। सहकर्मियों से संबंध में गड़बड़ी आएगी। व्यक्तित्व कमजोर दिखाई दे सकता है।

मिथुन: कुछ झंझट उपस्थित होंगे, इनको सुलझाने में प्रभाव की कमजोर स्थिति के कारण दिक्कत आ सकती है। शार्टकट का सहारा न लेकर सुरक्षित राह पर चलें।

कर्क: धन की स्थिति कमजोर दिखाई देगी, इसे मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। माता पक्ष के किसी कार्यक्रम में बाधा उपस्थित हो सकती है।

सिंह: अनायास लाभ प्राप्ति की संभावना बन सकती है, इसलिए रिस्क लेने की कोशिश की जा सकती है। लक्ष्य को लेकर काफी गंभीरता नहीं रहेगी।

कन्या: मनोनुकूल खर्च का वातावरण तैयार होगा, इसलिए शापिंग करके सुख मिलेगा। किसी बाहरी व्यक्ति या बाहरी स्थान से लाभ हो सकता है।

तुला: आपको केवल अपनी समस्याओं पर ही ध्यान देना होगा। दूसरों की समस्याओं में पड़ने से हानि हो सकती है।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में विपरीत स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। उत्तरार्ध में कुछ सुधार होगा और आप राहत की सांस ले पाएंगे।

धनु: शुरुआत में पारिवारिक सदस्यों से मतभेद और विवाद बढ़ सकता है। धन व्यय और लाभ में कमी होने के कारण मानसिक अशांति हो सकती है।

मकर: जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं। वाहन चलाने में सावधानी रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बनाए रखें।

कुंभ: आपकी किसी लापरवाही या गलती की वजह से परिवार में अशांति बढ़ सकती है। घर के बड़े बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन: आप स्वास्थ्य हानि व शारीरिक पीड़ा से ग्रस्त हो सकते हैं। ट्रांसफर का योग है। धन खर्च और मानसिक उद्वेग हो सकते हैं।

सू- दोकू क्र.009

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग हैं, जिनमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं। 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र.08 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -009

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. [illegible] 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यवाही, करतूत, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

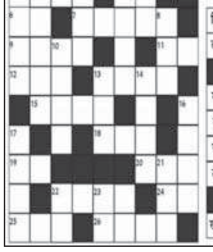

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 08 का हल

पार्षद ने लॉकडाउन में बांटा राशन और मास्क के साथ सैनिटरी पैड

भिलाई नगर निगम के पार्षद लक्ष्मीपति राजू ने हर वर्ग की जरूरत की पूरी, सुझाव मिला तो बनाई योजना, 5 महिलाओं की टीम बांट चुकी अब तक 2000 पैड

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाई। लॉकडाउन में जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए जनप्रतिनिधि भी हर संभव प्रयास कर रहे हैं। जनसेवा के इन प्रयासों में भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 65 के पार्षद व एमआईसी के स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू भी मिसाल पेश कर रहे हैं। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए राज्य में जिस दिन से धारा 144 लगाने का ऐलान किया गया उसके दूसरे दिन से ही लक्ष्मीपति ने जरूरतमंद लोगों की सेवा को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया। लॉकडाउन में पार्षद लक्ष्मीपति व उनकी टीम न केवल घर-घर जाकर लोगों को राशन, सैनिटाइजेशन व अन्य जरूरत का सामान ही बांटती है, बल्कि टीम से जुड़ीं महिलाएं घर-घर जाकर महिलाओं को सैनिटरी पैड भी बांट रही हैं। लॉकडाउन के करीब महीने भर से ज्यादा के समय में पार्षद लक्ष्मीमति की ओर से अपने टीम की महिला सदस्यों द्वारा भिलाई के सेक्टर सात के दो वार्डों में करीब 2 हजार सैनिटरी पैड बंटवाए गए। पैड लेने में महिलाओं द्वारा किसी प्रकार की कोई हिचक महसूस न हो इसके लिए बाकायदा एक पर्यावरण अनुकूल थैले में भरकर यै सैनिटरी पैड दिए जा रहे हैं।

वाट्सएप ग्रुप में डाला महिला सदस्यों का नंबर

लक्ष्मीपति राजू ने इस पहल को लेकर बताया कि लॉकडाउन में जब सभी का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया तो महिलाएं कैसे बाहर निकल पातीं। इसलिए हमने कुछ कुछ बहनों से बातचीतकर उनसे सुझाव लिया। इन बहनों ने लॉकडाउन में पैड वितरण का सुझाव दिया और हमने इसके लिए इसके लिए अलग से पांच महिलाओं की टीम बना दी। पांचों महिलाओं के नंबर सेक्टर 7 के सूचना के वाट्सग्रुप में डाल दिए। जिससे इन महिला

सदस्यों को उनके वाट्सएप पर पैड की रिक्वायरमेंट मिलने लगीं। जिस-जिस पते से रिक्वायरमेंट आती महिला सदस्य वहां पहुंचकर संबंधित महिलाओं को सैनिटरी पैड दे आती है। इस तरह करीब 2000 सैनिटरी पैड बांटे गए हैं।

10 हजार मास्क व 4 हजार सैनिटाइजर बांट चुके, अब फिर बांटेंगे

लक्ष्मीपति राजू सेक्टर 7 में 10 हजार डबल लेयर मास्क 15 एमएल सैनिटाइजर वाली करीब 4000 बोतलें बांट चुके हैं। लेकिन दुनियाभर के विशेषज्ञों द्वारा सावधानी बरतने की सलाह को ध्यान में रखते हुए उनके द्वारा और 4 हजार सैनिटाइजर, इतने ही हैंडवाश व 8 हजार मास्क मंगाए जा रहे हैं। रविवार से इनका वितरण शुरू हो जाएगा।

महापौर व पांच साथियों के सहयोग से बांटा राशन

लॉकडान के दौरान पार्षद लक्ष्मीपति विधायक व महापौर देवेंद्र यादव व अपने पांच साथियों के सहयोग से सेक्टर 7 में करीब 1500 परिवारों को 5 किलो चावल, किलो आटा, 2 किलो तुअर दार, 1 लीटर तेल, 1 नहाने का साबुन, नमक के अलावा 200-200 ग्राम हल्दी, मिर्च व धनिया पाउडर भी उपलब्ध कराया। इसके अलावा महापौर के अनुमति से सेक्टर 7 में सैनिटाइजेशन भी कराया।

राशन की दूसरी खेप का वितरण भी शुरू

बकौल लक्ष्मीपति दोबारा डिमांड पर राशन का दोबारा वितरण भी शुरू किया गया है। दूसरी खेप में अब तक 150-175 परिवार को राशन बांटा जा रहा है। इसमें 5 किलो आटा, डेढ़ किलो दाल, 1 लीटर तेल व नमक दिया जा रहा है। इस पहल के लिए लक्ष्मीपति व उनके चार पारिवारिक साथियों के द्वारा करीब 8-8.5 लाख रुपए की व्यवस्था की जा चुकी है।

अजब-गजबः बिना मास्क के मरीज दिखे, दवाईयां दिखीं कबाड़ पर, भरे आक्सीजन सिलेंडर गैराज और खाली सिलेंडर से मरीजों को रैफर कर रहे

पंकज सिंह भदौरिया

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा अस्पताल में कोविड19 महामारी के समय भी अव्यवस्थाएं कम होने का नाम नही ले रही, हालात यह है कि इस अस्पताल में एडमिट पेसेंट बिना मास्क के इलाज करवा रहे है.क्योकि उन्हें अस्पताल मास्क प्रोवाइड नही करा पा रहा है। अस्पताल में लेबर वार्ड में मौजूद महिला मरीज बिना मास्क के ही भर्ती थे. सबसे बड़ी लापरवाही तब दिखी जब इस अस्पताल के गैरेज में दवाईया खराब पड़ी है, वही ऑक्सीजन के 4 भरे सिलेंडर उसी गैरेज में रखे हुए है। तो खाली सिलेंडर अस्पताल में है। जब इमरजेंसी मरीज पहुँचता है. तो अस्पताल में काम कर रहे कर्मचारियों को यह भी पता नही होता कि जो कितने सिलेंडर कहा पर भरे है और कितने सिलेंडर खाली है। इसी उहापोह में शुक्रवार सुबह नकुलनार से जब तक वयोवृद्ध हृदय रोगी महिला को अचानक आक्सीजन की आवश्यकता लगी तो अस्पताल से खाली सिलेंडर में ही उन्हें दंतेवाड़ा जिला अस्पताल रेफर कर दिया रास्ते मे ही बुजुर्ग महिला ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद से नकुलनार के ग्रामीणों में कुआकोंडा अस्पताल की अव्यवस्थाओ को लेकर रोष है। जबकि विदित हो कोविड19 महामारी के वक्त सभी अस्पतालों में पूरी तरह से हाई अलर्ट और सभी सावधानियों को बरतने के स्वास्थ्य मंत्रालय से लेकर जिला प्रशासन ने दे रखे है।

उसके बावजूद भी इस तरह की लापरवाही कुआकोंडा में चल रहे स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोलने को पर्याप्त है। जबकि दंतेवाड़ा जिले के इसी कुआकोंडा ब्लाक के कई अंदुरुनी ग्रामो में दीगर राज्य आंध्र तेलंगाना के मजदूर चलकर पहुँचे है। जिन्हें कोरेनटाईन किया गया है, अगर कहि से इस महामारी से परिलक्षित कोई मरीज अगर धोखे से भी निकल गया तो यह कहने में कोई गुरेज नही है कि जिस तरह से आक्सीजन के सिलेंडर गैराज में और दवाई कबाड़ में बिना मास्क के मरीज इत्मीनान से घूम रहे है। यह तैयारियां कॉफी होगी। इस संबंध में सीएचएमओ का पक्ष जानने के लिए उनके नम्बर पर लगातार संपर्क किया किया पर इन्होंने काल रिसीव नही किया।

सभी को मास्क लगाना अनिवार्य है: कलेक्टर

बचेली एसडीएम को बताया गया है। मौके पर देखकर कार्यवाही होगी। सभी को मास्क लगाना अनिर्वाय है।

टोपेश्वर वर्मा, कलेक्टर दंतेवाड़ा

प्रशासन को व्यवस्था दुरस्त करना चाहिए: एसपी शांडिल्य

प्रशासन को इन लापरवाहियों पर ध्यान देकर व्यवस्था दुरस्त करनी चाहिए।

चावल की हेराफेरी की आशंका एक ट्रक चावल जब्त

■ **अग्रोहा भवन के पास स्थित दुकान में कार्रवाई**

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। व्यापक पैमाने में चावल की गड़बड़ी की सूचना पर प्रशासनिक टीम ने एक व्यापारी के दुकान के सामने खड़े एक ट्रक चावल जब्त की है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि चावल पीडीएस की है। हालांकि अभी उसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। व्यापारी ने राइस मिलर्स से खरीदे गए चावल का बिल पेश किया है। पूरे मामले की जांच की जा रही।

सिटी कोतवाली के पीछे अग्रोहा भवन के पास केवलराम जनरल स्टोर्स में शासकीय चावल की खेप ट्रक में पहुंचने की सूचना मिलने पर एसडीएम सुनील नायक, नायब तहसीलदार पवन कोसमा, खाद्य इंस्पेक्टर हरीश कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस की उपस्थिति में दुकान के सामने खड़े ट्रक की जांच पड़ताल की गई। ट्रक में 74.5 क्विंटल चावल लोड मिला। बोरी पीडीएस की नहीं मिली, इसके बाद भी चावल शासकीय होने की अंदेशे पर प्रशासनिक टीम ने जब्त करने की कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि जब्त किए गए चावल को व्यवसायी के ही गोदाम में डंप कर सुपुर्द में दिया गया है। मामले की जांच तक चावल को सुरक्षित रखने की जवाबदारी भी व्यापारी को दी गई है। अधिकारियों का

पीडीएस की दुकानों का स्टॉक परीक्षण का आदेश

व्यापारी ने एक राइस मिल का बिल प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया है। मौके ही अफसरों ने बिल में दर्ज नंबर के आधार पर उससे संपर्क किया तो उसने चावल बेचे जाने से इनकार कर दिया। जब्त किया गया चावल ठीक उसी तरह मोटा है जैसे पीडीएस का रहता है। प्रशासन ने आसपास के जितने भी पीडीएस की दुकान है, वहां स्टॉक का भौतिक परीक्षण करने का आदेश जारी किया है।

उपभोक्ता 15 रुपये किलो में बेच रहे

पीडीएस से मिलने वाले चावल को कई ऐसे उपभोक्ता हैं जो व्यापारियों को 15 रुपये किलो के हिसाब से बेच देते हैं। ऐसे कई व्यापारी चोरी छिपे यह कारोबार कर रहे। आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि इसी तरह के किसी व्यापारी से केवलराम किराना संचालक ने खरीदा हो। इस कार्रवाई से सरकार की ओर से प्रदान किए जा रहे सस्ता राशन बेचे-खरीदे जाने का भी भंडाफोड़ हो सकता है।

74.5 क्विंटल बोरा चावल जब्त

गड़बड़ी की शिकायत पर मौके पर पहुंच ट्रक में लोड 74.5 क्विंटल बोरा चावल को जब्त करने की कार्रवाई की गई है। चावल को व्यापारी के गोदाम में रखा गया है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि जब्त किया गया चावल शासकीय है अथवा निजी।

सुनील नायक, एसडीएम कोरबा

कहना है कि जिले के अंतर्गत कस्टम मिलिंग वाले राइस मिल के स्टॉक का परीक्षण किया जाएगा। यह भी देखा जाएगा कितना धान केंद्र से भेजा गया और कितना चावल वेयरहाउस के गोदाम तक पहुंचा। स्टॉक में अंतर मिला तो गड़बड़ी की आशंका बढ़ जाएगी। बहरहाल प्रशासन की जांच चल रही।

18 गांव डूबान क्षेत्र में फिर पैरी बारूका हाईडैम बनाने योजना तैयार

■ **गरियाबंद के 36 गांवों के लोगों ने कई बार किया है इस योजना का विरोध**

जीवन एस. साहू

गरियाबंद। क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित पैरी बारूका हाईडैम बनाए जाने को लेकर राज्य सरकार ने योजना तैयार कर ली गई है। वर्षों बाद फिर से नई स्कीम बनाकर राज्य सरकार ने सैद्धांतिक सहमति देते हुए करोड़ों रुपए के फंड मुहैया कराए जाने की बात सामने आई हैं, सन 1975 से लगातार क्षेत्र की जनता बांध नहीं बनाए जाने का विरोध कर रही है। इस स्कीम को देखकर लगता है कि फिर से बांध निर्माण की तलवार लटक रही है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा है, कि पैरी हाईडैम को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार स्थिति स्पष्ट करें, क्योंकि सरकार ने पिछले दरवाजे से हाई डैम के निर्माण की सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गरियाबंद क्षेत्र को डुबाने के लिए सरकार ने योजना बना ली है। पैरी महानदी इंटरलिंकिंग बारूका गरियाबंद परियोजना की एक योजना तैयार की गई है, आखिर इस योजना को लेकर क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को जवाब देना चाहिए, कांग्रेस की सरकार लोगों को रोजगार दिलाने सिंचाई योजना लागू करने की बात कह रही है परंतु डुबान प्रभावित लोगों का क्या होगा स्थिति स्पष्ट नहीं है। छत्तीसगढ़ में 15 वर्षों तक भाजपा की सरकार ने इस योजना को लेकर रोक लगाई थी। बांध के विरोध में अनेक बार आंदोलन हुए हैं, क्षेत्र की जनता को गुमराह कर पैरी हाई डेम की स्कीम बनाई गई है, गरियाबंद क्षेत्र के 36 गांव को अनेक बार डुबाने का प्रयास किया गया। इस बार भी जमकर विरोध होगा।गौरतलब है कि ब्रिटिश शासनकाल में योजना का खाका खींचा गया था। इसके बाद कई बार पैरी हाई डेम के नाम से सर्वे भी हुए। जिला मुख्यालय से 13 किमी दूर बारूका के समीप पैरी नदी पर इसके निर्माण के लिए प्रस्तावित स्थल का चयन पूर्व में कर लिया गया था।

पहले 18 गांव डुबान में आ रहे थे

उल्लेखनीय है कि पूर्व में क्षेत्र के 18 ग्राम डुबान में आ रहे थे। वर्तमान में योजना का प्रारूप क्या होगा, इसको लेकर संबंधित अफसर कुछ भी बताने को तैयार नहीं है ग्राम बारूका, मालगांव, कस, बेहराबुड़ा, कोदोबतर, पंटोरा, चिखली, खट्टी डुबान प्रभावित ग्राम के रुप में सामने आए थे। पैरी महानदी लिंक प्रोजेक्ट का लाभ नया रायपुर और धमतरी जिले के मगरलोड ब्लाक के किसानों को मिलेगा। यह कहना भी मुश्किल है कि डिटेल सर्वे किस तरह का होगा, इसमें कितने गांव डुबान में आएंगे।

पीलिया से युवक की मौत, निगम अधिकारियों पर फूटा नागरिकों का गुस्सा

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। जिला प्रशासन की पूरी टीम कोरोना जैसे गम्भीर जान लेवा वायरस को मात देने में लगा रहा और इधर पीलिया ने दबे पांव दस्तख दे एक युवक की जान ले ली। बहतराई रोड निवासी अनिल राठौड़ की जान पीलिया के चलते हो गई है। एक बार फिर गर्मी आते ही बिलासपुर में पीलिया ने पांव पसारना शुरू कर दिया है। खासकर सरकंडा क्षेत्र के लिंगियाडीह में बुरी तरह पीलिया का प्रकोप दिखा जा रहा है। पेयजल की सप्लाई की पाइपलाइन में जगह-जगह छेद और नालियों से होकर पाइप लाइन के गुजरने के कारण प्रति वर्ष पीलिया का प्रकोप फैलने का खतरा रहता है बिलासपुर नगर निगम के पास स्वयंम का टेस्टिंग लैब तक नहीं है इसके लिए भी वह जांच तक के लिए पीएचई पर निर्भर है।

क्षेत्र में हो रही थी प्रदूषित पानी की सप्लाई

यही कारण है कि नगर निगम को इस बात की भनक तक नहीं लगा पाया कि किस क्षेत्र में प्रदूषित पानी की सप्लाई हो रही है। इन दिनों बिलासपुर नगर निगम अलग-अलग क्षेत्र में पानी टंकियों की सफाई करा रहा है ।बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र में 43 पानी टंकिया है। कहने को तो हर दिन 6 टंकियो की जांच की जाती है लेकिन सच तो यह है कि साल में एक बार ही इनकी सफाई की सुध नगर निगम लेता है। यही नहीं पानी की जांच भी नियमित नहीं होती। इस बार प्रशासन का पूरा ध्यान कोरोना पर होने से भी गर्मी से पहले पाइप लाइन के मेंटेनेंस का काम नहीं हो सका। लेकिन इसी कारण से सरकंडा क्षेत्र में पीलिया ने अपना पांव पसार लिया ।

विधायक ने दिए पाइप लाइन बदलने का आदेश

पीलिया से एक युवक की मौत के बाद अब बिलासपुर विधायक शैलेश पांडेय ने कलेक्टर को पत्र लिखकर तुरंत सभी क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को बदलने को कहा है। लॉक डाउन के कारण सब कुछ बंद है। जाहिर है ऐसे में युद्ध स्तर पर काम नहीं हो पाएगा। शहर में कई स्थान ऐसे हैं जहां अब भी नालियों से होकर पाइप लाइन गुजर रही है। पुराने पाइपलाइन में छेद हो चुके हैं जिस कारण नालियों का गंदा पानी पाइप लाइन में प्रवेश कर रहा है और यही गंदा पानी लोगों के घरों तक पहुंच रहा है, जिसे पीकर लोग बीमार पड़ रहे हैं । बताया जा रहा है कि लिंगियाडीह क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग पीलिया ग्रसित हैं, जिससे अब जिला प्रशासन के हाथ पांव फूल गए हैं और यहां स्वास्थ शिविर लगाने की तैयारी आरंभ हो गई है ।

पीलिया ने बढ़ाई लोगों की चिंता

इधर जिला प्रशासन कोरोना से जंग लड़ता रह गया और उधर मौत पीलिया से हो गई ,इसलिए चिंता का विषय है कि जिला प्रशासन के लिए प्राथमिकता का केंद्र क्या होना चाहिए। बताया जा रहा है की लिंगियाडीह और बहतराई में करीब 50 लोग फिलहाल पीलिया पीड़ित है।